केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बोले- जमीनी स्तर की योजनओं से मिलती हैं बड़ी उपलब्धियां - 12

अमेरिकी शुल्क के बावजूद भारत का निर्यात स्थर भारतीय बाजारों में विविधता से मिली मजबूती - 12

बांग्लादेश सरकार का दावा-उस्मान हादी के दो संदिग्ध हत्यारे भारत भागे - 13

नया साल भारतीय महिला हॉकी के लिए नई उम्मीद लेकर आएगा : ड्रेग फ्लिकर दीपिका - 14

आज का मौसम

17.0° अधिकतम तापमान

10.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 07.05

सूर्यास्त 05.23

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

हल्द्वानी

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

पौष शुक्ल पक्ष नवमी 10:12 उपरांत दशमी विक्रम संवत 2082

सोमवार, 29 दिसंबर 2025, वर्ष 5, अंक 309, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

10 हजार रन बनाने वाली दूसरी भारतीय खिलाड़ी बनीं मंधाना

तिरुवनंतपुर, एजेंसी

- भारतीय उपकप्तान ने 281 पारियों में हासिल की यह उपलब्धि

उपकप्तान स्मृति मंधाना रविवार को यहां श्रीलंका के खिलाफ चौथे टी20 मैच के दौरान महिला अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 10 हजार रन पूरे करने वाली भारत की दूसरी व दुनिया की कुल चौथी बल्लेबाज बनीं।

स्मृति ने यहां ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में निमाशा मीपागे की गेंद पर जैसे ही 27वां रन बनाया स्टेडियम तालियों से गूंज पड़ा। भारत की मिताली राज, इंग्लैंड की चार्लोट एडवर्ड्स और न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स उनके पहले यह उपलब्धि हासिल कर चुकी हैं। स्मृति ने हालांकि सबसे कम पारियों में 10 हजार रन पूरा करने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने 281 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की। मिताली इस सूची में 291 पारियों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। चार्लोट और सूजी ने क्रमशः 308 और 314 पारियों में इस आंकड़े को छुआ था। (विस्तृत खेल पेज पर)

चरित्र निर्माण के साथ भविष्य को सही दिशा देती हैं पुस्तकें : धामी

- मुख्यमंत्री ने कोटाबाग ब्लॉक में घोड़ा लाइब्रेरी के पहाड़ पच्छयाण महोत्सव में युवाओं में भरा जोश

संवाददाता, कालाढूंगी

महोत्सव में गदा देकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का अभिनंदन किया गया।

अमृत विचार : पुस्तकों को केवल परीक्षा पास करने तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए, बल्कि उन्हें जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाया जाना चाहिए। पुस्तकों से प्राप्त ज्ञान न केवल शैक्षणिक सफलता दिलाता है, बल्कि व्यक्ति के चरित्र निर्माण, सोच के विकास और भविष्य को सही दिशा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह बात मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को कालाढूंगी विधानसभा क्षेत्र के अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज कोटाबाग में आयोजित दो दिवसीय घोड़ा लाइब्रेरी पहाड़ पच्छयाण महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर कही।

सीएम धामी ने कहा कि घोड़ा लाइब्रेरी दुर्गम और पहाड़ी क्षेत्रों में निवास करने वाले बच्चों के लिए आशा की किरण बनकर उभरी है। सीमित संसाधनों और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद यह अनूठी पहल घोड़े के माध्यम से पुस्तकों को बच्चों तक पहुंचाकर ज्ञान का उजाला फैला रही है। यह प्रयास केवल पुस्तकों के वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि बच्चों के सपनों को उड़ान देने और उनके भविष्य को नई दिशा देने का माध्यम भी बन रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश के शहरों से लेकर सुदूर पर्वतीय गांवों तक सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं को मजबूत कर रही है। साथ ही उत्तराखंड की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सीएम ने कहा कि देवभूमि को विश्व की आध्यात्मिक राजधानी के रूप में स्थापित करने की दिशा में सरकार लगातार काम कर रही है।

केदारखंड की तर्ज पर मानसखंड के पौराणिक मंदिरों नैनादेवी, कैंची धाम, हनुमानगढ़ी और मुक्तेश्वर के विकास और सौंदर्यीकरण का कार्य किया जा रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि उत्तराखंड देश का पहला राज्य है जहां बुनियादी शिक्षा के लिए राज्य पाठ्यचर्या रूपरेखा तैयार की गई है। विद्यालयों में बस्तारहित दिवस लागू किया गया है तथा गढ़वाली, कुमाऊंनी और जौनसारी भाषाओं में पुस्तकें तैयार की जा रही हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे पुस्तकों को अपने जीवन का स्थायी साथी बनाएं।

ब्रीफ न्यूज

दवा संयंत्र में विस्फोट मामले में सिगाची इंडस्ट्रीज का सीईओ गिरफ्तार

हैदराबाद। तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में सिगाची इंडस्ट्रीज के दवा संयंत्र में इस साल जून में हुए विस्फोट के सिलसिले में कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी को गिरफ्तार किया गया है। इस घटना में 54 लोगों की मौत हो गयी थी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना के मामले में आरोपी नंबर दो के रूप में नामजद सिगाची इंडस्ट्रीज के प्रबंध निदेशक और सीईओ अमित राज सिन्हा को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि छह लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है, जो सभी दवा कंपनी से जुड़े हैं। 30 जून को संगारेड्डी जिले में सिगाची के विनिर्माण संयंत्र में विस्फोट हुआ था।

संपत्ति दिलाने के नाम पर 12 करोड़ की ठगी पांच लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने गुरुग्राम के डीएलएफ कैमेलियास में ऐसी संपत्ति बेचने के नाम पर 12 करोड़ रुपये की ठगी करने के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है, जो अस्तित्व में ही नहीं है। इन गिरफ्तारियों से एक संगठित प्रॉपर्टी धोखाधड़ी गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है जो पीड़ितों को ठगने के लिए फर्जी बैंक नीलामी दस्तावेजों का इस्तेमाल कर रहा था। गिरोह बैंकों द्वारा नीलाम की गई प्रीमियम संपत्तियों पर तुरंत कब्जा दिलाने का झूठा दावा करके कई राज्यों में 200 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी कर चुका है।

हाईवे पर रोडवेज बस में की तोड़फोड़ यात्री चोटिल

गजरौला। नेशनल हाईवे पर कार सवार दबंग युवकों ने दिल्ली जा रही बस को रोककर तोड़फोड़ कर दी। यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। घटना का वीडियो वायरल हो रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। शनिवार की देर रात रोडवेज की बस सीतापुर से दिल्ली जा रही थी। चालक अफरोज बस लेकर नेशनल हाईवे पर गजरौला स्थित ब्रजघाट के पास पहुंचा तो पीछे से आए कार सवार युवकों ने बस को रोक लिया। बस के रुकते ही लाठी-डंडों से तोड़फोड़ करनी शुरू कर दी जिससे यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। कांच और डंडे लगने से कई यात्री चोटिल हो गए।

युवा शक्ति के कारण दुनिया भारत की ओर बड़ी उम्मीदों से देख रही है : मोदी

मन की बात में प्रधानमंत्री बोले- हमारे विज्ञान और तकनीक ने सभी को प्रभावित किया

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि विज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी के विस्तार के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों ने दुनिया भर के देशों को बहुत प्रभावित किया है और युवा शक्ति के कारण पूरी दुनिया देश की ओर बड़ी उम्मीदों से देख रही है। मोदी ने अपने मासिक मन की बात संबोधन में कहा, आज दुनिया भारत को बहुत आशा के साथ देख रही है। भारत से उम्मीद की सबसे बड़ी वजह है, हमारी युवा शक्ति।

मोदी ने कहा, भारत के युवाओं में हमेशा कुछ नया करने का जुनून है और वो उतने ही जागरूक भी हैं। मेरे युवा साथी कई बार मुझसे यह पूछते हैं कि राष्ट्र निर्माण में वो अपना योगदान और कैसे बढ़ाएं, वो कैसे अपने विचार साझा कर सकते हैं। कई साथी पूछते हैं कि मेरे सामने वो अपने विचार को कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं, उन्होंने कहा कि हमारे युवा साथियों की इस जिज्ञासा का समाधान है विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग।

उन्होंने कहा कि पिछले साल इसका पहला संस्करण आयोजित हुआ था और अब कुछ दिन बाद उसका दूसरा संस्करण आयोजित होने वाला है। अगले महीने की 12 तारीख को स्वामी विवेकानंद जी की जयंती के अवसर पर 'राष्ट्रीय युवा दिवस' मनाया जाएगा। इसी दिन 'यंग लीडर्स डायलॉग' का भी आयोजन होगा और मैं भी इसमें जरूर शामिल होऊंगा। इसमें हमारे युवा नवोन्मेष, फिटनेस, स्टार्टअप और कृषि जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार साझा करेंगे। मैं इस कार्यक्रम को लेकर बहुत ही उत्सुक हूं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि ऐसे बहुत से मंच विकसित हो रहे हैं, जहां युवा अपनी योग्यता और रुचि के अनुसार अपनी प्रतिभा दिखा सकते हैं। ऐसा ही एक मंच है स्मार्ट इंडिया हैकथॉन, जहां आईडिया, एक्शन' में बदलते हैं। स्मार्ट इंडिया हैकथॉन 2025 का समापन इसी महीने हुआ है। इस हैकथॉन के दौरान 80 से अधिक सरकारी विभागों की 270 से ज्यादा समस्याओं पर छात्रों ने काम किया।

देश के लिए 2025 गौरवपूर्ण उपलब्धियों का वर्ष रहा

नई दिल्ली। मोदी ने कहा कि 2025 भारत के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धियों का वर्ष रहा है। इस साल ऑपरेशन सिंदूर हर भारतीय के लिए गर्व का प्रतीक बन गया। दुनिया ने साफ देखा आज का भारत अपनी सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करता। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान देश के कोने-कोने से मां भारती के प्रति प्रेम और समर्पण की तस्वीरें सामने आई। 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूरे हुए। मैंने आपसे आग्रह किया था कि 'हैशटैग वंदे मातरम् 150' के साथ अपने संदेश और सुझाव भेजें। हमारी पुरुष क्रिकेट टीम ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीती और महिला क्रिकेट टीम ने पहली बार विश्व कप अपने नाम किया।

संस्कृति और भाषाओं के वैश्विक प्रसार की सराहना की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री ने फिजी में नई पीढ़ी को तमिल भाषा से जोड़ने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने दुबई में रहने वाले कन्नड़ परिवारों द्वारा अपने बच्चों को कन्नड़ भाषा सिखाने के लिए 'कन्नड़ पाठशाला' शुरू करने के प्रयासों की भी सराहना की। उन्होंने कहा, अब मैं आपसे भारत से हजारों किलोमीटर दूर, एक ऐसे प्रयास की बात करना चाहता हूं, जो दिल को छू लेने वाला है। फिजी में भारतीय भाषा और संस्कृति के प्रसार के लिए एक सराहनीय पहल हो रही है। वहां की नई पीढ़ी को तमिल भाषा से जोड़ने के लिए कई स्तरों पर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। पिछले महीने फिजी के राकी-राकी इलाके के एक स्कूल में पहली बार तमिल दिवस मनाया गया।

एंटीबायोटिक के अंधाधुंध इस्तेमाल के खिलाफ चेताया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री ने एंटीबायोटिक प्रतिरोध के मुद्दे को उठाते हुए लोगों से आग्रह किया कि वे डॉक्टर से परामर्श किए बिना ऐसी दवाएं न लें। कहा कि आईसीएमआर ने हाल ही में एक रिपोर्ट जारी की है, जिसमें कहा गया है कि निमोनिया और यूटीआई जैसी कई बीमारियों के खिलाफ एंटीबायोटिक अप्रभावी साबित हो रही हैं। यह सभी के लिए चिंता का विषय है। इसका एक बड़ा कारण लोगों द्वारा बिना सोचे-समझे एंटीबायोटिक दवाओं का सेवन है। कहा, आजकल लोग ये मानने लगे हैं कि बस एक गोली ले लो, हर तकलीफ दूर हो जाएगी। यही वजह है कि बीमारियां और संक्रमण इन एंटीबायोटिक दवाओं पर भारी पड़ रहे हैं।

पनडुब्बी में सवार हो समुद्र की गहराइयों तक पहुंचीं महामहिम

कर्नाटक के कारवार तट पर पनडुब्बी आईएनएस वाघशीर में सवार होतीं राष्ट्रपति मुर्मू। ● एजेंसी

नई दिल्ली, एजेंसी

- आईएनएस वाघशीर पर हुईं सवार, यात्रा करने वाली देश की दूसरी राष्ट्रपति
- 2006 में तत्कालीन राष्ट्रपति कलाम ने आईएनएस सिंधु रक्षक में की थी यात्रा

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू रविवार को भारतीय नौसेना की अग्रिम पंक्ति की पनडुब्बी आईएनएस वाघशीर पर सवार होकर समुद्री यात्रा की। मुर्मू पनडुब्बी पर सवार होकर यात्रा करने वाली देश की दूसरी राष्ट्रपति हैं। इससे पहले फरवरी 2006 में तत्कालीन राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम ने भारतीय नौसेना की पनडुब्बी आईएनएस सिंधु रक्षक से समुद्री यात्रा की थी।

अधिकारियों ने बताया कर्नाटक के कारवार नौसैनिक अड्डे से कलवरी श्रेणी की पनडुब्बी पर राष्ट्रपति के सवार होने के दौरान नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी भी उनके साथ मौजूद थे। मुर्मू ने नौसेना की वर्दी पहनकर पनडुब्बी में प्रवेश करने से पहले नौसेना कर्मियों को हाथ हिलाकर अभिवादन किया। उन्होंने आईएनएस वाघशीर के चालक दल से बातचीत की और उनकी समर्पण भावना की सराहना की, साथ ही देशी पनडुब्बी को भारतीय नौसेना की पेशेवर उत्कृष्टता और युद्ध तैयारियों का चमकता उदाहरण बताया।

आईएनएस वाघशीर की खासियत

यह एक स्कॉर्पीन-क्लास पनडुब्बी है, जो अत्याधुनिक हथियारों और प्रणालियों से सुसज्जित है, जिससे यह समुद्र में गुप्त संचालन करने में सक्षम है। वाघशीर की लंबाई 68 मीटर और वजन लगभग 1,550 टन है। यह पनडुब्बी गुप्त संचालन के लिए डिजाइन की गई है। इसमें उन्नत सोनार सिस्टम भी लगाया गया है, जो इसकी निगरानी क्षमताओं को बढ़ाता है।

प्रदेश भाजपाध्यक्ष महेंद्र भट्ट को मिली जान से मारने की धमकी

देहरादून। उत्तराखंड भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष और राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट को कथित तौर पर जान से मारने की धमकी को लेकर शिकायत दर्ज कराई गई है। प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर सिंह चौहान ने इस संबंध में जानकारी दी कि पुलिस को दिए पत्र में बताया गया कि लगातार अज्ञात नंबर से उनके प्रति अपशब्द एवं अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल किया जा रहा है। प्रदेशाध्यक्ष द्वारा स्वयं को जान से मारने की धमकी देने के सम्बन्ध में एसएसपी देहरादून को शिकायती पत्र दिया गया है जिसमें अध्यक्ष भट्ट द्वारा बताया गया कि एक अज्ञात मोबाइल नंबर से रविवार को मेरे निजी मोबाइल नंबर पर लगातार गाली गलौज व अपशब्द का प्रयोग करके मुझे जान से मारने की धमकी दी गई है। (विस्तृत पेज-2)

रुद्रपुर में ताबड़तोड़ गोलीबारी, मजदूर की गई जान

संवाददाता, रुद्रपुर

- प्रीत विहार में जमीन पर कब्जे को लेकर दो गुटों में भिड़ंत

अमृत विचार : फाजलपुर महरौला प्रीत विहार क्षेत्र रविवार सुबह गोलियों की तड़तड़ाहट गूंज उठा। एक पक्ष भूमि की जोताई करने खेत में पहुंचा था, तभी दूसरे पक्ष ने अपने साथियों के साथ मिलकर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी।

दोनों पक्षों की ओर से हुई गोलीबारी में एक मजदूर की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, बिगवाड़ा निवासी सिमरन सिंह और फाजलपुर महरौला प्रीत विहार निवासी कश्मीर सिंह के बीच करीब दो वर्षों से भूमि विवाद चला आ रहा है।

रविवार सुबह करीब 11 बजे सिमरन सिंह ट्रैक्टर-ट्रॉली और मजदूरों के साथ अदालती आदेश के बाद भूमि पर कब्जा लेने पहुंचा था। आरोप है कि, इसी दौरान पहले से घात लगाए बैठे कश्मीर सिंह ने अपने साथियों के साथ फायरिंग शुरू कर दी। गोलीबारी के दौरान बिहार के नरकटियागंज निवासी मजदूर कार्तिक (28) के पेट के दाहिने हिस्से में गोली लगी, जो पसलियों को चीरते हुए बाहर निकल गई।

आनन-फानन में उसे जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर एसएसपी ऊधमसिंह नगर मणिकांत मिश्रा, एसपी सिटी उत्तम सिंह नेगी और सीओ प्रशांत कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। मौके से पिस्टल और राइफल के कई खाली खोखे बरामद किए हैं। एसएसपी के निर्देश पर पुलिस ने वारदात को अंजाम देने वाले आरोपियों की सरगर्मी से तलाश शुरू कर दी है। (संबंधित पेज-7)

ऋषिकेश में रेल व राजमार्ग बाधित कर वन व पुलिस टीम पर पथराव

देहरादून। ऋषिकेश में वन भूमि के चिन्हीकरण और पैमाइश के विरोध में लोगों ने रेल और राजमार्ग बाधित कर दिया। गुस्साए लोगों ने वन, पुलिस, राजस्व की टीमों पर पथराव किया। बाद में कई थानों की पुलिस फोर्स मौके पर पहुंची और हालात पर काबू पाया।

घटना रविवार को तब हुई जब सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार वन, राजस्व समेत तीन विभागों की टीमें अतिक्रमित क्षेत्रों में वन भूमि के चिन्हीकरण व पैमाइश के लिए पहुंची थी। इस बाबत लोगों ने एक बैठक की और रेलवे व सड़क मार्ग बाधित कर दिया। उन्होंने सीएम व वन मंत्री से इस प्रकरण का संज्ञान लेते हुए समस्या के समाधान की मांग की है। (विस्तृतपेज-2)

कोयले की अंगीठी से दम घुटने से टैक्सी चालक की मौत

संवाददाता, नैनीताल

- नोएडा से पर्यटकों को लेकर आया था मथुरा निवासी मनीष

अमृत विचार : नोएडा से पर्यटकों को लेकर नैनीताल आए टैक्सी चालक की वाहन के अंदर कोयले की अंगीठी जलाने से दम घुटने के कारण मौत हो गई। यह घटना सूखाताल पार्किंग में शनिवार देर रात हुई, जब चालक ने ठंड से बचने के लिए वाहन के भीतर कोयले की अंगीठी जलाकर कंबल ओढ़कर सो गया था।

रविवार सुबह तक वह नहीं उठा तो पार्किंग कर्मियों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने वाहन का शीशा तोड़कर उसे बाहर निकालकर बीडी पांडे राजकीय अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान सिरोहा यमुनापार, मथुरा (यूपी) निवासी मनीष गंधार के रूप में हुई, जो अपने टैक्सी वाहन से नोएडा से पर्यटकों को लेकर नैनीताल आया था। घटना के समय उसने ठंड से बचने के लिए वाहन के अंदर अंगीठी जलाई थी, जिससे जहरीली कार्बन मोनोऑक्साइड गैस का स्तर बढ़ गया और चालक बेसुध हो गया तथा बाद में उसकी मौत हो गई। एसपी क्राइम डॉ. जगदीश चंद्र ने बताया कि प्रथम दृष्टया अंगीठी की गैस के कारण दम घुटने की आशंका है, लेकिन सटीक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा।

बदलाव

यूपी देश के अग्रणी निवेश गंतव्यों में शामिल, 12वें से दूसरे स्थान तक का तय किया सफर

ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में उत्तर प्रदेश ने लगाई बड़ी छलांग

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- आवेदन निस्तारण दर 97 प्रतिशत से अधिक, 20 लाख से ज्यादा डिजिटल स्वीकृतियां

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश ने वर्ष 2025 में व्यापार में सुगमता के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां दर्ज की हैं। प्रशासनिक और डिजिटल सुधारों ने प्रदेश को निवेश के लिए भरोसेमंद राज्य के रूप में स्थापित किया। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के तहत वर्ष 2017-18 में जहां यूपी 12वें स्थान पर था, वहीं वर्ष 2019 में प्रदेश ने देश में दूसरा स्थान प्राप्त किया। वर्ष 2022 और 2024 में उत्तर प्रदेश को 'टॉप अचीवर' की श्रेणी में स्थान मिला।

साथ ही वर्ष 2022, 2023 और 2024 की लॉजिस्टिक्स रैंकिंग में भी राज्य को 'अचीवर्स' के रूप में मान्यता मिली। वर्ष 2021 के गुड गवर्नेंस इंडेक्स में वाणिज्य एवं उद्योग श्रेणी में प्रदेश शीर्ष पर रहा। दरअसल, योगी सरकार ने मिनिमम गवर्नमेंट, मैक्सिमम गवर्नेंस, के सिद्धांत पर चलते हुए व्यापार और निवेश प्रक्रियाओं को सरल बनाने पर विशेष जोर दिया। समग्र सुधारों, डिजिटल पहलों और निवेशक-अनुकूल नीतियों के चलते उत्तर प्रदेश ने ईज ऑफ डूइंग बिज़नेस में तेज प्रगति की। डिजिटल सिस्टम, पारदर्शी प्रक्रियाएं और बड़े पैमाने पर सुधारों ने प्रदेश को देश के सबसे निवेशक-अनुकूल राज्यों में शामिल कर दिया है। बिजनेस रिफार्म एक्शन प्लान-2024 के अंतर्गत उत्तर प्रदेश को उद्यम स्थापना, श्रम नियमों के सरलीकरण और भूमि प्रशासन जैसे तीन प्रमुख क्षेत्रों में 'टॉप अचीवर' घोषित किया गया। रिफार्म एक्शन प्लान के तहत 2024 के बाद सरकार ने 24 क्षेत्रों में 426 अहम सुधार किए। इनमें उद्यम स्थापना, निवेश सुविधा, भूमि सुधार, श्रम पंजीकरण, पर्यावरण अनुमति, सिंगल विंडो सिस्टम और निर्माण अनुमति जैसी प्रक्रियाएं शामिल हैं।

निवेश मित्र बना कारोबार का भरोसेमंद प्लेटफॉर्म

सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है डिजिटल सिंगल विंडो पोर्टल निवेश मित्र। इस पोर्टल के माध्यम से 45 विभागों की 525 से अधिक सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध कराई जा रही हैं। अब तक 20 लाख से अधिक स्वीकृतियां डिजिटल रूप से जारी की जा चुकी हैं और 97 प्रतिशत से अधिक आवेदनों का निस्तारण हो चुका है। पोर्टल के अनुसार 96 प्रतिशत से अधिक उपयोगकर्ता निवेश मित्र की सेवाओं से संतुष्ट हैं।

सरकार कर रही अगले संस्करण की तैयारी

सरकार निवेश मित्र के अगले संस्करण 'निवेश मित्र 3.0' की तैयारी कर रही है। यह पोर्टल राष्ट्रीय सिंगल विंडो सिस्टम के साथ एकीकृत होगा और एकीकृत शिकायत निस्तारण प्रणाली, निवेश सारथी, आनलाइन इंटीग्रेटेड मैनेजमेंट सिस्टम, इंडिया इंडस्ट्रियल लैंड बैंक और मुख्यमंत्री दर्पण जैसी प्रणालियों से जुड़ेगा। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित स्मार्ट डैशबोर्ड, रियल-टाइम डेटा एनालिसिस जैसी सुविधा होगी।

अमृत विचार

हल्द्वानी , सोमवार,29 दिसंबर 2025

स्टेट ब्रीफ

लक्सर गोलीकांड में एसआईटी गठित

हरिद्वार : लक्सर गोलीकांड की निष्पक्ष व पारदर्शी जांच सुनिश्चित करने के लिए एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने सीओ सिटी एसएस नेगी के नेतृत्व में एसआईटी गठित की है। एसआईटी में एसओ पथरी मनोज नौटियाल, एसओ बहादराबाद अंकुर शर्मा, एसआई विपिन कुमार, हेड कांस्टेबल विनोद कुंडलिया व सीआईयू रुड़की के कांस्टेबल महिपाल शामिल किए गए हैं। यह टीम घटनाक्रम से जुड़े सभी तथ्यों, साक्ष्यों एवं परिस्थितियों की गहनता से जांच कर समय से जांच रिपोर्ट पेश करेगी।

रुड़की से पांच ढोंगी बाबा गिरफ्तार

रुड़की : कोतवाली रुड़की पुलिस ने रविवार को ऑपरेशन कालनेमि के तहत बहरूपी बाबा भेषधारियों को दबोचा है। इंस्पेक्टर कोतवाली ने बताया कि, चेकिंग के दौरान ऐसे पांच ढोगी बाबा चिन्हित किए गए, जो साधु-संतों का भेष धारण कर भीख मांगने के नाम पर लोगों से अधिक धनराशि वसूल कर रहे थे। इन बहरूपियों की गतिविधियों से स्थानीय लोगों एवं यात्रियों के भड़कने की संभावना को देखते हुए, कोतवाली रुड़की पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए धारा 172(2) बीएनएसएस के अंतर्गत आरोपियों नौशाद, गणेश, अरविंद गुलाम माही और मेहरबान को गिरफ्त में लिया गया।

ऋषिकेश में वन भूमि चिन्हित करने गये पुलिस व वन कर्मियों पर पथराव

गुस्साए लोगों ने रेलवे व सड़क मार्ग किया बाधित, पुलिस ने लाठी फटकार संभाली स्थिति

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर ऋषिकेश के आसपास के इलाकों में वन भूमि चिन्हीकरण एवं पैमाइश को लेकर पहुंची पुलिस और वन विभाग की टीमों पर लोगों ने पथराव कर दिया। बाद में पुलिस ने लाठियां फटकार कर लोगों को भगाने की कोशिश की लेकिन उग्र भीड़ के चलते हालात बेकाबू रहे। बाद में कई थानों से पुलिस फोर्स बुलाकर लोगों को खदेड़ा गया। फिलहाल देर रात पुलिस की कार्यवाही जारी रही।

सुप्रीम कोर्ट ने वन विभाग को वन भूमि की पैमाइश व चिन्हीकरण को लेकर निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में वन, पुलिस व राजस्व विभाग की संयुक्त टीमें प्रभावित क्षेत्रों में जा रही है। इसी को लेकर लोग काफी आशंकित और खौफ में हैं। लिहाजा, लोग विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। रविवार को इसको लेकर शिवाजी नगर में एक बैठक बुलाई गई। इसमें लोगों ने जंगलात की कार्यवाही को लेकर अपने-अपने विचार रखे।

पथराव के बाद पुलिस फोर्स के साथ फ्लैग मार्च निकालते एसएसपी अजय सिंह।

उधर, सैकड़ों लोग सड़क छोड़ मनसा देवी रेलवे ट्रैक पर बैठ गए जिससे मामला गरमा गया। ट्रैक पर बैठने वालों में महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग सभी शामिल हैं। जब वन व पुलिस टीमें लोगों को समझाने पहुंचे तो वे आग बबूला हो गए और उन पर पथराव शुरू कर दिया।

पुलिस ने लाठियां फटकारी लेकिन लोगों की संख्या ज्यादा होने पर भीड़ को काबू करने में दिक्कत हुई। बाद में आसपास के थानों, पीएसी को बुलाकर भीड़ को तितर-बितर किया गया। खबर लिखे जाने तक मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद है। पार्षद अभिनव मलिक ने कहा कि यह कार्रवाई सर्वोच न्यायालय के आदेश पर हो रही है। खाली भूमि को चिन्हित करने की कार्रवाई की जा रही है इसमें अभी पैनिक होने की जरूरत नहीं है। 5 जनवरी को मामले में दूसरी सुनवाई होनी है।

हमारी एक बैठक हुई है जिसमें निर्णय लिया गया कि जरूरत पड़ने पर एक कमेटी का गठन किया जाएगा, जो सुप्रीम कोर्ट में अपना पक्ष भी रखेगा। उन्होंने कहा कि जल्द ही एक विशाल जनसभा की जाएगी जिसमें मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और वन मंत्री सुबोध उनियाल को जन संवाद के लिए आमंत्रित किया जाएगा। फिलहाल, लोगों ने मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष से तत्काल विशेष सत्र बुलाकर वन भूमि पर काबिज क्षेत्र को विशेष कानून के तहत हक देने की मांग की है।

दो ट्रेनों का संचालन हुआ प्रभावित

देहरादून : ट्रैक पर लोगों के बैठने से कोच्चिवली से आने वाली और योग नगरी स्टेशन से जाने वाली गंगानगर एक्सप्रेस करीब दो घंटे से अधिक समय तक खड़ी रही। इसके अलावा कई ट्रेनों के संचालन पर असर पड़ा।

वन भूमि के चिन्हीकरण को हो रहा है सर्वे

देहरादून : एक जनहित याचिका की सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने वन विभाग की रिक्त भूमि का सर्वे कर उन्हें कब्जे में लेने के आदेश दिए। इसी क्रम में वन विभाग रिक्त भूमि के चिन्हीकरण के साथ ही पैमाइश के लिए सर्वे कर रहा है जिसका चौतरफा विरोध रहा है।

हर गांव में बने सशक्त सहकारी समिति

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: राज्यपाल गुरमीत सिंह ने रविवार को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के अवसर पर रेंजर्स ग्राउंड में सहकारिता मेले के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया।

राज्यपाल सिंह ने कहा कि सहकार का अर्थ है मिलकर कार्य करना। सहकारिता आंदोलन एक के लिए सब और सब के लिए एक की धारणा को परिलक्षित करता है। जहां 'मैं' खत्म होता है, वहीं से 'हम' शुरू होता है, और उसी का नाम है सहकारिता। उन्होने कहा कि हमारे देश में सहकारिता कोई नई अवधारणा नहीं है, बल्कि यह हमारे जीवन दर्शन का अभिन्न अंग रहा है। हमारे यहां प्राचीन काल से ही समूह जीवन की परंपरा रही है। ग्रामसभा, पंचायती व्यवस्था, सिंचाई के लिए सामूहिक तालाब, मंदिर एवं विद्यालय निर्माण हेतु सामूहिक योगदान-ये सब सहकारिता की ही देन हैं। उन्होने कहा कि सहकारिता केवल उत्पादन या वितरण तक सीमित नहीं, यह गरीबी उन्मूलन, लैंगिक समानता, सतत आजीविका, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण जैसे 17 सतत विकास लक्ष्यों की पूर्ति में सीधा योगदान देती है। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बहुत दूरदर्शिता से केंद्र सरकार में स्वतंत्र सहकारिता मंत्रालय की रचना की है। प्रधानमंत्री का विचार एक ऐसा मॉडल बनाने का है जिसमें सबका सामूहिकता के साथ विकास हो और सभी के योगदान से देश का विकास हो, और यह सिर्फ सहकारिता से ही संभव है। उत्तराखंड देश का एकमात्र राज्य है जिसने सहकारी समितियों में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू किया है। हमारे महिला स्वयं सहायता समूह न केवल परिवार की आर्थिक रीढ़ बने हैं, बल्कि उद्यमिता में भी नई ऊंचाइयां छू रहे हैं। यह गर्व का विषय है कि सहकारी समितियां सेना, आईटीबीपी और अन्य अर्द्धसैन्य बलों को खाद्यान्न, डेयरी और आवश्यक वस्तुएं आपूर्ति कर रही हैं। इस अवसर पर राज्यपाल ने उपस्थित जनसमूह को यह संकल्प लेने का आह्वान किया कि हर गांव में एक सशक्त सहकारी समिति बने, हर परिवार सहकारिता से जुड़कर आत्मनिर्भर बने, हर युवा सहकारिता को अवसर का मंच बनाए। उन्होने कहा कि इन्हीं संकल्पों के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत का सपना पूरा होगा और इस दिशा में हमारे सामूहिक प्रयासों से, सहकारिता से समृद्धि आएगी और समृद्धि से विकसित भारत/2047 का संकल्प साकार होगा। इस अवसर पर प्रदेश के सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के अंतर्गत अब तक प्रदेश में 11 मेले आयोजित किए जा चुके है जिनमें 3 लाख से अधिक किसानों की सहभागिता रही है। उन्होने कहा कि प्रदेश की विभिन्न सहकारिता समितियों से अब तक 30 लाख से अधिक किसान जुड़े है और प्रदेश सरकार का लक्ष्य इस संख्या को 50 लाख से अधिक करने का है। कार्यक्रम में सहकारिता निबंधक मेहरबान सिंह बिष्ट रहे।

राज्यपाल गुरमीत सिंह ने दीप प्रज्ज्वलन कर समापन समारोह का शुभारंभ किया।

अंकिता को सीढ़ी बना सत्ता का ख्वाब बुन रही है कांग्रेस

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर सिंह चौहान ने कहा कि कांग्रेस अंकिता हत्याकांड को सीढ़ी बनाकर सत्ता का ख्वाब बुन रही है और उसकी यह मंशा कभी पूरी नही होने वाली है, क्योंकि राज्य की जनता उसके मंसूबों पर पहले भी पानी फेर चुकी है। अंकिता मामले मे कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए चौहान ने कहा कि चुनाव से पहले कांग्रेस की आक्रामक प्रतिक्रिया स्वाभाविक है। ऐसा कांग्रेस पूर्व मे भी कर चुकी है। उन्होंने कहा कि भर्ती घोटालों मे जब सरकार ने जांच कराई और तह तक मामले सामने आए तो कांग्रेस सरकार की सराहना करने में भी नहीं चूकी हालांकि अपने विपक्ष धर्म का स्मरण कर वह फिर विरोध में उतर गयी।

उन्होंने कहा कि अंकिता पहाड़ और पूरे राज्य की बेटी हैं और कांग्रेस ऐसी प्रतिक्रिया दे रही है कि महज उसे ही उसकी चिंता रही हो। सच यह है कि विपक्ष जांच में तब भी राजनीति कर रहा था और आज भी राजनीति कर रहा है। जांच की दिशा कहां जा रही है और किस तरह से उस बेटी को न्याय मिलेगा इसके बजाय कांग्रेस जांच एजेंसियों को भटका रही थी।

उन्होंने कहा कि सीबीआई जांच के लिए कोर्ट ने भी केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) जांच से इंकार कर विशेष जांच दल (एसआईटी) की जांच को सही ठहराया, लेकिन कांग्रेस बिना तथ्यों के आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति मशगूल रही। इसी कारण अंकिता हत्याकांड के बाद जनता ने भाजपा को आशीर्वाद दिया और कांग्रेस को दुष्प्रचार के लिए उसकी जगह बताई। उन्होंने कहा कि उप चुनाव और निकाय तथा पंचायतों मे कांग्रेस को दुष्प्रचार की कीमत चुकानी पड़ी। प्रदेश मीडिया प्रभारी चौहान ने कहा कि वक्त खुद को दोहराता प्रतीत हो रहा है। पहले जनता से मिले तिरस्कार के बाद कांग्रेस ने इस बार रणनीति बदली है। एक एआई जनरेट वीडियो को आधार बनाकर कांग्रेस कुछ नये चेहरे लाने की फिराक में है। भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के चरित्र हनन की साजिश में शामिल हो गयी है। सरकार को बदनाम करने की इस साजिश को जनता जानती है। कभी कांग्रेस एआई की साजिश का खुद को शिकार बताकर विरोध की नौटंकी करती है तो कभी दूसरों के खिलाफ हो तो दुष्प्रचार में लग जाती है। कांग्रेस के इस दोहरे चरित्र को जनता माफ नहीं करने वाली है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष को जान से मारने की धमकी

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: उत्तराखंड भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष और राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट को कथित तौर पर जान से मारने की धमकी को लेकर शिकायत दर्ज कराई गई है।

प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर सिंह चौहान ने इस संबंध में जानकारी दी कि पुलिस को दिए पत्र में बताया गया कि लगातार अज्ञात नंबर से उनके प्रति अपशब्द एवं अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल किया जा रहा है। प्रदेशाध्यक्ष द्वारा स्वयं को जान से मारने की धमकी देने के सम्बन्ध में एसएसपी देहरादून को शिकायती पत्र दिया गया है जिसमें अध्यक्ष भट्ट द्वारा बताया गया कि एक अज्ञात मोबाइल नंबर से रविवार को मेरे निजी मोबाइल नंबर पर लगातार गाली गलौज

व अपशब्द का प्रयोग करके मुझे जान से मारने की धमकी दी गई है। इस दौरान मेरे द्वारा कई बार समझाया गया कि इस तरह की भाषा का प्रयोग करना गलत है, बावजूद इसके अज्ञात नंबर से मुझे लगातार मेरे निजी नंबर पर कॉल करके अपशब्दों का प्रयोग किया जा रहा है। उपरोक्त कॉल करने वाले व्यक्ति द्वारा शायद किसी राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित होकर इस तरह की हरकत की जा रही है। कॉल किए जाने वाले व्यक्ति द्वारा किए गए मौखिक दुर्व्यवहार से ऐसा भी प्रतीत होता है कि उपरोक्त कॉल करने वाला व्यक्ति काफी उत्तेजित स्वभाव का है। जिससे मेरी राजनीतिक छवि धूमिल होने के साथ ही मेरे जीवन को खतरा भी हो सकता है। आरोपी व्यक्ति द्वारा जिस तरह के अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया गया है, वे अनुचित और भ्रामक बातें थी। ऐसा भी प्रतीत होता है कि किसी राजनीतिक प्रतिद्वंदी द्वारा उपरोक्त कॉल करने वाले व्यक्ति को उकसा कर ये कॉल करवाई गई हैं। उनके द्वारा, उपरोक्त मोबाइल नंबर धारक या आरोपी व्यक्ति की पहचान कर उचित कार्रवाई करने का आग्रह किया गया है।

धमकी बर्दाश्त नहीं होगी: चौहान

देहरादून : भाजपा प्रदेशाध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट को जान से मारने की धमकी देने के मामले में प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर सिंह चौहान ने कहा कि, प्रदेशाध्यक्ष के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग और जानलेवा धमकी की घटना को पार्टी बर्दाश्त नही करेगी। उन्होंने कहा कि, सार्वजनिक और राजनैतिक जीवन में इस तरह के व्यवहार की मंजूरी कतई नहीं दी जा सकती है। देवभूमि की संस्कृति और परम्परा के लिए ऐसी घटनाएं स्वीकार्य नहीं हैं, लिहाजा उम्मीद करती है कि पुलिस द्वारा आरोपी व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित इस तरह के असभ्य व्यवहार और धमकी से भाजपा कार्यकर्ता अपने कर्तव्य पथ से विचलित नहीं होने वाले है। वह दोगुने उत्साह से जनकल्याण और राज्य के विकास में प्रयासरत रहेंगे।

त्रिपुरा छात्र हत्या : राज्य में ऐसी घटना स्वीकार्य नहीं

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : त्रिपुरा के छात्र एंजेल चकमा की हत्या के मामले को राज्य सरकार ने बेहद गंभीरता से लिया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि इस तरह की कोई भी घटना प्रदेश में स्वीकार्य नहीं है। सरकार अराजक तत्वों से सख्ती से निबटेगी। इस तरह की घटनाओं में संलिप्त रहने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

त्रिपुरा के उनकोटी जिले के नंदानगर निवासी छात्र एंजेल चकमा की हत्या के मामले में पांच आरोपियों को अभी तक पकड़ा जा चुका है। इनमें से दो आरोपी नाबालिग हैं, जिन्हें बाल सुधार गृह भेजा गया है। एक फरार आरोपी की धर-पकड़ के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है। उस पर 25 हजार का इनाम घोषित किया गया है। पुलिस की एक टीम को उसकी तलाश में नेपाल भेजा गया है।

सीएम ने फरार आरोपी की जल्द गिरफ्तारी के लिए पुलिस को निर्देश दिए हैं। कि फरार आरोपी बहुत जल्द पुलिस के शिकंजे में होगा। कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वाले सरकार से रहम की उम्मीद न रखें। ऐसे अराजक तत्वों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। सरकार उत्तराखंड में रह रहे हर नागरिक की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने त्रिपुरा के मृतक छात्र के प्रति शोक प्रकट किया है।

20 हजार की रिश्वत लेते डॉक्टर गिरफ्तार

मुख्य संवाददाता, देहरादून/हरिद्वार

अमृत विचार : विजिलेंस ने जनपद हरिद्वार की रुड़की तहसील में सिविल अस्पताल से एक डॉक्टर को 20 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। इसके बाद टीम डॉक्टर को देहरादून ले गई। आरोप है कि डॉक्टर ने मारपीट मामले में लीगल सप्लीमेंट्री रिपोर्ट बनाने के नाम पर 30 हजार रुपये की मांग की थी।

पुलिस के अनुसार, डॉ. आभास सिंह का करीब एक माह पूर्व मसूरी से रुड़की के सिविल अस्पताल में ट्रांसफर हुआ था। शनिवार रात को डॉ. आभास सिंह सिविल अस्पताल की इमरजेंसी में ड्यूटी पर थे। तभी अचानक देहरादून से विजिलेंस की टीम सिविल अस्पताल पहुंची डॉक्टर पर आरोप है कि मारपीट के मामले में घायल एक व्यक्ति से लीगल सप्लीमेंट्री रिपोर्ट बनाने के नाम पर उन्होंने 30 हजार रुपयों की मांग की थी। इस पर पीड़ित ने इसकी शिकायत विजिलेंस से की थी। इस पर विजिलेंस ने डॉक्टर को ट्रैप करने के लिए जाल बिछाया। इसके मुताबिक, शनिवार देर शाम विजिलेंस टीम शिकायतकर्ता के साथ रुड़की सिविल अस्पताल पहुंची। जैसे ही शिकायतकर्ता ने डॉक्टर को रुपए देने के लिए ब्लड बैंक के पास बुलाया। शिकायतकर्ता ने केमिकल लगे हुए 20 हजार रुपये डॉ. आभास को दिए, वैसे ही विजिलेंस टीम ने डॉक्टर को रंगे हाथ पकड़ लिया। इसके बाद टीम ने चिकित्सक के घर की भी तलाशी ली और लंबी पूछताछ की। इसके बाद विजिलेंस की टीम डॉक्टर को अपने साथ देहरादून ले गई।

टिहरी में रिंग रोड के विरोध में धरना

ब्यूरो, टिहरी गढ़वाल

अमृत विचार : टिहरी झील के चारों तरफ प्रस्तावित रिंगरोड के विरोध में ग्रामीणों ने धरना प्रदर्शन किया। 1200 करोड़ की लागत से बनने वाली राष्ट्रीय प्रोजेक्ट के निर्माण के विरोध के लिए रिंग रोड संघर्ष समिति ने एक दर्जन से अधिक गांवों के ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने रौलाकोट के भामेश्वर महादेव मंदिर में एक बैठक की।

बैठक में ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन पर उपेक्षा का आरोप लगाते हुए कहा कि रिंग रोड चौड़ीकरण के नाम पर शासन-प्रशासन ग्रामीणों की अनुमति के बिना उनकी जमीनों और मकानों का अधिग्रहण कर रहा है।

ग्रामीणों ने लोनिवि, जिला प्रशासन, एसडीबी, पर्यटन विभाग के अधिकारियों से मांग की है कि दोबारा से समिति के लोगों के साथ रिंग रोड के मामले में वार्ता की जाए ताकि ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान हो सके।

अगर कोई भी संबंधित अधिकारी ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान नहीं करते हैं तो कोई भी ग्रामीण रिंग रोड सड़क चौड़ीकरण के लिए अपनी जमीन नहीं देंगे। चेतावनी दी कि यदि उनकी मांग पूरी नहीं हुई तो उग्र आंदोलन होगा। वहीं प्रशासन ने कहा कि जल्द ही विवाद निबटाया जाएगा।

> ग्रामीणों के संपत्ति का मुआवजा सर्किल रेट के आधार पर ही दिया जाएगा. रिंग रोड का कार्य लगभग अंतिम चरण में है। कहीं पर अगर ग्रामीणों की समस्या है तो उनके साथ वार्ता कर समस्या हल की जाएगी।
> -योगेश कुमार, ईई लोनिवि

तकनीक

आईसीएआर-भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्था के प्रधान वैज्ञानिक ने दी जानकारी

नवाचार से पर्वतीय हालात में अच्छा मछली उत्पादन संभव

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : आईसीएआर-भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रभारी (पीएमई एवं केएम इकाई) डॉ. एम मुरुगानंदम ने जिला सहकारी विभाग की ओर से 26-29 दिसंबर तक देहरादून में आयोजित सहकारी व्यापार मेले में नवाचारी मत्स्य पालन एवं एकीकृत कृषि प्रणालियों की विभिन्न प्रौद्योगिकियों को रेखांकित किया।

डॉ. मुरुगानंदम ने आईसीएआर-भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान की ओर से अंगीकृत गांवों एवं जलागम क्षेत्रों में विकसित, परिष्कृत एवं प्रदर्शित की तकनीकों एवं अवधारणाओं को प्रस्तुत किया। ये तकनीकें मत्स्य विकास, एकीकृत कृषि प्रणालियों, नदी एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण तथा किसानों, स्वयं सहायता समूहों, किसान उत्पादक संगठनों और राज्य एजेंसियों के बीच प्रभावी संचार एवं विस्तार पद्धतियों पर केंद्रित हैं।

उन्होंने प्राकृतिक संसाधन संरक्षण से जुड़ी एकीकृत मत्स्य पालन प्रणालियों के लाभों पर विशेष बल दिया। उन्होंने पर्वतीय गांवों की

सांस्कृतिक एवं कार्यात्मक पहचान मानी जाने वाली पारंपरिक जल चक्कियों (घराट) को मत्स्य पालन प्रणालियों से जोड़ने की अभिनव अवधारणा प्रस्तुत की। घराटों से निकलने वाला ऑक्सीजन समृद्ध जल तथा अनाज पिसाई से प्राप्त जैविक अवशेषों का उपयोग मत्स्य तालाबों में किया जा सकता है। साथ ही इन्हें कुक्कुट पालन एवं सुअर पालन जैसे सहायक उद्यमों के साथ भी जोड़ा जा सकता है। इस दृष्टिकोण के अंतर्गत विकसित तकनीकों से 100 वर्ग मीटर क्षेत्र से लगभग 50 किग्रा मछली उत्पादन की क्षमता प्रदर्शित हुई है, जिससे पर्वतीय क्षेत्रों में आजीविका, खाद्य एवं पोषण सुरक्षा को सुदृढ़ किया जा सकता है।

उन्होंने सुधारित कार्प मत्स्य पालन तकनीकों पर भी प्रकाश डाला, जिनमें संशोधित बीज संचयन घनत्व एवं कटाई कैलेंडर शामिल हैं। फरवरी-मार्च के दौरान 1-2 मछली प्रति वर्ग मीटर की दर से बीज संचयन, परंपरागत रूप से अपनाने वाले जुलाई-सितंबर के उच्च घनत्व वाले संचयन की तुलना में अधिक उत्पादक सिद्ध हुआ है। इन उन्नत तकनीकों से पर्वतीय परिस्थितियों में 100 वर्ग मीटर से 45-50 किलोग्राम मछली उत्पादन संभव हुआ है, जिसके माध्यम से किसानों ने अपने तालाबों में उत्पादन को 800 किग्रा से बढ़ाकर लगभग 2.5 टन तक किया है।

इसके अलावा धान-मत्स्य पालन प्रणाली पर चर्चा की गई, जो क्षेत्र की धान आधारित पारिस्थितिकी का उपयोग करती है। खेतों की मेढ़ों को सुदृढ़ीकरण, खाई एवं शरण तालाब बनाकर तथा निरंतर जल उपलब्धता सुनिश्चित कर धान की खेती के साथ मत्स्य पालन को सफलतापूर्वक एकीकृत किया जा सकता है। उन्नत आकार के मत्स्य बीजों के संचयन से तेज वृद्धि एवं अधिक लाभ प्राप्त होता है। धान के खेतों में केवल लगभग 4 प्रतिशत क्षेत्र को शरण संरचनाओं हेतु आवंटित कर 600-900 किग्रा मछली प्रति हेक्टेयर प्रति वर्ष उत्पादन प्राप्त हुआ, साथ ही एकीकृत प्रणाली के कारण धान उत्पादन में 15-20 प्रतिशत की वृद्धि भी दर्ज की गई।

इस अवसर पर आईसीएआर के परिष्कृत मत्स्य बीज एवं जीवित मछली परिवहन तकनीकों को भी प्रदर्शित किया गया। जिनसे परिवहन के दौरान 90-95 प्रतिशत जीवितता तथा स्टॉकिंग के बाद केवल 2-3 प्रतिशत विलंबित मृत्यु दर सुनिश्चित होती है, जिससे मत्स्य पालन की सफलता में उल्लेखनीय सुधार होता है। इसके अतिरिक्त बायोफ्लॉक तकनीक, स्थान-विशिष्ट एकीकृत मत्स्य पालन मॉडल, तथा संस्थान द्वारा परिष्कृत पशुधन आधारित एवं ग्रामीण कुक्कुट पालन उद्यमों पर भी चर्चा की गई, जिन्हें पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में जलागम विकास एवं ग्रामीण आजीविका को व्यवहार्य सूक्ष्म उद्यम के रूप में पेश किया गया। उन्होंने कहा कि जनसंपर्क कार्यक्रमों के अंतर्गत लगभग 50 गांवों एवं जलागम क्षेत्रों में सफलतापूर्वक प्रदर्शित की गई हैं, जिनका उत्साहजनक प्रभाव एवं अपनाने का स्तर देखा गया है।

सिटी ब्रीफ

दो बच्चों संग महिला लापता

हल्द्वानी : पुलिस को दी तहरीर में बागजाला गौलापार निवासी सोनू सिंह ने लिखा, 4 दिसंबर से उसकी पत्नी पवी देवी, डेढ़ वर्ष के बेटे और तीन वर्ष की बेटी के साथ लापता है। सोनू ने पत्नी व बच्चों को काफी तलाश किया गया, लेकिन कहीं पता नहीं चला। काठगोदाम थानाध्यक्ष विमल मिश्रा ने बताया कि मामले में गुमशुदगी दर्ज कर महिला और बच्चों की तलाश शुरू कर दी गई है।

कोहरे के कारण देर से पहुंची ट्रेनें

हल्द्वानी : घने कोहरे से रेल यातायात पर प्रतिदिन असर पड़ रहा है। रविवार को कई ट्रेनें अपने निर्धारित समय से लेट चलीं, जिससे यात्रियों को परेशानी हुई। काठगोदाम और हावड़ा के बीच चलने वाली बाघ एक्सप्रेस लगभग दो घंटे देरी से काठगोदाम पहुंची। इस ट्रेन का निर्धारित समय सुबह 9 :30 बजे था। इसी तरह काठगोदाम और पुरानी दिल्ली के बीच चलने वाली रानीखेत एक्सप्रेस लगभग एक घंटे लेट रही। वहीं, काठगोदाम और नई दिल्ली के बीच संचालित शताब्दी एक्सप्रेस करीब 40 मिनट देरी से चली। काठगोदाम रेलवे स्टेशन के स्टेशन प्रबंधक डीएस बोरा ने बताया कि काठगोदाम से सभी ट्रेनों को उनके निर्धारित समय पर रवाना किया गया था, लेकिन कोहरे के कारण यह देरी हुई।

कच्ची शराब के साथ एक गिरफ्तार

हल्द्वानी : पुलिस के मुताबिक, शनिवार को कांस्टेबल गगनदीप और युगल मिश्रा ने टीपीनगर स्थित वेदबन्धु विहार कालोनी से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। आरोपी के पास मौजूद थैले से पुलिस ने 60 पाउच कच्ची शराब बरामद की। आरोपी ने अपना नाम जसवन्त सिंह पुत्र आत्मा सिंह निवासी हरिपुर जमन सिंह रामपुर रोड हल्द्वानी बताया। कोतवाल विजय मेहता ने बताया कि आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पर जेल भेज दिया गया है।

नलकूप खराब, 2 हजार लोग प्रभावित

हल्द्वानी : शहर के अनुपम बिहार लोहरिया साल मल्ला क्षेत्र का नलकूप खराब होने से लगभग 2 हजार से अधिक लोग पानी की आपूर्ति न होने से परेशान हैं। जल संस्थान के एई महेश सती ने बताया कि नलकूप की मोटर खराब होने से पेयजल आपूर्ति बाधित हो गई है। नलकूप की मोटर की मरम्मत की जा रही है। मंगलवार तक पानी की आपूर्ति पूरी तरह सुचारू कर दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने जिले को दी 114.69 करोड़ के विकास की सौगात

सीएम धामी ने कोटाबाग में घोड़ा लाइब्रेरी के पहाड़ पच्छयाण महोत्सव का किया शुभारंभ, 2 योजनाओं का लोकार्पण व 10 का शिलान्यास किया

संवाददाता, कालाढूंगी

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को कोटाबाग में आयोजित पहाड़ पच्छयाण महोत्सव के अवसर पर नैनीताल जिले के विकास के लिए 114 करोड़ 69 लाख 46 हजार रुपये की लागत से तैयार 12 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इन योजनाओं से जिले में बुनियादी ढांचे को सशक्त करने के साथ ही आम जनता को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार "सबका साथ, सबका विकास" के संकल्प के साथ प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र में संतुलित विकास कर रही है।

मुख्यमंत्री ने 1 करोड़ 95 लाख 79 हजार रुपये की लागत की दो योजनाओं का लोकार्पण किया तथा 112 करोड़ 73 लाख 67 हजार रुपये की 10 योजनाओं का शिलान्यास किया। लोकार्पण की गई योजनाओं में नैनीताल स्थित पशु चिकित्सालय का नवनिर्मित भवन प्रमुख है, जिस पर 91 लाख 23 हजार रुपये की लागत आई है। इस भवन के निर्माण से पशुपालकों को आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं मिलेंगी और पशुओं के उपचार में सुधार होगा। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री घोषणा के अंतर्गत विकास खंड कोटाबाग के ग्राम पंचायत आंवलाकोट के तोक भटलानी में स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर के जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण कार्य का भी लोकार्पण किया गया। इस कार्य पर 1 करोड़ 4 लाख 56 हजार रुपये की लागत आई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस मंदिर के सौंदर्यीकरण से क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय लोक संस्कृति को संरक्षण प्राप्त होगा।

इस अवसर पर सांसद नैनीताल उधमसिंह नगर संसदीय क्षेत्र अजय भट्ट, विधायक कालाढूंगी बंशीधर भगत, नैनीताल सरिता आर्या रामनगर दीवान सिंह बिष्ट लालकुआं मोहन सिंह बिष्ट, मेयर हल्द्वानी नगर निगम गजराज बिष्ट, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट, उत्तराखंड सरकार में दायित्वधारी डॉ अनिल कपूर डब्बू, सुरेश भट्ट, दिनेश आर्या, शांति मेहरा, रेनू अधिकारी, दीपक मेहरा, भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र सिंह नेगी,ब्लॉक प्रमुख कोटाबाग मनीषा जंतवाल, हल्द्वानी मंजू गौड़, अध्यक्ष नगर पालिका कालाढूंगी रेखा कत्यूरा, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष राजेन्द्र बिष्ट, प्रदेश प्रवक्ता विकास भगत, जिला अधिकारी ललित मोहन रयाल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ मंजूनाथ टीसी,घोड़ा लाइब्रेरी के शुभम बधानी सहित क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि,गणमान्य नागरिक, स्थानीय जनता आदि मौजूद रहे।

कोटाबाग में विकास योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, विधायक बंशीधर भगत व अन्य।

कोटाबाग में पहाड़ पच्छयाण महोत्सव में पहुंचे लोग। ● अमृत विचार

बिजली व्यवस्था होगी सुदृढ़, कटौती से मिलेगी राहत

कालाढूंगी : शिलान्यास की गई योजनाओं में विद्युत व्यवस्था को मजबूत करने से जुड़ी कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं शामिल हैं। 28 करोड़ 21 लाख 38 हजार रुपये की लागत से कालाढूंगी विधानसभा क्षेत्र के राजकीय आईटीआई डहरिया में 33/11 केवी उपसंचरण केंद्र एवं 33 केवी लाइन का निर्माण किया जाएगा। इसी प्रकार 32 करोड़ 58 लाख 69 हजार रुपये की लागत से जयपुर पाडली तथा 17 करोड़ 12 लाख 62 हजार रुपये की लागत से हल्द्वानी विधानसभा क्षेत्र के काठगोदाम में 33/11 केवी उपसंचरण केंद्र एवं 132/33 केवी उपकेंद्र परिसर का निर्माण होगा। इन योजनाओं के पूर्ण होने से क्षेत्रवासियों को 24 घंटे गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति मिलेगी तथा ओवरलोड और बार-बार होने वाली बिजली कटौती से राहत मिलेगी।

शिक्षा और शहरी विकास को भी मिलेगी गति

कालाढूंगी : शिक्षा क्षेत्र में 95 लाख 90 हजार रुपये की लागत से राजकीय महाविद्यालय कोटाबाग में मैदान समतलीकरण एवं चहारदीवारी का निर्माण किया जाएगा, जिससे छात्र-छात्राओं के शारीरिक और सर्वांगीण विकास को बढ़ावा मिलेगा। वहीं शहरी क्षेत्र में 23 करोड़ 74 लाख रुपये की लागत से हल्द्वानी में नहर कवरिंग के उपरांत सड़क चौड़ीकरण का कार्य किया जाएगा, जिससे शहर में यातायात व्यवस्था बेहतर होगी। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि ये सभी विकास योजनाएं नैनीताल जिले के सामाजिक, आर्थिक और पर्यटन विकास में मील का पत्थर साबित होंगी और क्षेत्रवासियों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

सड़कों और पुलों से बढ़ेगा आवागमन और पर्यटन

कालाढूंगी : सड़क और यातायात सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए भी कई योजनाओं का शिलान्यास किया गया। 31 लाख 48 हजार रुपये की लागत से ग्राम फुलचौड़ में पीसी मार्ग का निर्माण किया जाएगा, जिससे ग्रामीणों को सुगम यातायात सुविधा मिलेगी और कृषि गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। 1 करोड़ 83 लाख 47 हजार रुपये की लागत से कालाढूंगी विधानसभा क्षेत्र में नाला वाला मार्ग का पुनर्निर्माण एवं नए मार्गों का निर्माण किया जाएगा, जिससे स्टेट हाईवे-41 से जुड़े कई गांवों को लाभ मिलेगा। इसके अलावा 3 करोड़ 19 लाख 20 हजार रुपये की लागत से काठगोदाम–चोरगलिया–सितारगंज–बिजटी राज्यमार्ग संख्या-41 के किलोमीटर 36 पर निहाल नदी पर 24 मीटर आरसीसी सेतु का निर्माण किया जाएगा। यह मार्ग विभिन्न राज्यों को जोड़ता है, जिससे पर्यटन और व्यापारिक गतिविधियों को गति मिलेगी। 3 करोड़ 88 लाख 80 हजार रुपये की लागत से कालाढूंगी क्षेत्र में सड़क चौड़ीकरण का कार्य भी किया जाएगा, जिससे आवागमन और अधिक सुगम होगा।

इन विकास कार्यों का भी किया शिलान्यास

कोटाबाग : सीएम ने जिन विकास कार्यों का शिलान्यास किया उनके तहत 3 करोड़ 88 लाख 80 हजार की लागत से राज्य योजनान्तर्गत कालाढूंगी विधानसभा क्षेत्र में राजकीय प्राथमिक विद्यालय भगवानपुर (घुनी संख्या-2) से राजकीय इंटर कॉलेज लामाचौड़ होते हुए कालाढूंगी मुख्य मार्ग तक डीबीएम/बीसी द्वारा सड़क चौड़ीकरण का कार्य किया जाएगा। साथ ही 88 लाख 13 हजार की लागत से राज्य योजना अंतर्गत कालाढूंगी के रामणी आनसिंह मुख्य मार्ग से साकेत कुंज फेस 3 तक मार्ग का पीसी द्वारा नवनिर्माण कार्य किया जाएगा। इसके अलावा 23 करोड़ 74 लाख की लागत से निक्षेप (जिला विकास प्राधिकरण) के अंतर्गत विकास खण्ड हल्द्वानी में आईटीआई क्रासिंग से हुंडई शोरूम रामपुर रोड और गौलापार फीडर नहर के पास एसटीएच से मेहता चेरिटेबल हॉस्पिटल मार्ग में नहर कवरिंग के बाद मार्ग के चौड़ीकरण का कार्य किया जाएगा। साथ ही 95 लाख 90 हजार की लागत से राजकीय महाविद्यालय कोटाबाग में मैदान समतलीकरण, चहारदिवारी का निर्माण कार्य किया जाएगा।

सीएम को काले झंडे दिखाने जा रहे कांग्रेसी बैलपड़ाव में पकड़े

संवाददाता, कालाढूंगी

अमृत विचार: सीएम पुष्कर सिंह धामी के कोटाबाग कार्यक्रम में पहुंचने पर बैलपड़ाव से कूच कर काले झंडे दिखाने जा रहे दो दर्जन से अधिक कांग्रेसियों को पुलिस ने पकड़कर चौकी बैठा दिया। दिन में एक बजे सीएम के जाने के बाद उन्हें छोड़ दिया गया।

रविवार को कांग्रेस प्रदेश सचिव पीयूष बिष्ट के नेतृत्व में दो दर्जन से अधिक कांग्रेसियों ने ग्रामीण क्षेत्र में जिला विकास प्राधिकरण समाप्त करने की मांग करते हुए सीएम धामी को काले झंडे दिखाने के लिए कार्यक्रम स्थल को कूच करने लगे। पहले से सक्रिय पुलिस ने उन्हें कोटाबाग सड़क में बैरिकेड लगा रोकने का प्रयास किया। जिस पर कार्यकर्ताओं व पुलिस की तीखी झड़प हुई। पुलिस ने सभी को पकडकर वाहन में बैठाकर बैलपड़ाव चौकी में नजर बंद किया। चौकी इंचार्ज राजवीर सिंह नेगी ने बताया कि सीएम के कार्यक्रम के समापन के बाद सभी को छोड दिया गया। इस दौरान प्रदीप नेगी, पूर्व कनिष्ठ प्रमुख कुलदीप तड़ियाल, पूर्व दुग्ध संघ अध्यक्ष संजय किरौला, जिपंस अर्णव कंबोज, क्षेपंस मनोहर आर्या, महेश कांडपाल, रवि माथुर, जतिन रौतेला, भानु पडलिया, प्रदीप नेगी, महेश कांडपाल, भगवान सिंह रौतेला,ब्लॉक अध्यक्ष दिनेश बधानी,गोलू बिष्ट, हरप्रीत सिंह,मनीष आर्या,हरभजन सिंह, हेमू पडलिया सहित दर्जनों कांग्रेसी मौजूद रहे।

सीएम को काले झंडे दिखाने जा रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को बैरिकेड लगाकर रोका गया।

विधायक भगत ने सीएम धामी से की कालाढूंगी में फायर स्टेशन स्वीकृत करने की मांग

कालाढूंगी : क्षेत्रीय विधायक बंशीधर भगत ने सीएम पुष्कर सिंह धामी से कालाढूंगी में फायर स्टेशन,राइंका लामौचोड व कोटाबाग में नये भवन व स्टेडियम निमार्ण ,ग्रामसभा पांडे नवाड, हल्दूपोखरा नायक, हरिपुर, जमनसिंह, कमोला, गुरजौड़ा, पीपलपोखरा, नरीपुर लामाचौड़खास व रामपुर लामाचौड़ में नये नलकूप ओवर हैड टैंक व पेयजललाइन का विस्तार, सूर्यजाला में मिनी स्टेडियम, लामाचौड़ चौराहे से दक्षिण व चांदनीचौक घुडदौड़ा कालीपुर सड़क चौड़ीकरण, कालाढूंगी विधानसभा ग्रामीण क्षेत्रों सड़क मरम्मत के लिए 10 करोड़ के साथ ही राइका कठघरिया में हाईटेक लाइब्रेरी के निमार्ण व आंवलाकोट से बजूनियाहल्दू -हल्द्वानी जाने वाली सड़क के चौड़ीकरण की मांग की है। वहीं वरिष्ठ भाजपा नेता तारा चंद्र पांडे ने आउटसोर्स कर्मियों को नियमित करने व लदुवागाढ झरने का सौदर्यकरण करने की मांग की है। तारा पांडे ने कहा पिछले साल सीएम धामी के घोषणा के बाद भी लदुवागाड़ झरने के लिए बजट आवंटित नहीं हुआ है।

गौलापार बाईपास में पर्यटक बस और डंपर में भिड़ंत, दो घायल

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : गौला बाईपास पर रविवार को एक बड़ा हादसा हो गया। टूरिस्ट वॉल्वो बस और डंपर में आमने-सामने भिड़ंत हो गई हालांकि हादसे में दोनों वाहनों के चालक मामूली रूप से घायल हो गए।

पुलिस के मुताबिक, रविवार सुबह करीब साढ़े 11 बजे हुई। पर्यटकों से भरी एक वॉल्वो बस गौला बाईपास से होते हुए दिल्ली जा रही थी। बस अभी आंवला चौकी गेट के पास पहुंची थी कि डिवाइडर के कट से एक डंपर आ गया। दोनों वाहनों की रफ्तार तेज थी और किसी भी रफ्तार कम नहीं की। नतीजा दोनों वाहनों में आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि डंपर सड़क से उतर कर नीचे गड्ढे में गिर गया। जबकि अनियंत्रित हुई वॉल्वो डिवाइडर से टकरा कर रुकी। हादसे के बाद बस में चीख-पुकार मच गई।

कोतवाल विजय मेहता ने बताया कि बस में चालक और परिचालक समेत 12 लोग सवार थे जबकि डंपर में चालक अकेला था। घटना में बस चालक सोनू निवासी मुरादाबाद और डंपर चालक राजू एटा, उत्तर प्रदेश को आंशिक चोट आई। दोनों का सोबन सिंह जीना बेस अस्पताल में उपचार कराया गया। सभी 10 पर्यटकों को दूसरी बस से दिल्ली भेजा गया है।

गौला बाईपास पर डंपर व बस में टक्कर पर पहुंची पुलिस। ● अमृत विचार

तीन दिन बाकी 39% की ईकेवाईसी बाकी

हल्द्वानी : जिले में राशनकार्ड धारकों के लिए ई-केवाईसी के लिए मात्र चार दिन शेष रह गए हैं जबकि अब तक केवल 61 प्रतिशत यूनिटों का ही सत्यापन हो पाया है।

आंकड़ों के अनुसार जिले में कुल 2,36,633 राशनकार्डों के सापेक्ष 9,60,410 यूनिटों का सत्यापन किया जाना है, जिसके मुकाबले अब तक 61 प्रतिशत का ही सत्यापन हुआ है। कुमाऊं मंडल के छह जिलों में अब तक नैनीताल जिला ई-केवाईसी के मामले में सबसे आगे है। इसके बावजूद बड़ी संख्या में लाभार्थियों का सत्यापन शेष है, जिसे लेकर खाद्य एवं आपूर्ति विभाग चिंतित है। एआरओ विजय जोशी ने बताया कि सभी राशनकार्ड धारक समय से ई-केवाईसी करा लें। निर्धारित तिथि तक ई-केवाईसी न होने पर नए साल में पात्रों को राशन मिलने में दिक्कत हो सकती है।

गरीबों को भी मिलेगा सरकारी नौकरी का लाभ

संवाददाता, कोटाबाग (नैनीताल)

- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी बोले, कठोर नकल विरोधी कानून गरीब युवाओं के लिए वरदान
- सीएम का दावा पारदर्शी नियुक्ति के जरिए 26 हजार युवाओं को मिली है सरकारी नौकरी
- तीन वर्षों में 100 से अधिक नकल माफियाओं को जेल भेजा गया

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड सरकार द्वारा लागू किया गया कठोर नकल विरोधी कानून राज्य के मेहनती और ईमानदार गरीब युवाओं के लिए वरदान साबित हो रहा है। अब सरकारी नौकरियों में चयन योग्यता और परिश्रम के आधार पर हो रहा है, न कि नकल माफियाओं और भ्रष्टाचार की सांठ-गांठ के जरिए। उन्होंने कहा कि पहले परीक्षाओं में मेहनत करने वाले अभ्यर्थियों का चयन नहीं हो पाता था, जबकि पैसे और सिफारिश के दम पर नकल माफियाओं से जुड़े लोग सफल हो जाते थे।

मुख्यमंत्री धामी रविवार को कोटाबाग में घोड़ा लाइब्रेरी के तत्वावधान में आयोजित पहाड़ पच्छयाण महोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, सांसद अजय भट्ट और विधायक बंशीधर भगत ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने नैनीताल जिले के लिए 114 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास योजनाओं की घोषणा की। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम में घोड़ा लाइब्रेरी का उल्लेख कर इसके नवाचारपूर्ण प्रयासों को देश-दुनिया तक पहुंचाया। उन्होंने कहा कि दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों में घोड़ा लाइब्रेरी ज्ञान की अलख जगा रही है और उन बच्चों तक शिक्षा पहुंचा रही है, जहां तक पहुंचना बेहद कठिन है। यह पहल बच्चों के सपनों को उड़ान देने और उनके भविष्य को संवारने का कार्य कर रही है। लगभग 21 मिनट के संबोधन में मुख्यमंत्री ने भाजपा सरकार की उपलब्धियों का विस्तार से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में शिक्षा, स्वास्थ्य और सड़क के क्षेत्र में ऐतिहासिक विकास कार्य किए जा रहे हैं। सरकार स्थानीय भाषाओं के संरक्षण के लिए भी गंभीर है। विद्यालयों में बस्ता रहित दिवस लागू किया गया है और पाठ्यक्रम में कुमाऊंनी, गढ़वाली और जौनसारी भाषाओं की पुस्तकें शामिल की गई हैं। सीएम धामी ने कहा कि उत्तराखंड में देश का सबसे कठोर नकल विरोधी कानून लागू किया गया है, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। अब तक 26 हजार से अधिक युवाओं को पारदर्शी प्रक्रिया के तहत सरकारी नौकरियां मिल चुकी हैं। पिछले तीन वर्षों में 100 से अधिक नकल माफियाओं को जेल भेजा गया है। उन्होंने बताया कि पिछले पांच वर्षों में हुई कुल सरकारी भर्तियों में से दो-तिहाई भर्तियां वर्तमान सरकार के कार्यकाल में हुई हैं, जो सरकार की पारदर्शिता और प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

तैयारी | नैनीताल जिले की यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित बनाए रखने के लिए बनाई गई प्लानिंग

ड्रोन से ट्रैफिक कंट्रोल, हुड़दंगियों पर आसमान से नजर

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : नैनीताल जिले में जश्न मनाने आ रहे पर्यटकों को अनुकूल माहौल देने के लिए पुलिस ने बड़े स्तर पर प्लान तैयार किया है। पहली बार पर्यटक वाहनों पर रूट स्टीकर चस्पा किए जा रहे हैं और हर साल लगने वाले जाम को रोकने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहा है। ये ड्रोन सिर्फ ट्रैफिक कंट्रोल में मदद नहीं करेंगा, बल्कि जश्न की आड़ में हुड़दंग मचाने वाले हुड़दंगियों की भी निगरानी करेगा।

नैनीताल में हर साल पूरे भारत से पर्यटक क्रिसमस और नए साल का जश्न मनाने पहुंचते हैं, लेकिन अब कैंचीधाम भी बंपर पर्यटक पहुंच रहे हैं। इसके अलावा नैनीताल शहर के रास्ते पहले से ही संकरे हैं। इन्हीं सबको देखते हुए नैनीताल, भीमताल, भवाली, रामनगर जैसे जिले के सभी पर्यटक स्थलों तक पहुंचने के लिए शटल सेवा की व्यवस्था की गई है। इन सभी स्थानों पर पुलिस अपने ड्रोन उड़ा रही हैं।

ये ड्रोन सभी मुख्य मार्ग के साथ पार्किंट, शटल सेवा और शहर के रास्तों पर नजर रख रहे हैं। जाम लगने पर इन्हीं ड्रोन की मदद से पर्यटकों के रूट तय किए जाएंगे।

नैनीताल में ड्रोन से ट्रैफिक की निगरानी की जा रही है। ● अमृत विचार

जिले के इन बॉर्डर एरिया में चल रही चेकिंग

हल्द्वानी : गड्डप्पू, प्रतापपुर, बेलबाबा, हल्दुआ, गोलापुल, नरीमन तिराहा, हल्द्वानी मोड़, सुभाषनगर, कुंडा चौराहा, केवीआर तिराहा, बाजपुर दोराहा, नयागांव नैनीताल तिराहा, कालाढूंगी, पंतनगर तिराहा, तीनपानी, भीमताल तिराहा, नंबर एक बैंड, ज्योलिकोट, रूसी 1, नारायण नगर, मस्जिद तिराहा, नैनी बैंड 1, सेनेटोरियम तिराहा, भवाली चौराहा, भीमताल विकास भवन पार्किंग, खुटानी बैंड, नैनी बैंड 2, रामगढ़ तिराहा, वन विभाग बैरियर कैंची, पनीराम ढाबा खैरना, क्वारब बैरियर नथुवाखान बैरियर, लक्ष्मीखान बैरियर, कसियालेख बैरियर, भटेलिया धनाचूली आदि पर दिन-रात सघन चेकिंग की जा रही है। पुलिस यहां वीडियोग्राफी के साथ चेकिंग कर रही है।

पर्यटक वाहनों की संख्या अधिक होने पर उन्हें रूसी बाईपास 1 व 2, मस्जिद तिराहा और नारायण नगर से शटल सेवा के जरिये भेजा जाएगा। एसएसपी डॉ.मंजूनाथ टीसी ने बताया कि यातायात कंट्रोल के लिए ड्रोन के साथ ही भारी-भरकम पुलिस बल लगाया गया है। इन ड्रोन का इस्तेमाल सुरक्षा व्यवस्था के लिहाज से भी किया जा रहा है। कहीं पर हुड़दंग आदि दिखने पर पुलिस तुरंत एक्शन लेगी। होटल, रिसॉर्ट में ठहरने वाले विदेशी पर्यटकों का फॉर्म-सी भरना अनिवार्य होगा।

थाने में गुजरी दारूबाज पर्यटकों की रात, सस्पेंड होंगे ड्राइविंग लाइसेंस

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : पुलिस पहले ही सचेत कर चुकी है कि नए साल का जश्न मनाएं, लेकिन नियमों के दायरे में रह कर। शनिवार को पुलिस ने ऐसे पर्यटकों को सलाखों के पीछे पहुंचाया, जो नियमों को ताक पर रखकर सफर कर रहे थे। ऐसे पर्यटकों की पूरी रात ने सिर्फ थाना और चौकियों में गुजरी, बल्कि वाहन भी सीज कर दिए गए। अब इनके ड्राइविंग लाइसेंस भी निरस्त होंगे।

पुलिस चेकिंग के दौरान काठगोदाम में गोपालनगर बरेली निवासी आर्यन शर्मा को पकड़ा गया। आर्यन शराब पीकर कार चला रहा था। पुलिस ने इन्हें रात भर थाने में बैठाया और कार को सीज कर दिया। इसके साथ ही कार चालक संजय दानू निवासी सुभाष नगर हल्द्वानी, डंपर चालक पवन सुयाल निवासी खेड़ा और निश्चल पांडे निवासी शीश महल को गिरफ्तार किया गया। शनिवार को पुलिस ने कुल 253 वाहनों के चालान कर 66,700 रुपए का जुर्माना वसूला। इसके साथ ही तीन वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस निरस्तीकरण की रिपोर्ट संभागीय परिवहन विभाग को भेजी।

ड्रंक एंड ड्राइव में पकड़ा गया बरेली का पर्यटक पुलिस टीम के साथ।

अमृत विचार

हल्द्वानी, सोमवार, 29 दिसंबर 2025

नैनीताल

सिटी ब्रीफ

भवाली मंडल के सभी बूथों पर सुनी प्रधानमंत्री के मन की बात

भवाली : प्रति रविवार को होने वाले प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम को भाजपा के सभी बूथों पर सुना गया। जिसमें कि सभी भाजपा कार्यकर्ताओं ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। इसके लिए भाजपा पदाधिकारियों ने पहले से सभी तैयारी पूरी की गई थी। कुछ कार्यकताओं ने घरों पर भी लोगो के साथ इस कार्यक्रम को सुना। वहीं प्रधानमंत्री के सम्बोधन में सौर ऊर्जा विषय पर लोग मंथन करते नजर आए।

बच्चों के लिए 8 दिवसीय कार्यशाला 1 जनवरी से

रामनगर : रचनात्मक शिक्षक मंडल द्वारा शीतावकाश में स्कूली बच्चों के लिए थियेटर, पेंटिंग, लेखन एवं सिनेमा की 8 दिवसीय कार्यशाला 1 जनवरी से जिम कार्बेट नेशनल पार्क से सटे गांव सांवल्दे में होगी। यह जानकारी कार्यक्रम संयोजक नवेंदु मठपाल ने दी। श्री मठपाल ने बताया कि कार्यशाला में थियेटर एक्सपर्ट के रूप में दिल्ली से प्रेम संगवारी, पेंटिंग एक्सपर्ट के रूप में कोलकाता से श्रृणयानिका दास रहेंगी। वह पिछले 14 सालों से पेंटिंग कर रही हैं और मिक्स्ड मीडिया, म्यूरल्स, डिजिटल आर्ट और कोलाज जैसे अलग-अलग फ़ॉर्म्स में लगातार एक्सप्लोर कर रही हैं। लेखन एक्सपर्ट के रूप में एससीईआरटी में वरिष्ठ लेखक रहे मदन मोहन पांडे रहेंगे।

माता-पिता की सेवा से बड़ा धर्म नहीं: जोशी

लालकुआं : यहां राजीवनगर बिन्दुखत्ता आयोजित संगीतमय शिव पुराण कथा ज्ञान यज्ञ के सातवें दिन कथा वाचक आचार्य मनोज जोशी ने पार्वती शिव विवाह समेत शिव परिवार पर विस्तृत प्रकाश डाला। डालते हुए कहा कि माता पिता की सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है। कथा के सातवे दिन श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कथा व्यास ने शिव महिमा का महत्व समझाते हुए कहा कि श्री शिव महापुराण कथा का रस पान मात्र से मनुष्य को समस्त प्रकार के ताप और पाप से मुक्त कर देता है। उन्होंने कहा कि श्री शिव पुराण कथा के श्रवण मात्र से ही व्यक्ति दैहिक दैविक और भौतिक संतापों से दूर हो जाता है। इस अवसर पर मंदिर समिति के अध्यक्ष विनोद बिष्ट, रमेश चंद्र तिवारी, महामंत्री सुरेश जोशी, पुरन चंद्र जोशी, मुख्य यजमान मदन सिंह तुलेड़ा, धर्मा तुलेड़ा, महेंद्र रावत, माधवानंद जोशी, रोहित कनवाल, दीपक पाठक, दीवान सिंह बरगली, खीम सिंह सेलाकोटी, मनोज बरगली, वीर सिंह तुलेड़ा, गणेश सिंह बिष्ट ,गंगा सिंह, उत्तम सिंह भण्डारी, राजेन्द्र सिंह कोरंगा, प्रेम बिष्ट, हरक सिंह रावत, ललित बिशोती, धीरज सिंह बिष्ट, किशन सिंह रहे।

प्रशासन के साथ ही विभिन्न संस्थानों ने की रंगारंग कार्यक्रमों की खास व्यवस्था, पर्यटकों की भीड़ जुटने की संभावना को देखते हुए सुरक्षा के कड़े उपाय

नये साल के स्वागत के लिए सजी सरोवर नगरी, बिजली रोशनी से जगमगाया शहर

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: नये साल के जश्न को लेकर सरोवर नगरी नैनीताल पूरी तरह से उत्सवी रंग में रंग चुकी है। नैनीताल इन दिनों दुल्हन की तरह सजी नजर आ रही है। जो पर्यटक इस बार नए साल के मौके पर नैनीताल आएगा उनका उत्तराखंडी पारंपरिक तरीके से टीका लगाकर और होटल में कुमाऊनी परिधान पहन कर स्वागत किया जाएगा। इसके अलावा शहर में होटल एसोसिएशन ने विशेष व्यवस्था की है।

शहर की मॉल रोड, नैनी झील के किनारे, प्रमुख पर्यटन स्थलों और होटल क्षेत्रों में की गई आकर्षक सजावट शहर की खूबसूरती में चार चांद लगा रही है। शाम होते ही शहर रंगीन रोशनी से जगमगा उठता है। झील किनारे और बाजार क्षेत्रों में सजी झालरें पर्यटकों को खासा आकर्षित कर रही हैं। होटल एसोसिएशन की ओर से इस बार पर्यटकों के स्वागत में अनूठी पहल की गई है। शहर के विभिन्न हिस्सों में पेड़ों पर म्यूजिक सिस्टम लगाए गए हैं, जिससे पूरे क्षेत्र में नए साल का उल्लास झलक रहा है।

होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष दिग्विजय बिष्ट ने बताया कि इस बार नैनीताल आने वाले पर्यटकों के लिए नए साल को यादगार बनाने की व्यापक तैयारी की गई है। उन्होंने कहा कि पर्यटकों को बेहतर अनुभव देने के लिए होटल, रेस्टोरेंट और पर्यटन से जुड़े सभी संगठन मिलकर काम कर रहे हैं। शहर को रोशनी, संगीत और विशेष व्यवस्थाओं के माध्यम से सजाया गया है। पर्यटकों की लगातार बढ़ती भीड़ को देखते हुए प्रशासन और पुलिस भी पूरी तरह मुस्तैद हैं। यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए विशेष योजना लागू की गई है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार शहर की सभी पार्किंग भरने की स्थिति में पर्यटकों के वाहनों को रुषि बाईपास पर रोका जाएगा, जहां से शटल सेवा के माध्यम से शहर में प्रवेश कराया जाएगा। माल रोड और अन्य भीड़भाड़ वाले इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। सीसीटीवी कैमरों और पैदल गश्त के जरिए सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की गई है, ताकि पर्यटक बिना किसी परेशानी के नए साल का जश्न मना सकें।

प्रशासन, पुलिस और पर्यटन से जुड़े संगठनों के समन्वित प्रयासों से नैनीताल नए साल के स्वागत के लिए पूरी तरह तैयार है। सर्द मौसम, झील किनारे की रौनक और उत्सव का माहौल पर्यटकों को नए साल के जश्न के लिए पहाड़ों की ओर आकर्षित कर रहा है।

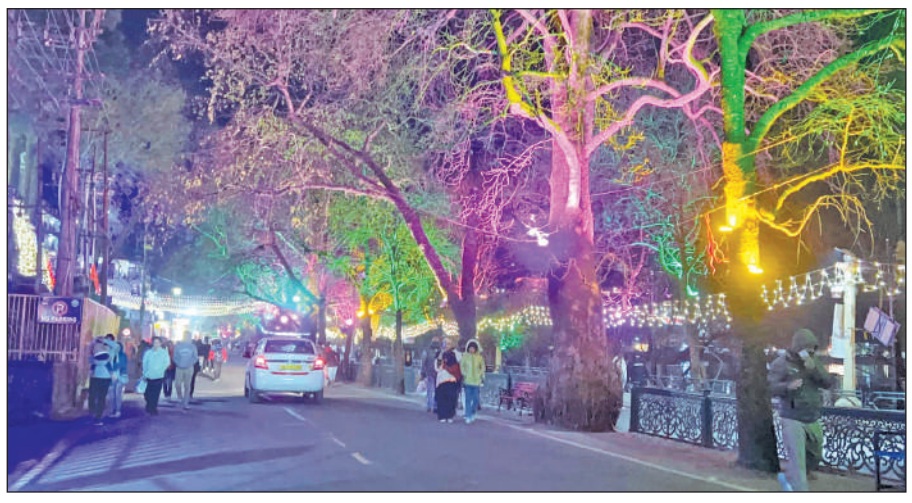

नववर्ष के स्वागत के लिए सरोवर नगरी में की गई बिजली रोशनी की सजावट। ● अमृत विचार

कैंची धाम जाने वाले पर्यटकों के लिए रूट रहेगा डाइवर्ट

पर्यटकों की लगातार बढ़ रही संख्या को देखते हुए पुलिस और प्रशासन भी पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए विशेष प्लान तैयार किया गया है। एसपी डॉ. जगदीश चंद्रा ने बताया शहर की सभी पार्किंग स्थल भरने की स्थिति में पर्यटकों के वाहनों को रुसी बाईपास पर रोका जाएगा। वहां से शटल सेवा के माध्यम से पर्यटकों को शहर में प्रवेश दिया जाएगा, जिससे शहर के भीतर जाम की स्थिति न बने। इसके अलावा माल रोड और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। सीसीटीवी कैमरों की निगरानी रखी जा रही है, जबकि पैदल गश्त भी बढ़ा दी गई है, ताकि किसी भी तरह की अव्यवस्था से बचा जा सके।

कॉर्बेट के फुलई चौड़ में जल्द शुरू होगी जंगल सफारी, बढ़ेगा पर्यटन

अस्थायी पुल निर्माण की प्रक्रिया जोरों पर, पर्यटकों को मिलेगा नया रोमांच

संवाददाता, रामगंगा (कोटाबाग)

अमृत विचार: कॉर्बेट टाइगर रिजर्व घूमने आने वाले पर्यटकों के लिए बड़ी खुशखबरी है। अब फुलई चौड़ क्षेत्र में भी जंगल सफारी जल्द शुरू होने वाली है। इसके लिए रामगंगा नदी पर अस्थायी पुल का निर्माण कार्य तेजी से जारी है, जिससे पर्यटक नदी के दूसरे छोर पर स्थित समृद्ध वन्यजीव क्षेत्र का आनंद ले सकेंगे।

इस संबंध में पार्क प्रशासन ने जानकारी देते हुए बताया कि कॉर्बेट का ढिकाला जोन पर्यटकों में सबसे लोकप्रिय है और इसी जोन के अंतर्गत फुलई चौड़ स्थित है। यह क्षेत्र वन्यजीवों के लिए अत्यंत उपयुक्त प्राकृतिक आवास प्रदान करता है। बरसात के समय में नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण फुलई चौड़ में सफारी बंद रहती है, लेकिन जैसे ही जलस्तर कम हुआ है, प्रशासन ने अस्थायी पुल निर्माण की प्रक्रिया तुरंत शुरू कर दी है। कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के निदेशक डॉ. साकेत बडोला ने बताया कि हाल ही में नदी के जलस्तर और भू-आकृति का सर्वे किया गया है। सर्वे से पता चला है कि इस साल नदी ने अपना मार्ग कुछ हद तक बदल लिया है और नदी का फैलाव बढ़ गया है। इसी कारण इस बार अस्थायी पुल को पहले से लगभग दोगुनी लंबाई का बनाया जा रहा है। फिलहाल पुल निर्माण का कार्य शुरू हो चुका है और अगले 10 दिनों के भीतर इसे पूरा करने का लक्ष्य है। डॉ. बडोला ने कहा कि पुल तैयार होते ही ढिकाला जोन में आने वाले पर्यटक फुलई चौड़ क्षेत्र में जंगल सफारी कर सकेंगे। इससे न केवल पर्यटकों को नए और रोमांचक सफारी रूट उपलब्ध होंगे, बल्कि वन्यजीवों को उनके प्राकृतिक आवास में निकट से देखने का मौका भी मिलेगा। पार्क प्रशासन के अनुसार फुलई चौड़ में हाथी, हिरण, सांभर, बाघ तथा अन्य कई वन्यजीवों की अच्छी संख्या है। स्थानीय पर्यटन व्यवसाय से जुड़े लोगों ने भी इस निर्णय का स्वागत किया है। उनका मानना है कि फुलई चौड़ में सफारी मार्ग खुलने से कॉर्बेट पर्यटन को और अधिक बढ़ावा मिलेगा तथा आने वाले दिनों में पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी लाभ पहुंचेगा।

फूलई चौड़ में कर्मचारियों को दिशा-निर्देश देते कार्बेट के निदेशक डॉ. साकेत बडोला।

कॉर्बेट क्रिकेट एकेडमी की श्रेया नेगी का अंडर 19 राष्ट्रीय टीम में चयन

रामनगर : डीडी छिम्वाल कॉर्बेट क्रिकेट एकेडमी की होनहार क्रिकेटर श्रेया नेगी का अंडर-19 बालिका क्रिकेट राष्ट्रीय टीम के लिए चयन हुआ है। श्रेया एमपी इंटर कॉलेज की कक्षा 12वीं की छात्रा एवं ग्राम बसई, रामनगर निवासी देवेंद्र सिंह नेगी की पुत्री हैं। कॉर्बेट क्रिकेट एकेडमी के कोच मो. इसरार अंसारी ने बताया कि श्रेया दाएं हाथ की श्रेष्ठ क्रम की बल्लेबाज और ऑफ-ब्रेक गेंदबाज हैं। उन्होंने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता ऋषिकेश में शानदार प्रदर्शन करते हुए नैनीताल जनपद का प्रतिनिधित्व किया, जिसके कारण उन्हें 1 से 6 जनवरी 2026 तक मध्यप्रदेश के शिवपुरी में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चुना गया है। इसमें वह उत्तराखंड टीम की ओर से खेलेंगी।

संगीत, नृत्य व खेल रहे आकर्षण का केंद्र

भीमताल: जिला प्रशासन व पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित विंटर कार्निवल में संगीत, नृत्य और खेल प्रतियोगिताएं प्रमुख आकर्षण बनीं, जिससे पर्यटकों और स्थानीय लोगों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। यह महोत्सव 22 से 26 दिसंबर 2025 तक चला और कुमाऊं की सांस्कृतिक विविधता तथा पर्यटन संभावनाओं को उजागर करने का अवसर प्रदान किया।

कार्निवल के दौरान झील किनारे आयोजित सांगीतिक प्रस्तुतियों में प्रसिद्ध कलाकारों ने आकर्षक कार्यक्रम दिए, जिनमें पवनदीप राजन और बी प्राक की प्रस्तुति ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर किया। वहीं पांडवाज बैंड ने लोक संगीत की मधुर धुन के साथ लोगों को मनोरंजन का अनोखा अनुभव कराया। उत्सव में नृत्य और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ खेल प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं, जिससे युवा प्रतिभाओं को अपनी क्षमताओं को मंच पर दिखाने का अवसर मिला। स्थानीय समुदाय और कलाकारों के सक्रिय सहयोग से यह कार्यक्रम विशेष रूप से सफल रहा। कार्निवल में झील पर नाव प्रदर्शन, लोक नृत्य, पारंपरिक संगीत, और फैशन शो जैसे कार्यक्रम भी हुए, जिनमें बड़ी संख्या में पर्यटक रहे और उन्होंने स्थानीय व्यंजनों का लुत्फ उठाया।

कैंची धाम जा रहे पर्यटकों के वाहन भिड़े, महिला गंभीर

- **बजून क्षेत्र में हुई भीषण भिड़ंत, कई घायल, यातायात सुचारू**
- **खड़ी कार को दूसरी कार ने पीछे से मारी टक्कर, पलटी कार**

संवाददता, नैनीताल

अमृत विचार: नैनीताल के बजून क्षेत्र में कैंची धाम की ओर जा रहे पर्यटकों के बीच कारों की आपस में भिड़ंत हो गई, जिससे एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई और सात अन्य पर्यटक भी चोटिल हुए। यह सड़क हादसा तब हुआ जब दोनों कारें तेजी से संघर्ष कर रही थीं और एक कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़ी महिला पर पलट गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई।

घायल महिला और अन्य यात्रियों को स्थानीय लोगों तथा राहगीरों की मदद से जिला अस्पताल बीडी पांडे लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद महिला को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया, जबकि अन्य घायलों का इलाज जारी है। पुलिस ने बताया गया कि पंचकुला निवासी राकेश अपनी मंगेतर पुष्पलता के साथ कैंची धाम दर्शन के लिए जा रहे थे और जब पुष्पलता को अस्वस्थता महसूस हुई तो उन्होंने अपनी कार को सड़क किनारे रोक दिया। इसी दौरान तेज गति से आ रही स्विफ्ट कार ने उनकी कार को टक्कर मारी। टक्कर के कारण स्विफ्ट कार अनियंत्रित होकर पलट गई और सड़क किनारे खड़ी पुष्पलता पर गिर पड़ी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे में गाजियाबाद नोएडा निवासी सुरजीत सिंह, विनय राठी, मोहित शर्मा और मोहित मलिक सहित कई यात्री घायल हुए, लेकिन वे सभी खतरे से बाहर हैं। पुलिस अधिकारी कोतवाल हेम पंत ने कहा कि प्रारंभिक जांच में तेज गति और सड़क पर अनुचित नियंत्रण को हादसे का मुख्य कारण माना जा रहा है। उन्होंने बताया कि दोनों वाहनों को सड़क से हटाकर यातायात को सुचारू रूप से बहाल कर दिया गया है और मामले में आगे की जांच जारी है।

स्थानीय निवासियों तथा मार्ग पर उपलब्ध राहगीरों ने तत्काल प्राथमिक सहायता प्रदान की और हर संभव मदद करने का प्रयास किया। पुलिस ने कहा कि यदि कोई आधिकारिक शिकायत दर्ज की जाती है, तो वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल, दुर्घटना के कारण और अन्य पहलुओं की गहन जांच प्रशासन द्वारा की जा रही है। अधिकारियों ने पर्यटकों से अपील की है वे सावधानी से वाहन चलाएं।

कालाढूंगी रोड स्थित गुरुद्वारा चार साहिबजादे में सजाया गया भव्य धार्मिक दीवान तथा गुरुबाणी का बखान करता रागी जत्था।

गुरुद्वारा चार साहिबजादे में कीर्तन से संगत हुई निहाल

हल्द्वानी : गुरुद्वारा चार साहिबजादे, कालाढूंगी रोड हल्द्वानी में एक भव्य धार्मिक दीवान सजाया गया, जिसमें अमृतसर से पधारे ज्ञानी अरविंदर सिंह जी नूर और चंडीगढ़ से पहुंचे भाई बलबीर सिंह जी ने गुरबाणी कीर्तन से संगत को निहाल किया। कथावाचक ज्ञानी हरप्रीत सिंह जी और भाई मनराज सिंह जी मारकंडे वालों ने गुरबाणी कथाविचार से संगत को गुरु इतिहास का आभास कराया। इस अवसर पर मुख्य सेवादार अमनदीप सिंह, हरजीत सिंह सिब्बल, निर्मल सिंह आनंद, हरविंदर सिंह सेठी, मनजीत सिंह सेठी, और प्रिंस सयाली सहित अन्य संगत उपस्थित थे। कार्यक्रम का आयोजन गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी द्वारा किया गया था।

राजकीय इंटर कालेज पतलोट में हुए न्याय पंचायत खेल महाकुंभ के विजयी प्रतिभागी।

खेल महाकुंभ में खिलाड़ियों ने दिखाई प्रतिभा

भीमताल : पीएमश्री शहीद बहादुर सिंह मटियाली राजकीय इंटर कालेज पतलोट में दो दिवसीय न्याय पंचायत स्तरीय खेल महाकुंभ का प्रारंभ हुआ। जिसमें प्रथम दिवस पर न्याय पंचायत डालकन्या के अन्डर 14 के छात्र छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया। महाकुंभ का शुभारंभ स्थलीय संयोजक प्रधानाचार्य आशुतोष साह तथा केशव दत्त त्रिपाठी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत बच्चों द्वारा कर्नाटक शैली में रोचक नृत्य प्रस्तुत किया गया। कबड्डी में पीएम अटल उत्कृष्ट एसबीएसएम राजकीय आदर्श इन्टर कालेज पतलोट कबड्डी बालक वर्ग में प्रथम रहा। साथ ही 60 मीटर दौड़ बालिका वर्ग में भूमिका मटियारी राइका पतलोट 600 मीटर दौड़ बालिका वर्ग में पायल राउमावि गौनियारो, 60 मी बालक वर्ग में गौरव सिंह राइका पतलोट, 600 मी बालक वर्ग में हिमांशु रावत राउमावि गौनियारो, ऊंची कूद में भीम सिंह राइका पतलोट अव्वल रहे।

नैनीताल पहुंचे सैलानियों ने उठाया गुनगुनी धूप का आनंद

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: सरोवर नगरी में रविवार को गुनगुनी धूप पूरे दिन खिली रही। पर्यटकों ने मौसम का भरपूर लुत्फ उठाया।

नगर में सुबह से शाम तक धूप खिली हुई थी और दिन के समय खासी गरमाहट महसूस हुई। हालांकि हल्के बादलों का आना जाना लगा रहा, लेकिन तापमान में असर नहीं पड़ा और मौसम सुहावना बना रहा। मगर सांझ होते ही पाला गिरना शुरू हो गया और ठंड में बढ़ोतरी हो गई।

नगर की ऊंचाई वाले क्षेत्रों में सांझ के बाद कड़ाके की ठंड पड़ रही है। पारा गिरकर तीन से चार डिग्री तक जा रहा है। जीआईसी मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार अधिकतम तापमान 17 न्यूनतम आठ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

नैनीताल में धूप के बीच नौकायन का आनंद लेते सैलानी। ● अमृत विचार

शिक्षा | **जिम कार्बेट पार्क के ढेला रेंज से सटे गांव सांवल्दे पश्चिम में दो हजार बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने की तैयारियां**

सराहनीय : नए साल में सरकारी शिक्षक शुरू करेंगे नई पहल

विनोद पपनै, रामनगर

अमृत विचार: पिछले चार सालों से सामाजिक, आर्थिक रूप से पिछड़े समुदाय के 300 से अधिक बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा में लाने के उद्देश्य से रामनगर के ग्रामीण क्षेत्रों पूछड़ी और पटरानी में जोतिबा फुले, सावित्रीबाई फुले सायंकालीन स्कूल चलाने वाले रचनात्मक शिक्षक मंडल ने अब इसका दायरा बढ़ाने का निर्णय लिया है।

जिम कार्बेट नेशनल पार्क के ढेला रेंज से सटे गांव सांवल्दे पश्चिम में दो हजार ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने की तैयारियां की जा रही है. इसके लिए स्कूल की तरह ही एक ढांचा तैयार किया जा रहा है। रचनात्मक शिक्षक मंडल की पहल पर ही पूछड़ी व पटरानी में तीन सौ से अधिक बच्चे पढ़ रहे हैं। यहां से पढ़कर कई बच्चे आस-पास के सरकारी स्कूलों में दाखिला ले चुके हैं। निर्धन बच्चों को शाम के वक्त शिक्षक मंडल से जुड़े सरकारी शिक्षकों और पढ़े लिखे स्थानीय नौजवान बच्चों को पढ़ाते हैं। शिक्षक मंडल के राज्य संयोजक नवेंदु मठपाल ने बताया कि शिक्षक मंडल प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा तक कार्यरत शिक्षकों का एक मंच है। चार वर्षों से शिक्षकों की टीम सायंकालीन स्कूल खोल कर पढ़ाने का काम कर रही है। बताया कि सांवल्दे के 10 किलोमीटर के क्षेत्र के दो हजार से अधिक बच्चों को इस अभियान से जोड़ा जाएगा। प्रारंभिक शिक्षा के साथ साथ माध्यमिक व उच्च शिक्षा में अध्ययरत बच्चों को इस अभियान से जोड़ने की योजना बनाई गई है।

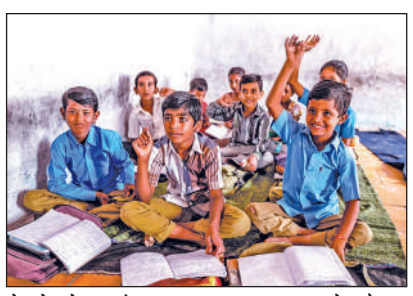

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियां भी कराई जाएगी

शिक्षक मंडल सांवल्दे में खोले जाने वाले सायंकालीन स्कूल में स्कूली पाठ्यक्रम के अनुसार पढ़ाने के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करवाने व रोजगार परक पाठ्यक्रम शुरू करवाने के लिए भी प्रयासरत रहेगा। बालिका शिक्षा व कम्प्यूटर शिक्षा पर विशेष जोर रहेगा। यह पूरा अभियान जन सहयोग से संचालित होगा।

स्वतंत्रता सेनानी के नाम पर होगा स्कूल

शिक्षक नवेंदु मठपाल ने बताया कि सांवल्दे में खोले जाने वाले सायंकालीन स्कूल का प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी हरिदत्त मठपाल व अंबादत्त बेलवाल के नाम से रखा गया है। भविष्य में स्कूल परिसर के भीतर साहित्य अकादमी प्राप्त वरिष्ठ कुमाउनी साहित्यकार मथुरादत्त मठपाल की स्मृति में उत्तराखंडी साहित्य व संस्कृति का एक केंद्र भी स्थापित किया जाएगा।

सड़क हादसे में रामनगर की महिला की मौत

रामनगर : शनिवार देर शाम धामपुर-नहटौर मार्ग पर दर्दनाक सड़क हादसे में रामनगर की 38 वर्षीय नरगिस की मौत हो गई, जबकि उनका पति कासिम अहमद घायल हो गया। दुर्घटना उस समय हुई जब दंपति बाइक से नहटौर जा रहे थे और ढक्का कर्मचंद के पास पीछे से आए ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही नरगिस बाइक से गिर गईं और ट्रक की चपेट में आकर मौके पर ही उनकी मौत हो गई, जबकि उनके पति गंभीर चोट से बच गए। घटना के बाद मौके पर भारी भीड़ एकत्र हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही ट्रक चालक को हिरासत में लेकर ट्रक को जब्त कर लिया गया है। मृतका की मौत से परिवार में कोहराम मचा है।

कालाढूंगी में जमीन के मालिकाना हक की मांग

- **वार्ड नंबर 7 में आंबेडकर एकता फाउंडेशन संगठन ने की बैठक**

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: कालाढूंगी क्षेत्र के वार्ड नंबर 7 ग्राम में आंबेडकर एकता फाउंडेशन संगठन के नेतृत्व में बैठक हुई। बैठक में पट्टाधारियों और नजूल भूमि भी रहने वाले लोगों के मालिकाने हक का मुद्दा उठाया गया।

समिति अध्यक्ष जगदीश चंद्र ने कहा कि यहां एससी समाज के गरीब लोग सालों से रहते आए हैं। उनके पास अपना सिर छुपाने के अलावा और कोई जगह नहीं है। मांग की गई कि सरकार को इन लोगों की बातों को सुनना चाहिए और गरीब लोगों को मालिकाना हक देना चाहिए।

जिससे इनके और इनके बच्चों का भविष्य सुरक्षित हो सके। अन्य वक्ताओं ने कहा कि समय-समय पर इस मांग को ज्ञापन के माध्यम से सरकार और प्रशासन के उच्चाधिकारियों तक उठाया गया है। इस दौरान महासचिव धनीराम, संयोजक गंगा प्रसाद, आनंद राम, भुवन चंद्र टम्टा, प्रेम राम आर्य, तेजेंद्र टम्टा, विजय, मीनाक्षी आदि मौजूद रहे।

सिटी ब्रीफ

सीनियर पुरुष क्रिकेट लीग आज से शुरू

हल्द्वानी : जिला नैनीताल क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से सीनियर पुरुष जिला क्रिकेट लीग का उद्घाटन आज (सोमवार) किया जाएगा। यह आयोजन जीएनजी क्रिकेट एरीना में सुबह 10 बजे से शुरू होगा। उद्घाटन मुकाबला जीएनजी और एचसीसी टीमों के बीच खेला जाएगा। मुख्य अतिथि डॉ. छवि कांडपाल (सदस्य, जिला पंचायत बोर्ड) उपस्थित रहकर प्रतियोगिता का शुभारंभ करेंगी। जिला नैनीताल क्रिकेट एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बताया कि यह लीग जिले के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का सुनहरा मंच प्रदान करेगी।

उत्तरायणी मेले को लेकर हुई बैठक

हल्द्वानी : राम दरबार पर्वतीय सांस्कृतिक मंच ऊंचापुल में रविवार को उत्तरायणी कौतिक मेले की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि मेले में सभी कार्यक्रम स्थानीय भाषा में आयोजित किए जाएंगे और स्थानीय कलाकारों को मंच दिया जाएगा। बैठक में यह भी तय किया गया कि मेले के दौरान प्रतिदिन खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। मेला 8 जनवरी से 13 जनवरी तक चलेगा। बैठक की अध्यक्षता संरक्षक गोपाल सिंह धौनी ने की। इसमें अध्यक्ष हरीश चंद्र कोठारी, शंकर दत्त कांडपाल, भूपेन्द्र चौधरी, विशम्बर पांडे, भुवन भगत, हेमा पतलिया और नन्द किशोर पांडे रहे।

अंकिता हत्याकांड की सीबीआई जांच की मांग मुखर

हाथों में दराती लिए महिलाओं ने जुलूस निकाल कर किया प्रदर्शन, घटना के दोषी सभी प्रभावशाली लोगों पर कार्रवाई की मांग

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : अंकिता भंडारी हत्याकांड को लेकर विरोध बढ़ता जा रहा है। हाल ही में सामने आए कथित ऑडियो के बाद मामले ने नया मोड़ ले लिया है। पहाड़ी आर्मी और अन्य प्रदर्शनकारियों ने एसडीएम कोर्ट तक जुलूस निकालते हुए जमकर नारेबाजी की। पहाड़ी आर्मी के संस्थापक अध्यक्ष हरीश रावत ने कहा कि अंकिता भंडारी हत्याकांड की सच्चाई सामने लाने के लिए सीबीआई जांच बेहद जरूरी है। ऑडियो में जिन नेताओं के नाम सामने आ रहे हैं, उन सभी पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

अन्य वक्ताओं ने कहा कि जो महिला सोशल मीडिया में ऑडियो/ वीडियो जारी कर रही है, उस आधार पर इस मामले की नए सिरे से जांच होनी चाहिए। साथ ही कहा कि इस मामले में जो भी वीआईपी संलिप्त था, उसको सामाने लाया जाए और उसे कड़ी सजा दी जाए। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि रिसॉर्ट को बुलडोजर से गिराया जाना अभी भी बड़ा प्रश्न खड़ा कर रहा है। इस मामले की भी सही जांच हो कि रिसॉर्ट को क्यों और किसके आदेश पर गिरा दिया गया जबकि वहां से इस हत्याकांड को लेकर अहम सबूत सामने आ सकते थे। प्रदर्शन के दौरान बुद्ध पार्क में भारी पुलिस बल भी मौजूद रहा। इस दौरान हिमांशु शर्मा, राजेंद्र कांडपाल, फौजी भूपेन पांडे, प्रेम मेल, कविता जीना, गीत चंदोला, कार्तिक उपाध्याय, कुसुम लता, देवेंद्र सिंह, बसंत सिंह, हरेंद्र सिंह राणा, मोहन सिंह बोरा, काजल खत्री, सुनीता भट्ट, ज्योति अधिकारी, कंचन रौतेला, निधि रौतेला, ज्योति जोशी, लता मेहता आदि रहे।

बुद्ध पार्क में अंकिता हत्याकांड को लेकर सभा करते पहाड़ी आर्मी और विभिन्न संगठनों के लोग। ● अमृत विचार

अंकिता हत्याकांड को लेकर लालकुआं में कैंडल मार्च निकालते कांग्रेसी कार्यकर्ता।

लालकुआं में कांग्रेसियों ने निकाला कैंडल मार्च

संवाददाता, लालकुआं

अमृत विचार: अंकिता भंडारी हत्याकांड से जुड़े हालिया ऑडियो वायरल होने के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने असली दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। देर शाम नगर के ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र में एकत्र सैकड़ों कांग्रेसियों ने कैंडल मार्च निकाला, जो कोतवाली चौराहे, मुख्य बाजार होते हुए गांधी पार्क में एक जनसभा में बदल गया।

जनसभा को संबोधित करते हुए पूर्व कैबिनेट मंत्री हरीश चंद्र दुर्गापाल ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार की भूमिका के चलते अंकिता हत्याकांड के कथित वीआईपी आरोपियों को बचाया गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा विधायक की कथित पत्नी द्वारा वायरल ऑडियो ने प्रकरण में वरिष्ठ नेताओं की संलिप्तता उजागर कर दी है।

कांग्रेस के जिलाध्यक्ष राहुल छिम्वाल ने चेतावनी दी कि यदि अभिलेखों में प्रकाश में आए कथित वीआईपी आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार नहीं किया गया, तो कांग्रेस प्रदेश स्तर पर व्यापक आंदोलन करेगी। संबोधनों में यह भी कहा गया कि न्याय के लिए जनता की आवाज बुलंद की जा रही है। प्रदर्शनकारियों ने अंकिता केस में निष्पक्ष जांच और आरोपियों के खिलाफ त्वरित कानूनी कार्रवाई की मांग की। कार्यक्रम में कांग्रेस नगर अध्यक्ष भुवन पांडे, बिंदुखत्ता ब्लॉक अध्यक्ष पुष्कर दानू, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता हरेंद्र बोरा, राजेंद्र सिंह खनवाल, डॉ. बालम सिंह बिष्ट सहित संदीप पांडे, मीना कपिल, किरन जोशी, माया देवी, सूरज राय, कमलेश यादव, कुंदन सिंह मेहता समेत कई नेताओं और सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

हाईकोर्ट में हिंदी अनुवाद इकाई स्थापित की जाए

हल्द्वानी, अमृत विचार : हाईकोर्ट के अधिवक्ता जगदीश चंद्र जोशी ने उत्तराखंड सरकार के विधि विभाग और भारत सरकार के न्याय मंत्रालय को एक प्रतिनिधित्व भेजकर हाईकोर्ट में हिंदी अनुवाद इकाई स्थापित करने और हिंदी व अंग्रेजी दोनों भाषाओं में न्यायालय के आदेश और निर्णय जारी करने की मांग रखी है।

अधिवक्ता ने कहा कि वर्तमान में हाईकोर्ट के अधिकतर आदेश केवल अंग्रेजी में जारी होते हैं। इससे आम लोगों, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों, कम शिक्षित और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को आदेश समझने में काफी परेशानी होती है। उनका कहना है कि न्याय तभी सार्थक है जब उसे प्रभावित व्यक्ति पूरी तरह समझ सके। प्रतिनिधित्व में कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट ने भी कई फैसलों में यह माना है कि न्याय तक पहुंच सिर्फ अदालत तक पहुंचने भर से नहीं है, बल्कि आदेशों को समझ पाना भी उतना ही जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट की सुप्रीम कोर्ट विधिक अनुवाद सॉफ्टवेयर और ई-एससीआर जैसी पहल इस बात का उदाहरण हैं कि भारतीय भाषाओं में न्यायिक आदेश उपलब्ध कराना संभव और आवश्यक है।

आजादी से लेकर राष्ट्र निर्माण तक में कांग्रेस का रहा योगदान

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: कांग्रेस के 140वें स्थापना दिवस के अवसर पर स्वराज आश्रम में विचार-गोष्ठी और संकल्प कार्यक्रम हुआ। कांग्रेसियों ने कहा कि पार्टी के गौरवशाली इतिहास, स्वतंत्रता संग्राम में उसके योगदान को याद किया गया।

महानगर अध्यक्ष गोविंद सिंह बिष्ट ने कहा कि कांग्रेस केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि भारत की बुनियाद, उसके निर्माण और उसके इतिहास का अभिन्न हिस्सा रही है। जवाहरलाल नेहरू के आजाद भारत के सपनों, मौलाना आजाद की जेलों में लिखी गई तहरीरों, महात्मा गांधी के सत्य और अहिंसा के मार्ग से लेकर इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के बलिदान तक कांग्रेस का इतिहास देश की आत्मा से जुड़ा हुआ है। जब कांग्रेस से उसके अस्तित्व की गवाही मांगी जा रही है, तब भारत की आजादी, एकता और लोकतंत्र की पूरी यात्रा स्वयं कांग्रेस की सबसे बड़ी गवाही है। ब्लॉक अध्यक्ष हेम पांडे ने कहा कि कांग्रेस 140 वर्ष पहले भी देश की आवाज थी, आज भी है। जिला उपाध्यक्ष राजेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि देश की आजादी से लेकर राष्ट्र निर्माण तक में कांग्रेस का योगदान है। इस दौरान भागीरथी बिष्ट, राधा आर्य, डॉ. मयंक भट्ट, सुहैल सिद्दीकी, मलय बिष्ट, धर्मवीर, राधा चौधरी, देवकी देवी, सुनीता टम्टा, जगमोहन बगडवाल रहे।

स्वराज आश्रम में आयोजित बैठक में प्रतिभाग करते कांग्रेसी। ● अमृत विचार

राष्ट्रीय हॉकी टीम में चयन होने पर हर्ष

हल्द्वानी : हल्द्वानी स्टेडियम में हॉकी की बारीकियां सीख रही तीन बालिकाओं बबीता तिवारी, आरती आर्या और पलक पाल का चयन राष्ट्रीय स्कूल गेम्स हॉकी प्रतियोगिता के लिए उत्तराखंड की टीम में हुआ है। यह उपलब्धि उनके कठिन परिश्रम का परिणाम है।

खिलाड़ियों के प्रशिक्षक व उपक्रीड़ा अधिकारी वरुण बेलवाल ने बताया कि आगामी राष्ट्रीय स्कूल गेम्स हॉकी प्रतियोगिता 2 से 10 जनवरी तक ग्वालियर (मध्य प्रदेश) के कंपू हॉकी स्टेडियम में किया जाएगा। उत्तराखंड की बालिका टीम में जगह बनाने वाली ये तीनों खिलाड़ी राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगी। प्रशिक्षक बेलवाल ने बताया देहरादून में हुई राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में नैनीताल जनपद की टीम ने दूसरा स्थान (रजत पदक) हासिल किया था।

एथलेटिक्स में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: जिला खेल विभाग की ओर से ओपन पुरुष व महिला वर्ग की अनुसूचित जनजाति एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन रविवार को सुबह 9 बजे से मिनी स्टेडियम में हुआ। प्रतियोगिता में कुल 42 पुरुष व 11 महिला खिलाड़ियों ने विभिन्न ट्रैक व फील्ड स्पर्धाओं में प्रतिभाग कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का शुभारंभ जिला क्रीड़ा अधिकारी डॉ. निर्मला पंत की ओर से पुरुषों की 100 मीटर दौड़ को हरी झंडी दिखाकर किया गया।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी विजेता खिलाड़ियों को उपनिदेशक खेल कुमाऊं रशिका सिद्दीकी ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। 100 मीटर दौड़ (पुरुष वर्ग) में हरीश मर्तोलिया प्रथम, सुरेश द्वितीय एवं गोविंद तृतीय स्थान पर रहे, जबकि 100 मीटर दौड़ (महिला वर्ग) में गौरी मर्तोलिया ने प्रथम, वैष्णवी मतोलिया ने द्वितीय एवं मीतीषा पटियाल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया 200 मीटर दौड़ (पुरुष) में काव्य पांगती प्रथम, अरुण लोहाल द्वितीय व शौर्य निरखुया तृतीय रहे। 400 मीटर दौड़ (पुरुष) में भी काव्य पांगती ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि गौरव सिंह द्वितीय एवं सचिन बृजवाल तृतीय स्थान पर रहे। 800 मीटर दौड़ (पुरुष) में विनोद सिंह प्रथम, हरप्रीत राणा द्वितीय एवं कार्तिक मर्तोलिया तृतीय स्थान पर रहे। 4×100 मीटर रिले दौड़ (पुरुष) में कार्तिक सिंह कोरंगा टीम ने प्रथम, हरीश मतोलिया टीम ने द्वितीय व काव्य पांगती टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। गोला फेंक (पुरुष) स्पर्धा में विनोद सिंह प्रथम, कार्तिक मतोलिया द्वितीय एवं मनोज सिंह तृतीय रहे। डिस्कस थ्रो (महिला) में वैष्णवी मतोलिया ने प्रथम, गौरी मर्तोलिया ने द्वितीय व मीतीषा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, जबकि डिस्कस थ्रो (पुरुष) में शौभ निरखुया प्रथम, हरप्रीत राणा द्वितीय व गोविंद कोरंगा तृतीय रहे।

अनुसूचित जनजाति एथलेटिक्स प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ी मेडल के साथ। ● अमृत विचार

वुडलैंड स्कूल में वार्षिक खेलकूद के शुभारंभ पर मौजूद स्कूल प्रबंधक व अन्य।

वुडलैंड्स स्कूल में बच्चों ने दिखाया दम

हल्द्वानी : वुडलैंड्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल परिसर में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता का समापन कल (मंगलवार) होगा। प्रतियोगिता की शुरुआत आकर्षक मार्च पास्ट व खेल भावना की शपथ के साथ हुई। इसके बाद प्री-नर्सरी से कक्षा दो तक के विद्यार्थियों ने शानदार प्रस्तुतियां दीं। इस दौरान विद्यार्थियों के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के साथ ही अभिभावकों के लिए भी विविध रोचक प्रतियोगिताएं हुईं। मुख्य अतिथि धात संस्था के रविकांत राजू और विशिष्ट अतिथि उमा भंडारी, काउंसलर एवं पैरालीगल वॉलंटियर, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रहीं। स्कूल के निदेशक अखिलेश धौनी ने कहा कि खेलकूद बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए जरूरी है। रविकांत राजू ने स्कूल के प्रयासों की सराहना करते हुए विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर स्कूल के निदेशक अखिलेश धौनी, व्यवस्थापिका रंजना धौनी, एकेडमिक निदेशिका लता खोलिया और प्रधानाचार्य मनदीप कौर आदि मौजूद रहीं।

विद्यार्थियों के विदाई समारोह में हवन अनुष्ठान व पौधरोपण

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : आर्यमान विक्रम बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ लर्निंग हल्द्वानी में कक्षा 12 का विदाई समारोह आयोजित किया गया। जिस दौरान विद्यार्थियों के अच्छे भविष्य के लिए हवन अनुष्ठान व पौधरोपण किया गया। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य ने दिव्य ज्ञान ज्योति को कक्षा 12 के शिक्षकों और छात्र प्रतिनिधियों के माध्यम से कक्षा 11 के शिक्षकों और छात्र प्रतिनिधियों को सौंपा।

इससे पहले कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य प्रवेश मेहरा, उप प्रधानाचार्य प्रकाश कुमार, प्रधानाध्यापिका वंदना टम्टा, मैनेजर इंफ्रास्ट्रक्चर सुरेश बाजपेई और छात्र प्रतिनिधियों ने किया। विदाई समारोह में शास्त्रीय नृत्य, संगीत, नृत्य-नाटिका आदि प्रस्तुत किए गए। कक्षा 12 के विद्यार्थियों ने भी गीत, भाषण, नृत्य की प्रस्तुति के साथ ही अपने संस्मरण सुनाए। विद्यालय की हेड गर्ल मनस्विनी परगाईं और हेड बॉय तेजस जोशी ने स्कूल में बिताए गए पलों को साझा किया। इशिका कंबोज ने कक्षा 12 के विद्यार्थियों का स्वागत किया। शिक्षक प्रतिनिधि मधु पांडे ने कहा कि विद्यार्थियों को अभिभावकों और ईश्वर के प्रति कृतज्ञता रखनी चाहिए। प्रधानाचार्य प्रवेश मेहरा ने विद्यार्थियों को स्कूल की शैक्षिक एवं सांस्कृतिक विरासत को आगे ले जाने का परामर्श दिया।

आर्यमान बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ लर्निंग में कार्यक्रम के दौरान प्रस्तुति देतीं छात्राएं।

हल्द्वानी में बढ़ी ठंड पारा 13.4 डिग्री

हल्द्वानी: मौसम विज्ञान केंद्र का अनुमान सही साबित हुआ है। रविवार को हल्द्वानी कोहरे की चपेट में रहा। दोपहर के समय काठगोदाम, रानीबाग में करीब तीन घंटे के लिए धूप निकली लेकिन बाकी जगह कोहरा छाया रहा। जिस वजह से तापमान में भारी गिरावट आई है।

रविवार की सुबह पूरे हल्द्वानी में कोहरा छाया था। कड़ाके की ठंड से लोग ठिठुर रहे थे। काठगोदाम और रानीबाग क्षेत्र में दोपहर के समय हल्की धूप निकली लेकिन दिन के दो बजे तक यहां भी धूप चली गई। बाकी शहर में पहले से ही कोहरा छाया था। 31 दिसंबर तक इसी तरह का मौसम बना रहेगा। हल्द्वानी में अधिकतम तापमान 13.4 डिग्री रहा जो सामान्य से 7.1 डिग्री कम है और न्यूनतम तापमान 8.4 डिग्री दर्ज किया गया है।

लिंक खोलते ही खाते से उड़ गए 10 लाख

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : मोबाइल पर आए लिंक ने एक झटके में बैंक खाता खाली कर दिया। पीड़ित कुछ समझ पाता, इससे पहले ही दो ट्रांजेक्शन हुए और बैंक खाते से 10 लाख रुपए गायब हो गए। इस मामले में कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर साइबर क्राइम पुलिस को ट्रांसफर कर दिया है।

शिवाशीष कालोनी रामपुर रोड निवासी पंकज कुमार ने कोतवाली पुलिस को दी तहरीर में लिखा, पिछले माह नंबर में उनके मोबाइल पर एक आरटीओ के नाम से एक लिंक आया। लिंक में बताया कि पंकज के वाहन का चालान हो गया। पंकज ने जैसे ही चालान की जानकारी लेने के लिए लिंक को खोला तो उनके मोबाइल में जितने भी कॉंटैक्ट थे उन सभी पर वो मैसेज ट्रांसफर हो गया, जो पंकज के मोबाइल पर आया था। इसके तुरंत बाद उनका मोबाइल स्विच ऑफ हो गया। पंकज ने दोबारा मोबाइल खोला तो कुछ देर तक सब ठीक था, लेकिन फिर अचानक ही 5-5 लाख रुपए के दो ट्रांजेक्शन और बैंक खाते से 10 लाख रुपए ट्रांसफर हो गए। पंकज ने टोल फ्री नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराने के लिए दो बार कॉल किया, लेकिन कॉल रिसीव नहीं की गई। कोतवाल विजय मेहता ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर साइबर पुलिस को ट्रांसफर कर दिया गया है।

दीक्षांत स्कूल में विजेताओं को सम्मानित करते अतिथि।

विद्यार्थियों ने किया धनुरासन, गरुड़ासन का प्रदर्शन

हल्द्वानी, अमृत विचार : दीक्षांत इंटरनेशनल स्कूल में अंतर सदनीय योग प्रतियोगिता हुई। इसमें कक्षा 3 से 8 तक के चारों सदनों के विद्यार्थियों ने क्षमता का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता दो वर्गों में की गई जिसमें समूह प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों ने धनुरासन, चक्रासन, गरुड़ासन, पश्चिमोत्तासन, कर्णपीड़ासन सहित विभिन्न योगासनों का सुंदर प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रतिभागियों ने आत्मविश्वास, संतुलन और एकाग्रता का परिचय दिया। एकल योग प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने व्यक्तिगत रूप से विभिन्न योगासनों का प्रदर्शन किया। उनकी एकाग्रता, संतुलन और आत्मविश्वास ने सभी को प्रभावित किया। प्रतियोगिता में अग्नि सदन और वायु सदन को विजेता घोषित किया गया और प्रोमिसिंग प्लेयर के रूप में आदित्य पडियार और तेजस्विनी मेहरा, बेस्ट योगी के लिए अर्णव पांडे और तविशा कड़ाकोटी को विजेता घोषित किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य रूपक पांडे ने कहा कि निरंतर योग के अभ्यास से न केवल शरीर स्वस्थ रहता है, बल्कि इससे मन भी शांत और एकाग्र रहता है। निर्णायक मंडल के रूप में उमंग योगा स्टूडियो के फाउंडर और राष्ट्रीय स्तर के योगासन निर्णायक नवीन सिंह बोरा रहे।

ऊंचापुल उतरैणी मेले में होंगे कई कार्यक्रम

हल्द्वानी : ऊंचापुल उतरैणी कौतिक की तैयारियों को लेकर रविवार को रामलीला मैदान ऊंचापुल में बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता संरक्षक गोपाल सिंह ने की। इस दौरान यह तय किया गया कि मेले में स्थानीय कलाकारों को मंच दिया जाएगा और सारे कार्यक्रम स्थानीय भाषा में ही किए जाएंगे।

प्रतिदिन खेल प्रतियोगिताएं और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। राम दरबार पर्वतीय सांस्कृतिक मंच के कोषाध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने बताया कि मेले में विभिन्न स्टॉल, झूले, स्थानीय उत्पाद भी रहेंगे। मेला 8 जनवरी से 13 जनवरी तक आयोजित किया जाएगा। इस मौके पर अध्यक्ष हरीश चंद्र कोठारी, सचिव शंकर दत्त कांडपाल, कोषाध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी आदि रहे।

इलेक्ट्रिकल एसो. का वार्षिकोत्सव मनाया

इलेक्ट्रिकल एसोसिएशन के वार्षिकोत्सव में मौजूद मेयर गजराज बिष्ट व अन्य।

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : हल्द्वानी इलेक्ट्रिकल एसोसिएशन का वार्षिकोत्सव नहर कवरिंग रोड स्थित एक बैंक्वेट हॉल में संपन्न हुआ। इसका शुभारंभ मुख्य अतिथि मेयर गजराज बिष्ट ने किया। उन्होंने एसोसिएशन की वर्ष 2026 की डायरी का विमोचन किया गया। इस अवसर त्रिवार्षिक चुनाव हुआ जिसमें सर्व सम्मति से गोविंद सिंह भाकुनी को अध्यक्ष, दीपक मेलकानी को सचिव चुना गया।

आशाओं ने उठाई समान मानदेय देने की मांग, नये श्रम कोड का विरोध

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: एक्टू से संबद्ध उत्तराखंड आशा हेल्थ वर्कर्स यूनियन की राज्य कमेटी की एक दिवसीय बैठक नगर निगम सभागार में हुई। आशाओं ने एक समान मानेदय की बात की।

मुख्य वक्ता स्कीम वर्कर्स फेडरेशन की राष्ट्रीय महासचिव और बिहार राज्य विधानपरिषद की एमएलसी शशि यादव ने कहा कि केंद्र सरकार महिलाओं को सशक्त बनाने की झूठी बात करती है। स्वास्थ्य विभाग की रीढ़ मानी जाने वाली आशाओं को देश में एक मानदेय तक नहीं दे रही हैं। जब काम एक है तो मानदेय एक क्यों नहीं है। कहा कि, नए चार श्रम कोड से आशाओं पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। एक्टू के प्रदेश महामंत्री केके बोरा ने कहा कि, लेबर कोड के खिलाफ राष्ट्रीय हड़ताल 12 फरवरी को होगी जिसमें पूरे देश के मजदूर वर्ग के साथ पूरे देश की महिला कामगार आशायें और अन्य स्कीम वर्कर्स भी शामिल होंगी। मीटिंग की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष कमला कुंजवाल ने की और संचालन प्रदेश महामंत्री डॉ. कैलाश पांडेय ने किया। इस दौरान रीता कश्यप, मीना आर्य, ममता पानू, रिंकी जोशी, अनीता अन्ना, ज्योति उपाध्याय, ममता आदि रहे।

उत्तराखंड आशा हेल्थ वर्कर्स के कार्यक्रम के दौरान मौजूद लोग। ● अमृत विचार

अमृत विचार

हल्द्वानी , सोमवार, 29 दिसंबर 2025

रुद्रपुर

माता गुर्जर कौर व साहिबजादों की शहादत को किया याद

बाजपुर में गुरुद्वारा साहिब में आयोजित समागम में पंथ प्रचारकों ने शहीदों की शौर्यगाथा का विस्तार से वर्णन कर संगत को भावुक कर दिया

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी एवं गुरु नानक सेवक दल के सहयोग से माता गुर्जर कौर एवं साहिबजादों की शहादत की स्मृति में गुरुद्वारा साहिब बाजपुर में श्रद्धापूर्ण समागम का आयोजन किया गया। समागम में पंथ प्रचारकों ने शहीदों की शौर्यगाथा का विस्तार से वर्णन कर संगत को भावुक कर दिया।

समागम में पंजाब से आए कथावाचक ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने प्रवचन के दौरान कहा कि आज हमारे सिरों पर जो ताज सजा है और जो हमारी पहचान बनी है, वह श्री गुरु गोविंद सिंह जी महाराज के महान बलिदान का परिणाम है। उन्होंने अपना सर्वस्व न्यौछावर कर हमें सिंह बनाया। उनका कोई सानी न हुआ है और न ही कभी हो पाएगा। उन्होंने कहा, यह देश देश न हुंदा, जे दशमेश पिता न हुंदा। भाई हरप्रीत सिंह ने कहा कि गुरु घर आकर संगत करना कोई साधारण बात नहीं है। श्री गुरु रामदास जी महाराज फरमाते हैं जिन सतगुरु प्यारा देखिया, तिन कउ हो वारी। अर्थात गुरु घर आने वाला प्रत्येक व्यक्ति प्रिय होता है। उन्होंने माता गुर्जर कौर एवं साहिबजादों के जीवन पर भी विस्तार से प्रकाश डाला।

कथा करते हुए भाई इकबाल सिंह ने कहा कि जो कौम अपने इतिहास की रक्षा नहीं करती, वह जीवित नहीं रह सकती। सिख कौम ने हर कदम पर अपने खून का बलिदान दिया है और इतिहास इसका साक्षी है। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को यह बताना अत्यंत आवश्यक है कि गुरु साहिब के फरजंदों ने धर्म की रक्षा के लिए कैसे अपने प्राण न्यौछावर किए। गुरु तेग बहादुर साहिब की शहादत से लेकर भाई मतीदास, भाई सतीदास और भाई दयाला जी के बलिदानों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इन शहादतों की स्मृति को पीढ़ियों तक जीवित रखना ही सच्ची श्रद्धांजलि है। समागम में भाई नवजोत सिंह के रागी जत्थे ने बचन के बलि शूरवीर, नानक सब जगत करे नमस्कार सहित कई गुरुवाणी शबदों का मधुर गायन कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। वहीं भाई तनवीर सिंह के रागी जत्थे ने भी कीर्तन के माध्यम से गुरुवाणी का यशगान किया। समागम का संचालन जगजीत सिंह बाजवा ने किया। इस अवसर पर गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष कुलविंदर सिंह किंदा, बाबा प्रताप सिंह, अजीत सिंह, जगतार सिंह बाजवा, हरजिंदर सिंह, अवतार सिंह सैनी, रंजीत सिंह मैनी, मंदीप सिंह, सरताज सिंह, हरदीप सिंह, प्रांशु मैनी, जितेंद्र अरोड़ा, हरदयाल सिंह, कमलजीत सिंह, तरुण खन्ना, सीतल कौर, मनमीत कौर, सुखविंदर कौर, मंगा सिंह, गुरचरण सिंह, वीर सिंह, सतेंद्र पाल सिंह रहे।

बाजपुर स्थित गुरुद्वारा साहिब में भाई हरप्रीत सिंह का स्वागत करते गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष कुलविंदर सिंह किंदा।

नानकमत्ता में निकाले गए नगर कीर्तन में शामिल पंज प्यारे। ● अमृत विचार

नगर कीर्तन को लेकर मार्ग की सफाई की

बाजपुर : बाजपुर में आगामी पांच जनवरी 2026 को गुरुद्वारा साहिब बैतखेड़ी से कुमाऊं के सबसे बड़े नगर कीर्तन का आयोजन किया जाएगा। यह भव्य जत्था बन्नाखेड़ा, रेहंटा, विक्रमपुर और केशोवाला मार्ग से होते हुए दोपहर करीब तीन बजे गुरुद्वारा साहिब बाजपुर पहुंचेगा। नगर कीर्तन को सुरक्षित और व्यवस्थित रूप से निकालने के लिए गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने लगभग 15 किमी लंबे मार्ग की साफ-सफाई, समतलीकरण, झाड़ियां हटाने और पेड़ों एवं विद्युत खंभों की सजावट का कार्य किया। गुरुद्वारा सिंह सभा अध्यक्ष कुलविंदर सिंह किंदा ने बताया कि यह सेवा अभियान संगत के सहयोग से पिछले एक माह से लगातार चल रहा है। इधर, रविवार को गुरुद्वारा साहिब नानकसर ठाठ गजरौला के मुख्य सेवादार बाबा प्रताप सिंह की अगुवाई में ग्राम बन्नाखेड़ा में मार्ग की सफाई का विशेष अभियान चलाया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। कुलविंदर सिंह ने स्पष्ट किया कि नगर कीर्तन में युवाओं के बाइक या स्टंट की अनुमति नहीं होगी, ताकि धर्म और आस्था का संदेश सही बना रहे।

नानकमत्ता में गुरु गोविंद सिंह के प्रकाश पर्व पर भव्य नगर कीर्तन

नानकमत्ता : सिख धर्म के दसवें गुरु, दशमेश पिता श्री गुरु गोविंद सिंह के प्रकाश पर्व के अवसर पर रविवार को नानकमत्ता में श्रद्धा ऋऔर भक्ति के साथ भव्य नगर कीर्तन निकाला गया। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा इस पावन अवसर पर श्री हरमंदिर साहिब को विद्युत झालरों से आकर्षक रूप से सजाया गया। प्रात : गुरुद्वारा साहिब से गुरु ग्रंथ साहिब की पालकी अरदास के उपरांत पंच प्यारों की अगुवाई में जो बोले सो निहाल के उद्घोष के साथ नगर कीर्तन आरंभ हुआ। नगर कीर्तन में बड़ी संख्या में संगत ने सहभागिता की। डेरा कार सेवा द्वारा पंच प्यारों को सिरोपा भेंट कर सम्मानित किया गया तथा प्रसाद का वितरण किया गया। नगर कीर्तन बाजार के मुख्य मार्गों से होते हुए बिजली कॉलोनी तक गया, इसके पश्चात पुन : बाजार मार्ग से गुजरता हुआ गुरुद्वारा साहिब पहुंचकर संपन्न हुआ। नगर की संगत ने जगह-जगह स्वागत कर सिरोपा भेंट किए तथा फल, चाय, पकौड़े और कड़ा प्रसाद का वितरण किया। नगर कीर्तन में गुरु नानक इंटर कॉलेज, गुरु नानक बालिका इंटर कॉलेज, गुरु नानक महाविद्यालय एवं एकेडमी स्कूल के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। संगत सतनाम वाहे गुरु के जयकारे लगाती चल रही थी। कॉलेज की एनसीसी बैंड ने मधुर धुनें प्रस्तुत कीं, जबकि रणजीत सिंह अखाड़ा की गटका पार्टी ने अपने शौर्य कौशल का प्रदर्शन किया। महिलाएं गुरु ग्रंथ साहिब की पालकी के आगे मार्ग पर पानी का छिड़काव और झाड़ू लगाती हुई गुरु बाणी का पाठ करती चल रही थीं, जिससे संपूर्ण नगर का वातावरण भक्ति और श्रद्धा से सराबोर हो गया। सायंकाल नगर कीर्तन के समापन के पश्चात संगत ने लंगर का प्रसाद ग्रहण किया तथा सजे हुए धार्मिक दीवान में गुरु बाणी का रसपान किया। इस अवसर पर गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान सरदार जोगिंद्र सिंह, महासचिव अमरजीत सिंह बोपाराया, सचिव हरभजन सिंह, डायरेक्टर सुखबंत सिंह शोनी, गुरदयाल सिंह, गुरुद्वारा प्रबंधक रणजीत सिंह, दर्जा राज्य मंत्री राजपाल सिंह, पूर्व विधायक एवं अनुसूचित जनजाति के प्रदेशाध्यक्ष प्रेम सिंह राणा, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रेम सिंह टुरना सहित बड़ी संख्या में संगत उपस्थित रही।

सिटी ब्रीफ

सांसद अजय भट्ट आज जसपुर में

जसपुर : सांसद अजय भट्ट आज (सोमवार) जसपुर में भाजपाईयों से रूबरू होंगे। इसकी जानकारी मंडल महामंत्री रविमणी ने देते हुए बताया कि सोमवार को यानी आज सुशासन दिवस के मौके पर आयोजित विधानसभा सम्मेलन में सांसद अजय भट्ट शिरकत करेंगे। सम्मेलन सूत मिल के पास स्थित टीआरसी गेस्ट हाउस में दोपहर 12 बजे से शुरू होगा। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में सांसद रहेंगे। उन्होंने भाजपाईयों से समय से सम्मेलन में पहुंचने की अपील की है।

छावनी स्पोर्ट्स अकादमी ने जीता क्रिकेट मैच

काशीपुर : क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ ऊधम सिंह नगर की ओर से सीनियर जिला क्रिकेट लीग का आयोजन किया जा रहा है। रविवार को ब्राइट स्टार्ट क्रिकेट एकेडमी में छावनी स्पोर्ट्स अकादमी और शेमफोर्ड क्रिकेट अकादमी के मध्य मैच खेला गया। टॉस जीत कर छावनी स्पोर्ट्स अकादमी ने निर्धारित 40 ओवरों में 6 विकेट गंवाकर 287 रन बनाए। अनमोल ने 101 और यश यादव ने 42 रनों का योगदान दिया। सार्थक अग्रवाल ने दो विकेट लिए। शेमफोर्ड क्रिकेट अकादमी की टीम 241 रनों पर ढेर हो गई। निलय ने 74 और शेखर सैनी ने 55 रनों का योगदान दिया। लक्ष्य सती ने तीन और कार्तिक ने दो विकेट लिए।

प्रदेश अध्यक्ष अनिल गोयल का जसपुर में स्वागत

जसपुर : प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष एवं भाजपा वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल गोयल रविवार को जसपुर पहुंचे। यहां व्यापार मंडल ने प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत किया। इसके बाद प्रदेश अध्यक्ष के साथ व्यापार मंडल के पदाधिकारियों एवं व्यापारियों ने बैठक की। बैठक में व्यापार मंडल ने नगर में किए गए कार्य तथा आगामी कार्यों का ब्लूप्रिंट प्रदेश अध्यक्ष के समक्ष रखा तथा व्यापार मंडल के सामने आने वाली परेशानियों से उन्हें अवगत कराया। प्रदेश अध्यक्ष ने जसपुर में व्यापारियों को जीएसटी विभाग, इनकम टैक्स विभाग, सैंपल इंस्पेक्टर एवं अन्य विभागों से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। व्यापार मंडल प्रदेश सचिव निकेश चंद अग्रवाल, उद्योगपति संजय गोयल, जिला उपाध्यक्ष राजाराम राजपूत, तरुण बंसल, सतीश नरूला, अंकुर बंसल आदि रहे।

6.39 ग्राम स्मैक के साथ एक युवक को दबोचा

सितारगंज : पुलिस ने रात्रि गश्त के दौरान गांव देवनगर निवासी इंद्रजीत बढ़ई (25) को पुलिस ने गांव पिपलिया को जाने वाले कच्चे रोड से 6.39 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। पूछताछ में उसने बताया कि स्मैक पिपलिया निवासी जस्सू से15 हजार रुपए में खरीदी है। वह पहले भी इसी मामलें में जेल भी जा चुका है।

जसपुर में शहीदी दिवस एवं प्रकाश पर्व मनाया

संवाददाता, जसपुर

अमृत विचार: सिखों के दसवें गुरु श्री गोविंद सिंह जी का प्रकाश पर्व भी श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। रागी जत्थों ने संगत को गुरुवाणी के मनोहर कीर्तन से निहाल किया। ज्ञानी जी ने गुरु गोविंद सिंह जी के जीवन दर्शन और मानवता की रक्षा के लिए उनके बलिदानों पर प्रकाश डाला। जसपुर में साहिबजादों के शहीदी दिवस के अवसर पर लंगर सेवा का आयोजन किया गया। धर्मपुर चौराहे पर भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज पाल ने भाजपाइयों के साथ मिलकर दूध सेवा कार्यक्रम आयोजित कर शहीदी दिवस मनाया। मनप्रीत सिंह, विनीत चौहान, विमल सागर, नीरज, जितेंद्र चौधरी, गौतम गिरी रहे। विधायक आदेश सिंह चौहान अपने साथियों के साथ कलियांवाला और कल्याणपुर गुरुद्वारे में मत्था टेकने और लंगर में प्रसाद ग्रहण करने पहुंचे। पूर्व विधायक डॉ. शैलेंद्र मोहन सिंघल, खड़क सिंह, डॉ. एमपी सिंह, प्रेम सहोता, अमनप्रीत, सुरजीत ढिल्लो, मुख्तार सिंह, गुरताज भुल्लर, सनी पधान, तीरथ सिंह, बलदेव सिंह, रेशम सिंह, हरदीप आदि गुरुद्वारों में मत्था टेककर प्रार्थना की और लंगर में शामिल हुए।

कड़ाके की ठंड के बावजूद निकाली प्रभात फेरी

बाजपुर : सिख पंथ के दसवें गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह जी के प्रकाश पर्व पर प्रभातफेरी का आयोजन किया गया। रविवार सुबह गुरुद्वारा साहिब से प्रारंभ हुई फेरी में ठंड के बावजूद श्रद्धालु शामिल हुए। संगत मुख्य मार्ग से आलापुर में सरदार अमरीक सिंह और अजीत सिंह मनचंदा के निवास पर पहुंची, जहां कृष्णा कौर सहित अन्य ने भजन-कीर्तन प्रस्तुत किए। हेड ग्रंथी इकबाल सिंह ने अरदास कराई और संगत को जलपान कराया। कार्यक्रम में जितेंद्र अरोड़ा, रंजीत मैनी, तरुण खन्ना आदि भी उपस्थित रहे। गुरुद्वारा प्रबंधक बलविंदर सिंह ने बताया कि 29 दिसंबर से 4 जनवरी तक विभिन्न स्थानों पर प्रभातफेरी की सेवा जारी रहेगी।

विद्या पुष्प अकादमी में विज्ञान प्रदर्शनी आयोजित

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार: निकटवर्ती ग्राम पंतपुरा स्थित विद्या पुष्प अकादमी में वीर बाल शहीदी दिवस के अवसर पर विद्या देवी मेमोरियल स्पोर्ट्स मीट एवं विज्ञान प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के साथ-साथ छात्र-छात्राओं द्वारा आकर्षक विज्ञान प्रदर्शनी भी आयोजित की गई। प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागी छात्रों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ वीर साहिबजादों के महान बलिदान को श्रद्धापूर्वक स्मरण करने के साथ किया गया। सर्वप्रथम विद्यालय के बच्चों द्वारा गुरुवाणी के पावन शब्दों का भावपूर्ण गायन कर बाल शहीदों को श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। इस अवसर पर अतिथियों के रूप में पूर्व विधायक राजेश शुक्ला, ब्लॉक प्रमुख रीना गौतम, कृष्ण मर्चेंट एसोसिएशन इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य मुकेश अग्रवाल, सेंट मैरी स्कूल के प्रबंधक एम. रहमान अंसारी मौजूद रहे और उन्होंने छात्र-छात्राओं का उत्साह वर्धन किया। वक्ताओं ने वीर साहिबजादों के बलिदान को नमन करते हुए कहा कि उन्होंने धर्म और सत्य की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। जनता इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य मुकेश अग्रवाल ने कहा कि खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए महत्वपूर्ण है। विद्यालय की प्रबंधक आशा रानी और वीरेंद्र कुमार ने कहा कि खेल से जीवन में जीत की भावना जागृत होती है। अतिथियों ने विज्ञान प्रदर्शनी का निरीक्षण कर बच्चों द्वारा बनाए गए विभिन्न प्रयोगात्मक मॉडल की सराहना की और उनके उत्साह को बढ़ाया। प्रतियोगिताओं में विजयी प्रतिभागी बच्चों को अतिथियों ने स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। अंकित पांडे, विद्यालय समिति के सदस्य देवांग कुमार, प्रमोद कुमार, एम. रहमान अंसारी, सिमरन राजपूत, कविता जायसवाल, शीला गौतम, गुरजीत कौर, रुबीना रहे।

किच्छा में कार्यक्रम प्रस्तुत करती छात्राएं। ● अमृत विचार

भागवत कथा से पूर्व बाइक रैली निकालते भागवत प्रेमी। ● अमृत विचार

भागवत कथा से पूर्व निकली बाइक रैली

शक्तिफार्म : संगीतमय श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ से पूर्व, पूरे क्षेत्र में जागरूकता बाइक रैली निकाली गई। इस दौरान राधे-राधे के जय घोष से पूरा क्षेत्र गुंजायमान हो उठा। आगामी 2 जनवरी से नगर के राधे-राधे मंदिर में कथा व्यास परम पूज्य श्री श्री रविनंदन शास्त्री जी के मुख मंडल से संगीतमय श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ आरंभ होगा। इससे पूर्व, भागवत कमेटी द्वारा पूरे क्षेत्र में जागरूकता बाइक रैली निकाली गई। रैली नगर के राधे-राधे मंदिर से आरंभ होकर पूरे क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्रों में होती हुई पुन : राधे-राधे मंदिर में समाप्त हुई। आयोजन कमेटी अध्यक्ष रितु सुदन मंडल ने क्षेत्रवासियों से वृहद धार्मिक आयोजन के दौरान आपसी सौहार्द बनाए रखने की अपील की। इस अवसर पर आयोजन समिति अध्यक्ष रिपु सुदन मंडल, नगर पंचायत अध्यक्ष सुमित मंडल, अजीत हालदार, गोविंद पोखरिया, गोविंद सरकार, हर विलास विश्वास, अमित विश्वास, प्रकाश सरकार, सुनील विश्वास, विपिन डालमिया, किशन शर्मा, सुमिरन रहे।

काली पूजा कमेटी के विधान अध्यक्ष, भजन सचिव बने

संवाददाता, शक्तिफार्म

अमृत विचार: ग्राम सभा देव नगर में आयोजित होने वाले काली पूजा महोत्सव के सफल आयोजन के लिए कमेटी का गठन किया गया। जिसमें विधान हालदार अध्यक्ष व भजन मंडल सचिव मनोनीत किए गए।

ग्राम सभा देव नगर में हुई बैठक में आगामी काली पूजा महोत्सव के बाबत व्यापक रूप से विचार विमर्श करने के पश्चात, सफल आयोजन के लिए कमेटी का गठन किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से विधान हालदार अध्यक्ष, अमीर दास एवं सुकृत मालाकार उपाध्यक्ष, भजन मंडल सचिव, नंदकुमार मिस्त्री एवं सुब्रत मंडल उपसचिव, मुकेश मंडल कोषाध्यक्ष, समित सरकार एवं मुन्ना जीत मंडल उपकोषाध्यक्ष, दीपांकर राय मंडपी, सुनील सरकार उद्घोषक एवं शंकर गोलदार ऑडिटर मनोनीत किए गए। ग्राम प्रधान प्रकाश राय, विधान सरकार, नारायण सरदार, बनकेश सरदार, विक्रमजीत भंडार, तपन सरकार, संबल सरकार, निर्मल मंडल, विश्वदेव मंडल, विष्णुपद प्रमाणिक, विकास हालदार, अजीत हालदार एवं काली शंकर सरदार को संरक्षक बनाया गया।

खटीमा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात सुनते भाजपाई। ● अमृत विचार

भाजपा कार्यकर्ताओं ने सुनी प्रधानमंत्री के मन की बात

खटीमा : भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात के 129 वें एपिसोड को सुना। बता दें किक्र मन की बात का वर्ष 2025 का अंतिम एपिसोड है। आज के एपिसोड में नरेंद्र मोदी ने देश की प्राचीन परंपराएं और हस्तशिल्प पर प्रकाश डालते आधुनिक भारत की विश्व में हिंदी, संस्कृत एवं तमिल आदि भारतीय भाषाओं के बढ़ती हुए महत्व की जानकारी दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सौर ऊर्जा को अपने दैनिक जीवन में अपनाने का भी आह्वान किया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी, पूर्व नगर मंडल महामंत्री मनोज वाधवा, किशन बिष्ट, एससी मोर्चा के अध्यक्ष नवल वाल्मीकि, संतोष अग्रवाल, कमल चौहान, अजहर सिद्दीकी, शुभम पटवा, अर्पित कॉलोनी, तरुण तिवारी, करण यादव, पूर्व जिला महामंत्री सतीश गोयल रहे। वहीं जसपुर में भी प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात सुनी गई। भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य खड़क सिंह चौहान ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठकर मन की बात कार्यक्रम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुना। खड़क सिंह चौहान, सुरेंद्र सिंह, दीपक, ललित, उमेश, पंकज चौहान आदि उपस्थित रहे।

विदेशों में शिक्षा प्राप्ति के लिए किया जागरूक

संवाददाता, नानकमत्ता

अमृत विचार: विदेशों में शिक्षा प्राप्त करने और व्यवसाय के क्षेत्र में

प्रेम सिंह राणा।

सफलता हासिल करने के इच्छुक छात्र-छात्राओं एवं उद्यमियों को सही मार्गदर्शन देने के उद्देश्य से वर्ल्ड कनेक्ट एजुकेशन ट्रैवल द्वारा एक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। वर्ल्ड कनेक्ट एजुकेशन ट्रैवल के संयोजक अजय कुमार ने अपने सहयोगियों के साथ नगर के एक पैलेस में शिविर का आयोजन किया। शिविर का उद्देश्य विदेश शिक्षा और व्यवसाय के नाम पर होने वाले फर्जीवाड़े से लोगों को बचाना था। कार्यक्रम में सैकड़ों छात्र-छात्राओं और व्यवसायियों ने भाग लिया। इस दौरान विदेशों में हो रही शिक्षा और व्यवसाय की संभावनाओं पर विशेषज्ञों ने जानकारी दी और प्रतिभागियों ने भी अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम में पूर्व विधायक प्रेम सिंह राणा और दर्जा राज्यमंत्री राजपाल सिंह ने कहा कि विदेश शिक्षा और व्यवसाय को लेकर इस तरह का शिविर जिले में पहली बार आयोजित किया गया है। नगर पंचायत अध्यक्ष प्रेम सिंह टुरन, ज्ञानेन्द्र तिवारी, वरुणा अग्रवाल, मनोज गर्ग, मुकुल मेहता, अमनदीप कौर, सिमरन, बलविंदर रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते भाजपा जिलाध्यक्ष कमल जिंदल। ● अमृत विचार

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को किया गया याद

शक्तिफार्म : भाजपा मंडल द्वारा भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म जयंती के अवसर पर विधानसभा स्तर पर अटल स्मृति सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष कमल जिंदल उपस्थित रहे। वहीं मुख्य वक्ता के रूप में अनिल चौहान एवं हिमांशु बिष्ट ने कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा मंडल अध्यक्ष गोविंद तालुकदार ने की। कार्यक्रम के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई के जीवन, व्यक्तित्व और कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष सितारगंज मुकेश सनवाल, मंडल अध्यक्ष बरा रमेश बाबा, जिला उपाध्यक्ष शिखा हालदार, कृष्ण पद मंडल, विधान सरकार, विष्णु प्रमाणिक, जगदीश डालमिया, मयंक अग्रवाल, रविंद्र विश्वास, रमेश राय, संजय बाछाड़, तारक मंडल, प्रकाश राय, माखन मंडल, विपुल विश्वास, मनोज सरकार, राघव सिंह, प्रभाकर राय, मीना मजूमदार, सरस्वती बाला सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एनएसएस शिविर में हुए रंगारंग कार्यक्रम

संवाददाता, शांतिपुरी

अमृत विचार: शांतिपुरी नंबर एक पंचायत भवन परिसर में राजकीय इंटर कॉलेज शांतिपुरी द्वारा आयोजित सात दिवसीय एनएसएस शिविर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ संपन्न हुआ। समापन समारोह के मुख्य अतिथि, जिला पंचायत सदस्य प्रेम प्रकाश आर्या ने शिविर के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वयंसेवकों एवं विषम परिस्थितियों में शिविर को सफलता पूर्वक संचालित करने वाली शिविर प्रभारी प्रियंका पवार को पारितोषिक व प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया।उन्होंने एनएसएस स्वयंसेवकों से एनएसएस के उद्देश्यों को अपने जीवन में उतार कर समाज एवं राष्ट्रहित में कार्य करने की अपील की। पूर्व जिला पंचायत सदस्य विनोद कोरंगा, पूर्व मंडी अध्यक्ष दिग्विजय खाती, क्षेत्र पंचायत सदस्य सरोजनी सोनू कार्की एवं कुंदन सिंह दानू ने स्वयंसेवकों को उनके सराहनीय योगदान के लिए पारितोषिक देकर प्रोत्साहित किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. बी.सी. भट्ट एवं पीटीए अध्यक्ष मोहन सिंह कोरंगा ने अतिथियों का स्वागत किया और उन्हें बैज लगाकर सम्मानित किया। स्वयंसेवकों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों से उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। ग्राम प्रधान कविता तिवारी, प्रधान तारा पांडे, मोहन पांडे, बिशन सिंह कोरंगा, कैप्टन देवेंद्र सिंह कोरंगा (से०नि०), जगदीश कांडपाल, प्रवक्ता फकीर चंद, एन.पी. सिंह, चंदन सिंह नेगी, नारायण कोरंगा, बिशन सिंह रहे।

एनएसएस शिविर के समापन पर मुख्य अतिथि को सम्मानित करते प्रधानाचार्य एवं स्टाफ।

अलक्ष्या में वार्षिक खेल समारोह शुरू

खटीमा: अलक्ष्या पब्लिक स्कूल में वार्षिक क्रीड़ा समारोह का भव्य शुभारंभ प्राकृतिक सौंदर्य से आच्छादित भट्टा के खेल मैदान में किया गया। भत्ता के मैदान में आयोजित समारोह का शुभारंभ उपाध्यक्षा जया गोस्वामी, सह प्रबंध निदेशक प्राजेश गोस्वामी, प्रबंधक विनोद बोहरा, प्रधानाचार्य अजय बोहरा, उप-प्रधानाचार्य विनोद चंद ने संयुक्त रूप से किया। प्राथमिक वर्ग की पहली और दूसरी कक्षा के बच्चों के लिए 50 मीटर, 100 मीटर दौड़, बनाना रेस, जलेबी दौड़ तथा सैक रेस का आयोजन किया गया। वहीं तीन से पांच कक्षा के बच्चों के लिए सौ मीटर, दो सौ मीटर दौड़ और जलेबी दौड़ हुई। क्रीड़ा प्रभारी संदीप कुशवाहा, दीपक भट्ट, जगदीश सावंत, सीमा भट्ट, निशा चंद, पवनेश किरण, संगीता, गीतांजलि रहे।

खटीमा के डायनेस्टी मॉर्डन गुरुकुल एकेडमी के चयनित विद्यार्थियों के साथ प्रबंधन।

गणतंत्र दिवस परेड में शिरकत करेंगी अदिति व मनीषा

खटीमा : डायनेस्टी मॉर्डन गुरुकुल एकेडमी छिनकी फॉर्म खटीमा व 78 यूके बटालियन की दो एनसीसी कैडेटों मनीषा उपाध्याय व अदिति थाल का चयन आगामी 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित की जाने वाली परेड के लिए हुआ है। एनसीसी के छात्र हर्ष पालीवाल का चयन विशेष राष्ट्रीय एकता शिविर के लिए हुआ है जो दिल्ली में उत्तराखंड राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रबंध निदेशक धीरेंद्र चंद्र भट्ट ने कहा कि सीमांत क्षेत्र से विद्यालय के छात्र -छात्राओं का गणतंत्र दिवस की राष्ट्रीय परेड में चयनित होना और उत्तराखंड से राष्ट्रीय एकता शिविर हेतु छात्र का चयनित होना विद्यालय और क्षेत्र गौरवान्वित किया है। बच्चों के चयनित होने पर डायरेक्टर प्रेमा भट्ट, प्रधानाचार्य चंद्रकांत पनेरु, प्रशासनिक अधिकारी मनीष चंद, एकेडमिक डायरेक्टर श्री विक्टर आइवन, हरीश भट्ट, सुरेश ओली, लेफ्टिनेंट दिगंबर भट्ट, सेकंड ऑफिसर कविता सामंत, महेश कलौनी, भरत बिष्ट, ऊषा भट्ट, ऊषा चौंसाली, लिंसी त्यागी, शिल्पा सक्सेना, हेमलता बोरा, मंजू चंद, सविता रावत आदि ने बधाई दी है।

ब्रीफ न्यूज

मारपीट की अलग-अलग घटनाओं में पांच घायल

बाजपुर : मारपीट की अलग-अलग घटनाओं में पांच लोग घायल हो गए। सभी घायलों को उप जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। पहली घटना शनिवार देर सायं ग्राम महेशपुरा की है। यहां 35 वर्षीय दुलारी पत्नी नरेश का किसी बात को लेकर पड़ोसियों से विवाद हो गया। देखते ही देखते कहासुनी मारपीट में बदल गई, जिसमें दुलारी घायल हो गईं। दूसरी घटना ग्राम बन्नाखेड़ा में शनिवार देर रात हुई। यहां दो पक्षों के बीच हुई कहासुनी इतना बढ़ गई कि मामला मारपीट में बदल गया, जिसमें एक पक्ष के दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान बन्नाखेड़ा निवासी 23 वर्षीय वीरपाल पुत्र रामरतन और 18 वर्षीय अमित पुत्र रामरतन के रूप में हुई। तीसरी घटना रविवार सुबह की है। बैतखड़ी निवासी 15 वर्षीय योगेश पुत्र किशन किसी विवाद में घायल हो गया।

युवती से छेड़छाड़, कैंची से प्रहार कर किया लहूलुहान

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: बाजार चौकी इलाके में एक युवती से छेड़छाड़ करने और दोस्ती करने के लिए दबाव बनाने का मामला सामने आया है। युवती के इंकार करने पर आरोपी ने हाथापाई कर कैंची से सिर पर प्रहार कर लहूलुहान कर दिया। जिसको लेकर शनिवार की देर रात्रि हिन्दूवादी संगठनों ने चौकी में हंगामा काटा। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गांव देवरिया थाना किच्छा निवासी महिला ने बताया कि उसकी बेटी मुख्य बाजार स्थित दुकान में नौकरी करती है। दुकान के पड़ोस में एक कॉस्मेटिक की दुकान है। खान सर नाम का दुकान मालिक रामपुर से रुद्रपुर व्यापार करने आता है। शिकायतकर्ता ने बताया कि दुकान पर काम करने वाली युवती बार-बार बेटी के मोबाइल पर अश्लील संदेश भेजती है। विरोध करने पर कॉस्टेमिक दुकान स्वामी खान सर, नेहा व तीन युवकों ने उसकी बेटी के साथ छेड़छाड़ व हाथापाई की। नेहा ने बेटी के सिर पर कैंची से प्रहार कर दिया। जिससे वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर गई। शोर शराबा होने पर हमलावर भाग गए। सूचना मिलते ही हिंदूवादी नेता सुल्तान सिंह शनिवार की देर रात्रि बाजार चौकी पहुंचे और कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को लेकर उठाई आवाज, बांग्लादेश के दो हिस्से करने का उठाया मुद्दा

भड़के बंगाली समुदाय ने फूंका बांग्लादेश के पीएम का पुतला

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: बांग्लादेश में सांप्रदायिक दंगे में मारे गए शुभु दास के बाद आक्रोश भड़कता जा रहा है। जिस को लेकर बंगाली कल्याण समिति के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप अधिकारी ने समुदाय के साथ डीडी चौक पर बांग्लादेश के पीएम के खिलाफ नारेबाजी की और पुतला दहन कर आक्रोश जताया। उन्होंने बांग्लादेश को दो हिस्सों में बांटने का मुद्दा उठाया। आगाह किया कि यदि जल्द ही सांप्रदायिक तनाव पर नियंत्रण और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई। तो उग्र आंदोलन होगा।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि बांग्लादेश में मो. युनुस की सरकार है और वर्ष 1971 में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा पाकिस्तान के दो हिस्सों में करके बांग्लादेश बनाया था। लेकिन वर्तमान में बांग्लादेश सांप्रदायिक देश बनाया गया। जिसके बाद बंगाली हिंदुओं पर अत्याचार और हत्या जैसी घटनाएं हो रही है और युनुस सरकार मौन धारण किए हुए है। इससे साफ है कि बांग्लादेश सरकार जानबूझकर हिंदुओं पर अत्याचार कर रही है। जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे में बांग्लादेश के दो हिस्से करना ही बेहतर होगा। ताकि हि दू समाज शांतिपूर्वक अपना जीवन यापन कर सकता है। उन्होंने आगाह किया कि यदि उनकी मांग पर गौर नहीं हुआ। तो उग्र आंदोलन होगा। इस मौके पर चंद्रशेखर गांगुली, अर्जुन विश्वास, गोविंद राय, मानवेंद्र राय, मुकेश मंडल, राजू मलिक, नव कुमार साना, जगदीश कर्मकार, शुभम दास, शुभम स्वर्णकार, विश्वजीत मंडल, समीर राय, सुभाष व्यापारी, काजल राय, नारायण महाजन, सत्यजीत सरकार व तप विश्वास आदि मौजूद रहे।

बांग्लादेश सरकार का पुतला दहन करते बंगाली समुदाय के लोग। ● अमृत विचार

सिमरन की पुश्तैनी जमीन पर कश्मीर सिंह कर रहा था खेती

न्यायालय का निर्णय आने के बाद ठनी दुश्मनी, फिर लिखी गई खूनी खेल की पटकथा

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: फाजलपुर महरौला स्थित पांच एकड़ भूमि ही खूनी संघर्ष की असली वजह बनी। हालांकि किसी ने यह नहीं सोचा था कि अदालत का फैसला आने के बाद कब्जे को लेकर इतनी बड़ी हिंसक वारदात हो जाएगी। रविवार सुबह उसी विवाद ने खून-खराबे का रूप ले लिया।

कार्तिक (फाइल)।

पिछले कई वर्षों से उक्त पांच एकड़ भूमि पर कश्मीर सिंह खेती कर रहा था। इसी दौरान बिगवाड़ा गांव निवासी सिमरन सिंह को पता चला कि जिस भूमि पर खेती की जा रही है, वह उसकी पुश्तैनी जमीन है। यह भूमि सिमरन के दादा और परदादा के नाम दर्ज थी। पिता के निधन के बाद सिमरन ने जब जमीन पर अपना हक जताया तो कश्मीर सिंह और सिमरन के बीच विवाद शुरू हो गया। मामला न्यायालय पहुंचा और करीब दो वर्षों तक मुकदमा चला। कुछ दिन पहले ही अदालत ने भूमि का फैसला सिमरन सिंह के पक्ष में सुनाया। आरोप है कि इसके बाद कश्मीर सिंह ने खूनी संघर्ष की तैयारी कर ली, वहीं सिमरन सिंह भी बंदूकों के बल पर कब्जा करने की मंशा से मौके पर पहुंचा। चश्मदीदों के अनुसार, जब सिमरन सिंह ट्रैक्टर-ट्रॉली और मजदूरों को लेकर जुताई के लिए पहुंचा, उस समय उसके साथ कुछ लोग थे, जिनके पास तीन से चार राइफलें थीं। जैसे ही जुताई शुरू हुई, तभी कुछ दूरी पर स्थित कश्मीर सिंह के आवास से 40 से 50 बाहरी लोग निकल आए, जिनके हाथों में करीब 30 से 35 राइफल और पिस्टल थीं। इसके बाद कश्मीर पक्ष की ओर से फायरिंग शुरू हो गई, जिसके जवाब में सिमरन पक्ष ने भी गोलीबारी की। करीब आधे घंटे तक चली गोलीबारी में जहां ट्रैक्टर चालक के पैर में गोली लगने की चर्चा है, वहीं बिहार के नरकटियागंज निवासी मजदूर कार्तिक की मौत की पुष्टि हो चुकी है। पुलिस ने दोनों पक्षों के हमलावरों को चिह्नित करना शुरू कर दिया है।

फाजलपुर महरौला स्थित विवादित भूखंड। ● अमृत विचार

साक्ष्य जुटाती फॉरेंसिक टीम। ● अमृत विचार

घटनास्थल पर पड़े गोली के खाली खोखे।

सड़कों पर बिखरे खोखे, टूटे कई कारों के शीशे

रुद्रपुर : रविवार सुबह हुई गोलीबारी की भयावहता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि फाजलपुर महरौला के घटनास्थल और आसपास की सड़क पर जगह-जगह पिस्टल और 315 बोर राइफल के खाली खोखे पड़े मिले। वहां खड़ी कारों के अलावा आसपास के कई वाहनों और मकानों की खिड़कियों व दरवाजों पर गोलियों के निशान मिले हैं। लोगों ने अपने घरों के दरवाजे बंद कर लिए। जमीन पर पड़े खून के धब्बे और बिखरे खोखे भीषण गोलीबारी की गवाही दे रहे थे।

आखिर सिमरन ने क्यों तोड़े कायदे-कानून

रुद्रपुर : चर्चा यह भी है कि जब अदालत का फैसला सिमरन सिंह के पक्ष में आ चुका था, तो उसने कानून का सहारा क्यों नहीं लिया। नियमानुसार उसे कोतवाली पुलिस को आदेश दिखाकर पुलिस बल के साथ भूमि पर कब्जा लेने की कार्रवाई करनी चाहिए थी। इसके बजाय सिमरन स्वयं हथियारबंद साथियों को लेकर मौके पर पहुंच गया, जिससे हालात बिगड़ गए और गोलीबारी की घटना हो गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि पुलिस साथ होती तो शायद इतनी बड़ी वारदात टाली जा सकती थी।

चार दिन पहले ही अपने मुंह बोले मामा के घर आया था कार्तिक

- गोवा में करता था काम, बिहार का था रहने वाला, नैनीताल आया था घूमने

संवाददाता,रुद्रपुर

अमृत विचार: बाहुबलियों के वर्चस्व का शिकार बने नरकटिया बिहार निवासी 28 वर्षीय कार्तिक को यह नहीं इल्म था कि नैनीताल घूमने की उसकी इच्छा अधूरी रह जाएगी और वह बाहुबलियों की गोली का शिकार हो जाएगा। कार्तिक के रुद्रपुर आने की कहानी को खुद उसके मुंहबोले मामा ने बताई।

सूरज कुमार।

रविवार की घटना को बयां करते हुए फाजलपुर महरौला निवासी सूरज कुमार ने बताया कि 28 वर्षीय कार्तिक उसका मुंहबोला भांजा है और नरकटिया बिहार से 70 किमी दूर उसका गांव है। बताया कि चार दिन पहले ही कार्तिक नैनीताल घूमने के उद्देश्य से रुद्रपुर घर आया था, जबकि वह गोवा में काम करता है। रविवार की सुबह जिस वक्त सिमरन सिंह किच्छा हाईवे स्थित श्रमिक अड्डे पहुंचा। तो उस वक्त कार्तिक भी साथ खड़ा था और जब उसे पता चला कि फाजलपुर महरौला स्थित भूखंड पर खंभे लगाने है और दिहाड़ी के तौर पर 550 रुपये मिलेगे। वह मुंहबोले मामा से दिहाड़ी पर जाने की जिद करने लगा। बताया कि कार्तिक के पास पैसे खत्म हो चुके थे और उसकी इच्छा थी कि कुछ पैसा कमाकर एक बार नैनीताल जरूर घूमना है। उसी उद्देश्य से वह मजदूरी करने चला गया था, लेकिन किसी को यह नहीं पता था कि रविवार की सुबह कार्तिक का आखिरी दिन होगा और उसकी नैनीताल घूमने की इच्छा भी अधूरी रह जाएगी।

गोलियों की बौछार के बीच निकाल ले गया सूरज

रुद्रपुर : खौफनाक वारदात को बयां करते हुए मजदूर सूरज कुमार ने बताया कि जिस वक्त विवादित जमीन यानी मटर खेती की जमीन पर 20 से 25 मजदूर एक साथ घुसे। तो वह खेत में खंभे लगाने की तैयारी करने लगे और ट्रैक्टर जुताई शुरू कर देता है कि अचानक कश्मीर पक्ष की ओर से बडी संख्या में गोलियों की बौछार होने लगी और गोलियां कार, ट्रैक्टर और मकान में जा लगीं। तभी कार्तिक के चीखने की आवाज आई कि मामा गोली लग गई। गोलियों की तड़तड़ाहट सुनकर सभी मजदूर भागने लगे और वह जमीन पर लेटकर कुछ ही दूर पडे.कार्तिक के पास गया और उसे घसीटते हुए खेत से बाहर लाया। यहां से उसे गाड़ी में डालकर सीधे जिला अस्पताल पहुंचा, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूरज बार-बार यह कहकर भावुक हो जाता है कि अब वह कार्तिक के माता-पिता को क्या जवाब देगा।

मजदूरों को नहीं थी विवाद की कोई जानकारी

रुद्रपुर : रविवार की सुबह भीषण गोलीबारी की घटना हो सकती है। इसकी जानकारी खुद मजदूरों को नहीं थी। सूरज कुमार ने बताया कि रविवार की सुबह सिमरन सिंह खुद गाड़ी से लेबर अड्डा आया था और बताया कि फाजलपुर महरौला स्थित मटर की जमीन पर जुताई और खंभे लगाने का काम होगा। जिस के लिए 20 से 25 मजदूरों की आवश्यकता पडेगी। 550 रुपये की दिहाड़ी तय होने के बाद खुद सिमरन ही ट्रैक्टर-ट्राली में मजदूरों को भरकर भूखंड पर ले गया और जैसे ही कार्य शुरू किया। वैसे ही गोलीबारी हो गई। बताया कि यदि मजदूरों को विवादित भूखंड या फिर गोलीबारी की जरा सी भी जानकारी होती है। तो कोई भी मजदूर काम पर नहीं जाता और शायद आज कार्तिक जिंदा होता ,लेकिन दिहाड़ी के लालच में 20 से 25 मजदूर काम पर गए। गनीमत यह रही कि जिस प्रकार भीषण गोलीबारी हो रही थी। उसकी चपेट में और मजदूर नहीं आए। वरना कई मजदूरों की जान भी जा सकती थी।

मामले की जांच के लिए टीमों का गठन

रुद्रपुर: गोलीबारी मामले में पुलिस की प्रारंभिक तफ्तीश में यह बात सामने आई है कि कोर्ट का आदेश आने के बाद सिमरनजीत सबसे पहले हथियारबंद साथियों के साथ घटनास्थल पहुंचा था और कश्मीर सिंह के परिवार वालों ने जुताई रोकने की कोशिश की। तो सबसे पहले सिमरनजीत ने ही गोलीबारी शुरू की। जवाबी कार्रवाई में बिहार निवासी मजदूर की मौत हुई है।

एसएसपी कार्यालय से दी गई जानकारी के अनुसार प्रारंभिक तफ्तीश में यह पता चला है कि रविवार की सुबह पौने दस बजे सूचना मिलती है कि जमीन विवाद में दोनों पक्षों में गोलीबारी की वारदात हुई है। जिसकी सूचना मिलते ही कोतवाल मय फोर्स के मौके पहुंची। तो पता चलता है कि कश्मीर सिंह व सिमरनजीत सिंह का पुराना भूमि विवाद था। सुबह सिमरनजीत सिंह वाहनों में 25 से 30 हथियारबंद साथियों के साथ मौके पर आया और मजदूरों को विवादित जमीन की तारबाड़ कराने का आदेश दिया। तभी कश्मीर सिंह का परिवार वहां पहुंचा और कब्जा करने से रोका, लेकिन सिमरनजीत सिंह ने हवाई फायरिंग शुरू कर दी। जिस पर कश्मीर सिंह की तरफ से भी गोलीबारी हुई और इसी गोलीबारी में कार्तिक पोतदार निवासी विरंची मानपुर पश्चिम चंपारण बिहार की गोली लगने से मौत हो गई। एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने बताया कि वारदात के खुलासे के लिए चार टीमों का गठन कर दिया है, दबिश दी जा रही है।

इनामी बदमाश विवेक गिरफ्तार

संवाददाता, रुद्रपुर/गदरपुर

अमृत विचार:-पिछले सात माह से फरार चल रहे दस हजार के इनामी बदमाश को गदरपुर पुलिस ने पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार कर लिया है। मई माह में अभियुक्त के खिलाफ पॉक्सो और अपहरण का मुकदमा दर्ज था और गिरफ्तारी से बचने के लिए अभियुक्त नाम व वेश बदलकर रह रहा था। पुलिस ने अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने बताया कि 19 मई 2025 को थाना गदरपुर के रहने वाले एक व्यक्ति ने मुकदमा दर्ज करवाते हुए बताया था कि उसकी नाबालिग बेटी का अपहरण कर दुष्कर्म किया गया है। जिसमें गांव पिपलिया एक गदरपुर में मुकदमा दर्ज हुआ और पुलिस ने हाल निवासी रामपुर हेलवारा सरायरसी अयोध्या निवासी पर अपहरण और दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कर सरगर्मी से तलाश तेज कर दी, लेकिन अभियुक्त का कोई सुराग नहीं लगा। जिसके बाद एसओजी और गदरपुर पुलिस की संयुक्त टीम बनाई गई और कुर्की की कार्रवाई के बाद सर्विलांस की मदद से पता चला कि अभियुक्त पश्चिम बंगाल में छिपा है और पुलिस ने 26 दिसंबर को दो हजार किलोमीटर जाकर दबिश दी और विवेक दास को गिरफ्तार कर लिया। अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

मामले का खुलासा करते एसएसपी, पुलिस गिरफ्त में अभियुक्त। ● अमृत विचार

बाइक सवार ने संग्रह अमीन को मारी टक्कर

बाजपुर: नैनीताल स्टेट हाईवे पर रिवरडेल इंटरनेशनल स्कूल के निकट रविवार सुबह करीब 7 बजे अज्ञात बाइक सवार ने संग्रह अमीन मदन लाल शर्मा निवासी वार्ड-एक, मोहल्ला मझरा प्रभु, बाजपुर को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए और उनके सिर पर गहरी चोट आई है। घटना की जानकारी अखबार वितरक ने उनके घर दी, जिससे स्वजन में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में स्वजन मौके पर पहुंचे और उन्हें नगर के एक निजी क्लिनिक में उपचार के लिए ले गए। चिकित्सकों ने हालत गंभीर देखते हुए उन्हें रेफर कर दिया। इसके बाद स्वजन उन्हें हल्द्वानी के एक निजी अस्पताल में ले गए, जहां उनकी स्थिति नाजुक बनी हुई है।

सकैनिया में एक माह पूर्व हुई चोरी का खुलासा नहीं

संवाददाता, गदरपुर

अमृत विचार: सकेनिया चौकी से महज 50 मीटर की दूरी पर हुई चोरी की घटना का खुलासा न होने से पुलिस की भूमिका पर सवाल खड़े हो रहे हैं। वहीं, पीड़िता ने विधायक से चोरी के खुलासे की गुहार लगाई है। विधायक अरविंद पांडे ने पीड़िता को हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना गदरपुर के निकटवर्ती ग्राम सकेनिया पुलिस चौकी से मात्र 50 मीटर की दूरी पर हुई चोरी का खुलासा करने में पुलिस अब तक नाकाम साबित हो रही है, जबकि घटना को लगभग 25 दिन बीत चुके हैं। पीड़िता का आरोप है कि कई बार थाने और चौकी के चक्कर लगाने के बावजूद उसे कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। नाराज और दुखी पीड़िता ने क्षेत्रीय विधायक अरविंद पांडे से मुलाकात कर चोरी के खुलासे की गुहार लगाई। विधायक पांडे ने तत्काल चौकी इंचार्ज से दूरभाष पर वार्ता कर शीघ्र चोरी की घटना का खुलासा करने के निर्देश दिए। सकेनिया चौकी इंचार्ज विजय कुमार ने कहा कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है और जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

गदरपुर के सकेनिया में हुई चोरी के संबंध में चौकी इंचार्ज से पूछताछ करते विधायक अरविंद पांडे। ● अमृत विचार

प्रतियोगिता

विधायक प्रतिनिधि उमेश राठौर ने किया उद्घाटन

चकरपुर में विधानसभा स्तरीय खेल महाकुंभ शुरू

संवादाता, खटीमा

अमृत विचार: विधानसभा स्तरीय खेल महाकुंभ के पहले दिन एथलेटिक्स और कबड्डी की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। जिसमें आयु वर्ग 14 और 19 के बच्चों ने प्रतिभाग कर अपना प्रदर्शन किया।

चकरपुर वन चेतना स्टेडियम में आयोजित विधानसभा स्तरीय खेल महाकुंभ की प्रतियोगिताओं का शुभारंभ विधायक प्रतिनिधि उमेश राठौर ने किया। 14 और 19 आयु वर्ग में रविवार को संपन्न हुई प्रतियोगिताओं के 14 आयु वर्ग की 60 मीटर में अंशुमन राणा व जानकी कठायत, छह सौ मीटर में देवेंद्र सिंह व विद्या पोखरिया, ऊंची कूद में दीप दीगरी और दीपा भट्ट, गोला फेंक में योगेश सिंह और ज्योति जोशी ने प्रथम स्थान हासिल किया है। वही 19 आयु वर्ग की सौ मीटर रेस में हर्ष सामंत और कविता जोशी, दो सौ मीटर में लव कुमार और माही पोखरिया, चार सौ मीटर में अरुण सिंह और माही पोखरिया, आठ सौ मीटर में निखिल सिंह और आरुषि, 15 सौ मीटर में निखिल बिष्ट व कनक चंद, 3 हजार मीटर बालिका में कनक चंद, 5 हजार मीटर बालक में आर्यन, ऊंची कूद में प्रियांशु कापड़ी व दिव्या कापड़ी, चक्का फेंक में मोहित पोखरिया व गुरलीन कौर गोला फेंक में वेदांत सिंह कन्याल व नीतू चंद ने प्रथम स्थान हासिल किया। 14 आयु वर्ग की बालक कबड्डी में खेतलसंडा खाम और बालिका कबड्डी में बंडिया तथा 19 आयु वर्ग की बालिका कबड्डी में बंडिया ने प्रथम स्थान हासिल किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल अधिकारी दिलशाद, खेल समन्वयक गिरीश चंद्र राय और नीरज सक्सेना, शैलेन्द्र सिंह, सहेंद्र प्रसाद, राजेश गंगवार, सुरजीत सिंह आदि रहे।

खटीमा में विधानसभा स्तरीय खेल महाकुंभ में कबड्डी प्रतियोगिता में दम दिखते बच्चे।

मुनाफे का लालच दे 2.94 लाख ठगे

रुद्रपुर: रामजी बिहार कॉलोनी निवासी अरुण कुमार शर्मा ने बताया कि उसके मोबाइल पर शेयर मार्केट में निवेश से संबंधित एक संदेश आया। उसने दिए गए लिंक पर क्लिक किया तो वह एक शेयर मार्केटिंग ग्रुप से जुड़ गया। इसके बाद उसके पास व्हाट्सएप कॉल आई, जिसमें कम निवेश पर दोगुना मुनाफा देने का प्रलोभन दिया गया। पीड़ित के अनुसार, एक दिसंबर से 15 दिसंबर के बीच आरोपियों द्वारा बताए गए खाते में उसने कुल 2.94 लाख रुपये जमा कर दिए। कई दिन बीतने के बाद भी जब कोई मुनाफा नहीं मिला तो उसे ठगी का एहसास होने पर उसने साइबर क्राइम पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

अवैध खैर से लदा कैंटर किया बरामद

संवाददाता, गदरपुर

- गदरपुर क्षेत्र में बड़े पैमाने पर हो रही अवैध खैर की तस्करी

अमृत विचार: महतोष पुलिस चौकी की नाक के नीचे धड़ल्ले से चल रही अवैध खैर लकड़ी की तस्करी के मामले में वन विभाग की एसओजी टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक सीड प्लांट से लाखों रुपये की बेशकीमती अवैध खैर से लदा एक कैंटर बरामद किया है। हैरानी की बात यह रही कि इतनी बड़ी कार्रवाई की भनक तक पुलिस को नहीं लगी, जिससे पुलिस की भूमिका पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

गदरपुर क्षेत्र में जंगलों से बड़े पैमाने पर अवैध खैर लकड़ी की तस्करी हो रही है। जानकारी के अनुसार, कुछ प्रभावशाली लोगों ने अपने प्लांटों को तस्करी का अड्डा बना लिया है और प्लांट की आड़ में अवैध खैर लकड़ी का कारोबार किया जा रहा है। शनिवार देर रात वन विभाग की एसओजी टीम ने मुखबिर की सूचना पर महतोष चौकी से महज 200 मीटर की दूरी पर स्थित एक सीड प्लांट में छापेमारी की। प्लांट के भीतर तिरपाल से ढका एक कैंटर (संख्या UP 23 T 9444) खड़ा मिला, जिसमें लाखों रुपये की अवैध खैर लकड़ी भरी हुई थी। एसओजी प्रभारी कैलाश चंद्र तिवारी ने बताया कि छापेमारी के दौरान प्लांट का गेट अंदर से बंद था और टीम की भनक लगते ही 7 से 8 लोग मौके से फरार हो गए। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद प्लांट स्वामी ने किसी के हाथ से चाबी भिजवाई, जिसके बाद टीम अंदर पहुंच सकी। जांच में लगभग 150 कुंतल अवैध खैर लकड़ी से लदा कैंटर बरामद किया गया। गौरतलब है कि इससे करीब दो सप्ताह पूर्व भी महतोष चौकी के पास ही वन विभाग की टीम ने इसी तरह एक ट्रक अवैध खैर लकड़ी से लदा बरामद किया था। लगातार दूसरी बड़ी कार्रवाई के बावजूद पुलिस की निष्क्रियता पर सवाल उठ रहे हैं। एसओजी प्रभारी कैलाश चंद्र तिवारी ने बताया कि मामले में नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। इस दौरान वन दरोगा पूरन चंद पाठक, शुभम शर्मा, राहुल कनवाल, हीरा सिंह, दीपक सहित पीपल पड़ाव के रेंजर पूरन चंद जोशी, वन दरोगा चिन्हवाल, दीपक कुमार, अनिल, हप्पू आदि मौजूद रहे।

अमृत विचार

हल्द्वानी , सोमवार,29 दिसंबर 2025

सिटी ब्रीफ

समाजसेवी रोहिणी बड़ैच का निधन

बाजपुर : वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. पी .कौर की भाभी एवं रणजीत सिंह की धर्मपत्नी समाजसेवी रोहिणी बड़ैच (कुक्कू) का आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन पर सामाजिक, राजनीतिक एवं व्यावसायियों ने शोक जताया है। दिवंगत रोहिणी सामाजिक कार्यों में सदैव अग्रणी रहती थीं और सरल स्वभाव, सहयोगी व्यक्तित्व एवं मिलनसार व्यवहार के कारण विशेष पहचान रखती थीं। मोक्षधाम बाजपुर में उनकी अंतिम यात्रा अत्यंत भावुक माहौल में संपन्न हुई। अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में किसान नेता, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, व्यापारी वर्ग, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी शामिल हुए। भाकियू प्रदेश अध्यक्ष कर्म सिंह पट्टा, सीट्स सर्टिफिकेशन के अध्यक्ष बलराज पासी, विधायक अरविंद पांडेय ने श्रद्धांजलि दी।

मौत मामले में अज्ञात वाहन चालक पर केस

सितारगंज : तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने के मामले में पुलिस ने अज्ञात चालक पर प्राथमिक की दर्ज की है। गांव नौली, बहेड़ी (यूपी) निवासी एजेंद्र पाल ने बताया कि 26 दिसंबर की शाम को उसका पुत्र अभिषेक गंगवार (20) गांव सिसैया से घर आ रहा था। तभी किच्छा हाईवे पर कठंगरी मोड़ के पास अचानक बाइक बंद होने पर वह उसकी जांच कर ही रहा था। तभी अज्ञात वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। एंबुलेंस की मदद से उसे उप जिला अस्पताल, सितारगंज में भर्ती कराया था। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस मामले की जांच शुरू कर दी है।

कांग्रेसियों ने फूंका प्रदेश सरकार का पुतला

बोले कांग्रेस विधायक आदेश सिंह चौहान- अंकिता भंडारी को मिले न्याय या मुख्यमंत्री दें इस्तीफा

जसपुर में रविवार को प्रदेश सरकार का पुतला फूंकते कांग्रेस कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

बाजपुर में बेरिया मोड़ पर पुतला दहन करते कांग्रेस कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

संवाददाता, जसपुर

अमृत विचार: उत्तराखंड की बेटी अंकिता भंडारी को न्याय दिलाने के लिए कांग्रेसियों ने सरकार का पुतला दहन कर रोष व्यक्त किया। विधायक ने भाजपा सरकार पर आरोपियों को बचाने का आरोप लगाते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री से इस्तीफे की मांग की।

रविवार की शाम गांधी पार्क पर क्षेत्र के कांग्रेसी एकत्रित हुए। यहां से कांग्रेस विधायक आदेश सिंह चौहान के नेतृत्व में कांग्रेसी आरोपियों का पुतला लेकर नगर के मुख्य मार्गों से होकर सुभाष चौक पहुंचे। यहां कांग्रेसियों ने बहुचर्चित अंकिता भंडारी कांड को लेकर भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। विधायक आदेश चौहान ने कहा कि प्रदेश की बेटी अंकिता भंडारी की निर्मम हत्या के मामले में कांग्रेस पहले से वीआईपी के बारे में पूछ रही है। जिसे भाजपा सरकार बचा रही है। उन्होंने इसकी हाईकोर्ट के जज की निगरानी में सीबीआई जांच कराने की मांग की। विधायक ने कहा कि भाजपा सरकार बेटी अंकिता को न्याय दिलाये या फिर सीएम पुष्कर सिंह धामी अपना इस्तीफा दें। प्रदर्शन के दौरान गजेंद्र चौहान, इख्तियार बबलू, मोइनुद्दीन, आबिद नूरी, नाजिम मेंबर, नफीस कदीरी, सुभाष शर्मा, राहुल गहलोत, फहीम, नफीस मेंबर, सर्वेश चौहान, हिमांशु, कुलदीप सिंह, अमृत सिंह, राहुल, मोनिश, मुजाहिद मौजूद रहे।

अंकिता भंडारी हत्याकांड की निष्पक्ष जांच व दोषियों को सजा की मांग

बाजपुर : अंकिता भंडारी हत्याकांड की निष्पक्ष जांच सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश की निगरानी में सीबीआई से कराए जाने और दोषियों को फांसी दिए जाने की मांग को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शनिवार को बेरिया मोड़ पर प्रदेश सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उत्तराखंड किसान कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष हरमिंदर सिंह ढिल्लों लाडी और विधायक प्रतिनिधि डीके जोशी के नेतृत्व में भाजपा सरकार का पुतला फूंका। किसान कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष हरमिंदर सिंह ढिल्लों लाडी ने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार भ्रष्टाचार और अपराधियों को संरक्षण देने में लगी है। उन्होंने कहा कि सत्ता, पैसे और रसूख के गठजोड़ ने उत्तराखंड की बेटियों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। नए खुलासों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अंकिता हत्याकांड कोई दुर्घटना नहीं, बल्कि सत्ता संरक्षित दरिंदगी का उदाहरण था। उन्होंने कहा कि मामले में भाजपा से जुड़े प्रभावशाली लोगों का नाम आने के बावजूद सरकार ने सीबीआई जांच की मांग को अनसुना किया। आरोप लगाया कि जांच कर रही एसआईटी ने भी कथित अति विशिष्ट व्यक्ति को जांच के दायरे से बाहर रखा, जबकि अब भाजपा जाति का सहारा लेकर उसका बचाव कर रही है। लाडी ने कहा कि अपराध किसी व्यक्ति की जाति नहीं देखता और इस वीभत्स अपराध में शामिल सभी दोषियों को मृत्युदंड से कम सजा स्वीकार नहीं। उन्होंने कहा कि अंकिता का मामला राजनीति से ऊपर इंसानियत का प्रश्न है। नए प्रश्न उठने के बाद सरकार को चाहिए कि वह मामले को दोबारा खोलकर स्वतंत्र और निष्पक्ष सीबीआई जांच के आदेश दे। प्रदर्शन के दौरान जिला पंचायत सदस्य फुरकान रजा, ग्राम प्रधान हरमीत सिंह बड़ैच, कांग्रेस नगर अध्यक्ष सत्यवान गर्ग, किसान कांग्रेस जिलाध्यक्ष नवदीप सिंह कंग, सिंह स्वरूप भारती, कामरान खां, एडवोकेट सतनाम सिंह, महेश कुमार आशु, सुनील कुमार, आदित्य चानना, अनवर अली, सोनू सागर, भूपेंद्र कौर बेदी, गोल्डी कंग, हामिद अली, अमीर अहमद, मोहम्मद यावर, अभिषेक तिवारी, अजयदीप ढौंढियाल, राजेश पाठक सहित कांग्रेस के कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

काशीपुर ने रिबेल स्टार को 141 रन से हराया

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार: क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ ऊधमसिंह नगर के तत्वावधान में सीनियर पुरुष वर्ग की जिला क्रिकेट लीग प्रतियोगिता के दूसरे दिन किंग्सफोर्ट क्रिकेट अकादमी, काशीपुर और रिबेल स्टार क्रिकेट अकादमी, बाजपुर के मध्य रोमांचक मैच खेला गया। किंग्सफोर्ट क्रिकेट अकादमी की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया और 25 ओवरों में 205 रन का लक्ष्य बनाकर 8 विकेट के नुकसान पर टीम आउट हो गई। टीम के खिलाड़ी जतिन ने 61 और संजय सिंह ने 50 रनों का योगदान दिया। रिबेल क्रिकेट अकादमी की तरफ से विनय एवं जुनैद व सूरज ने 2- 2 विकेट लिये। लक्ष्य का पीछा करने उतरी रिबेल क्रिकेट अकादमी की टीम 64 रन पर ऑल आउट हो गई। किंग्सफोर्ड क्रिकेट अकादमी काशीपुर ने यह मैच 141 रनों से जीत लिया। टीम के खिलाड़ी प्रगट सिंह ने 4 विकेट और मोहम्मद फैज ने 2 विकेट तथा आर्यन चौधरी, अजेंद्र प्रताप सिंह, प्रतीक नारंग दिवाकर ने एक-एक विकेट लिये। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार प्रगट सिंह को दिया गया। मैच के अंपायर राजेंद्र सिंह और जे.पी. सिंह रहे। इस अवसर पर बलवंत सिंह, गौरव तिवारी, आफताब आलम, सुनील यादव, इंद्र नीलकर सहित तमाम खेल प्रेमी उपस्थित रहे ।

पुस्तक के विमोचन में शामिल हुए महापौर

काशीपुर: महापौर दीपक बाली हरिद्वार पहुंचकर ऋषिकुल आयुर्वेद राजकीय महाविद्यालय में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के व्यक्तित्व एवं उनके द्वारा उत्तराखंड को विकसित और आत्मनिर्भर के लिये किए जा रहे कार्यों पर आधारित पुस्तक धर्म रक्षक धामी के विमोचन समारोह में शामिल हुए। यह पुस्तक मुख्यमंत्री धामी द्वारा लैंड जिहाद, लव जिहाद, अवैध अतिक्रमण, धर्मांतरण एवं प्रदेश में सांस्कृतिक-धार्मिक मूल्यों की रक्षा के लिये उठाए गए सख्त कदमों पर केंद्रित है। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी राजराजेश्वराश्रम जी महाराज ने की। समारोह में स्वामी कैलाशानंद गिरी जी महाराज, पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी, नैनीताल लोकसभा सांसद अजय भट्ट, पुस्तक की लेखिका डॉ. सोनाली मिश्रा, रीना मानसेरा सहित सैकड़ों संत मौजूद रहे।

फैक्ट्री गेट के पास मिला गार्ड का शव

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: फैक्ट्री गार्ड की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने हत्या की आशंका व्यक्त की है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा है। समाचार लिखे जाने तक रिपोर्ट दर्ज नहीं हो सकी थी।

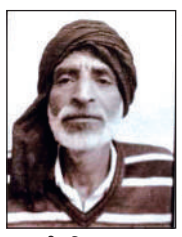

करमवीर सिंह (फाइल)।

यूपी के जिला बुलंदशहर के ग्राम सैदपुरा निवासी करमवीर सिंह (48) पुत्र रंजीत सिंह यहां महुआखेड़ा गंज स्थित एक बंद पड़ी फैक्ट्री में गार्ड की नौकरी करते थे और यहां फैक्ट्री परिसर में ही रहते थे। रविवार को किसी ने सूचना दी कि फैक्ट्री परिसर के मुख्य गेट के पास एक गार्ड का शव पड़ा हुआ है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके पर जांच-पड़ताल कर आसपास सीसीटीवी देखे और परिजनों को घटना की सूचना दी। साथ ही शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उधर रविवार को पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे मृतक के बेटे रिंकू ने बताया कि उसके पिता के साथ उनके चाचा योगेंद्र सिंह का बेटा अपरांत (22) और एक अन्य व्यक्ति ओमपाल भी फैक्ट्री में गार्ड की नौकरी करता था। रिंकू ने बताया मौके पर उसका चचेरा भाई अपरांत व ओमपाल भी नहीं मिले, वह दोनों गायब हैं। अपरांत का मोबाइल मिल गया था। जिसे पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है। वहीं फैक्ट्री परिसर में लगे तीन सीसीटीवी कैमरे बंद थे। बताया वह दो भाई हैं और ग्राम सैदपुरा में रहकर कंप्टीशन की तैयारी कर रहे हैं। उनके पिता महीने में एक-दो बार घर आते थे।

सड़क किनारे पड़ा मिला बुजुर्ग, मौत

बाजपुर : कड़ाके की ठंड के बीच रेलवे फाटक के निकट सड़क किनारे पड़े एक अज्ञात बुजुर्ग को स्थानीय लोगों की सूचना पर 108 एंबुलेंस की मदद से उपजिला चिकित्सालय पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति देखते हुए उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बुजुर्ग ठंड की चपेट में आकर सड़क किनारे गिर पड़े थे।बुजुर्ग न तो नशे की हालत में थे और न ही उनके शरीर पर किसी प्रकार की चोट के निशान मिले हैं, जिसके चलते आशंका जताई जा रही है कि वह अत्यधिक ठंड के कारण सड़क किनारे बेसुध होकर गिर पड़े।

पुलिस ने फरार बंदी को किया गिरफ्तार

काशीपुर: कोतवाली पुलिस ने साल 2020 में कोविड-19 के दौरान पैरोल पर छूटे और तब से फरार चल रहे एक सिद्धदोष बंदी को गिरफ्तार किया है। कोतवाली पुलिस ने सिद्धदोष बंदी आनंदपाल सिंह निवासी अब्दुल्ला नगर लेदा, थाना ठाकुरद्वारा, मुरादाबाद को गिरफ्तार किया। पकड़ा गया आरोपी साल 2020 में कोरोना महामारी के दौरान जेल से पैरोल पर छोड़ा गया था। पैरोल की अवधि समाप्त होने के बाद उसे वापस जेल जाना था, लेकिन वह पिछले 5 वर्षों से फरार चल रहा था। कोतवाल हरेंद्र चौधरी ने बताया कि कानूनी औपचारिकताएं पूरी कर आरोपी को उप कारागार, हल्द्वानी में दाखिल कर दिया है। टीम में उप निरीक्षक देवेंद्र सामंत, हेड कांस्टेबल सुरेंद्र कुमार व कांस्टेबल जगदीश चंद्र सिंह रहे।

भाजपा पदाधिकारियों का किया सम्मान

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: श्री अग्रवाल सभा की काशीपुर इकाई ने रविवार को प्रदेश भाजपा संगठन के दायित्वधारी वैश्य समाज की विभूतियों समेत प्रतिष्ठित व्यवसाईयों को सम्मानित किया। साथ ही महाराज अग्रसेन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने की अपील की।

बाजपुर रोड स्थित गौतमी हाइट्स में आयोजित महाराजा अग्रसेन कुल गौरव 2025 सम्मान समारोह में सर्वप्रथम समाज के गणमान्य लोगों ने महाराजा अग्रसेन के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथियों को मंच पर कार्यक्रम अध्यक्ष आशीष गुप्ता व श्री अग्रवाल सभा महानगर अध्यक्ष मनोज अग्रवाल एवं मंत्री/संयोजक अभिषेक गोयल द्वारा शॉल एवं पटका पहनाकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम के दौरान समाज सेवा, व्यापार, साहित्य एवं सनातन संस्कृति के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाली विभूतियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल गोयल ने कहा कि जब समाज अपने कीर्तिपुरुषों का सम्मान करता है, तो समाज का मान भी बढ़ता है। भारतीय समाज की मूलभूत अवधारणा सामुदायिकता की है, जिसे हम वसुधैव कुटुम्बकम के रूप में परिभाषित कर सकते हैं। पांच हजार वर्ष पहले सूर्यकुल गौरव अग्रसेन जी महाराज ने भी समाज को यही संदेश दिया और गर्व है कि अग्रवाल समाज के लोग जहां भी हैं, अपनी मेहनत और लगन से सफलता अर्जित कर रहे हैं और समाज की सेवा भी कर रहे हैं। धर्म, शिक्षा, चिकित्सा, गौ सेवा जैसे सभी प्रकल्पों में अग्रवाल समाज की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। कार्यक्रम में केजीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष विकास जिंदल , विनीत संगल, बांके गोयनका, राकेश अग्रवाल, पंकज विन्दल, ब्रह्म प्रकाश गोयल, शरत गोयल, कुमायूं वैश्य महासभा के पूर्व अध्यक्ष जेपी अग्रवाल, शेष कुमार सितारा, हिमांशु गर्ग, राजीव अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, एमपी गुप्ता, महेन्द्र लोहिया, सुरेश गोयल, केसी बंसल, एसके अग्रवाल, प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल गोयल, प्रदेश कोषाध्यक्ष पुनीत मित्तल, राईस मिल के प्रदेश अध्यक्ष सचिन गोयल, पूर्व विधायक शैलेंद्र मोहन सिंघल, पवन अग्रवाल, उपाध्यक्ष कपिल अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

काशीपुर में भाजपा पदाधिकारियों का स्वागत करते वैश्य सभा के पदाधिकारी।

लोगों तक पहुंचाएं कांग्रेस की नीतियां

काशीपुर में स्थापना दिवस पर गोष्ठी के दौरान बोलते वक्ता। ● अमृत विचार

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के स्थापना दिवस के अवसर पर उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल के निर्देशानुसार, एआईसीसी सदस्य एवं प्रदेश महासचिव अनुपम शर्मा, महानगर अध्यक्ष अलका पाल एवं पूर्व महानगर अध्यक्ष मुशर्रफ हुसैन के नेतृत्व में महानगर कांग्रेस कमेटी काशीपुर द्वारा गौड़ सभा, डॉक्टर लाइन में एक विचार गोष्ठी एवं मिष्ठान वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने अपने स्थापना काल से लेकर आज तक देश को आजादी दिलाने, संविधान की रक्षा करने एवं सामाजिक न्याय को सशक्त करने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। कांग्रेस की विचारधारा आज भी गरीब, किसान, मजदूर, युवा एवं अल्पसंख्यकों की सशक्त आवाज है। कार्यक्रम में उपस्थित कांग्रेसजनों ने संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत करने तथा कांग्रेस की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, अनुषांगिक संगठनों के पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में स्थापना दिवस की खुशी में मिष्ठान वितरण किया गया। गोष्ठी एवं कार्यक्रम का संचालन पूर्व महानगर जिला अध्यक्ष मुशर्रफ हुसैन द्वारा किया गया। इस मौके पर गौरव चौधरी, जितेंद्र सरस्वती, मंसूर अली, महेंद्र बेदी, विमल गुड़िया, विकल्प गुड़िया, सौरभ शर्मा थे।

जसपुर में नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष एवं संरक्षक का हुआ स्वागत। ● अमृत विचार

सुरेंद्र बने उत्तराखंड जाटव महासभा के प्रदेश अध्यक्ष

जसपुर : जाटव महासभा की आयोजित हुई बैठक में सर्व सहमति से सुरेंद्र सिंह को उत्तराखंड जाटव महासभा का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया। साथ ही पूर्व प्रदेश अध्यक्ष महुआखेड़ा गंज निवासी विजयपाल सिंह को संरक्षक बनाया गया। बैठक में संगठन की मजबूती एवं विस्तार पर भी चर्चा हुई। नवनियुक्त अध्यक्ष ने कहा कि जाटव महासभा समाज के मेधावियों को संविधान दिवस के मौके पर सम्मानित करेगी तथा उन्हें प्रोत्साहित करेगी। बताया कि कार्यकारिणी का जल्द ही विस्तार किया जाएगा। बैठक की अध्यक्षता रिटायर्ड सीओ ध्यान सिंह तथा संचालन सुरेंद्र जाटव ने किया। यहाँ डॉ. बीएस गौतम, राजेश गौतम, सौरभ कुमार, सत्यपाल सागर, डॉ. शिवेंद्र, रविराज एडवोकेट, अभिषेक एडवोकेट, भगवानदास गौतम, रामलाल सिंह, संजीव जाटव, लाखन सिंह, नितिन एडवोकेट, मनीष आदि रहे।

जरूरतमंदों की सहायता को रहें तत्पर

● दिनेशपुर में भारत विकास परिषद का कार्यक्रम

संवाददाता, दिनेशपुर

अमृत विचार: भारत विकास परिषद के नवनिर्वाचित कोषाध्यक्ष तरुण कुमार सिंह ने कहा कि भारत विकास परिषद के नवनिर्वाचित पदाधिकारी और सदस्य समाज में जरूरतमंद परिवारों के सहयोग और मदद के लिए हमेशा तत्पर रहें। उन्होंने कहा कि बिना किसी भेदभाव के गरीब परिवारों के बच्चों की शिक्षा, बालिकाओं के विवाह और उपचार न करा पा रहे लोगों की मदद करना मुख्य उद्देश्य होना चाहिए। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने अतिथियों और नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का जोरदार स्वागत किया।

रविवार को कृष्णा होटल में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता भारत विकास परिषद प्रदेश संयोजक नरेंदर अरोरा ने की। इस अवसर पर दीपक मक्कड़ को अध्यक्ष, मयंक अग्रवाल को सचिव और समाजसेवी तरुण कुमार सिंह को कोषाध्यक्ष सर्वसम्मति से चुना गया। भारत विकास परिषद प्रदेश सचिव रविंद्र बजाज ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। कार्यक्रम का संचालन संजय शाह ने किया। इस मौके पर व्यापार मंडल अध्यक्ष राजेश नारंग, पंकज गोयल उर्फ सोनू, गोपाल चक्रवर्ती, अशोक कालड़ा, तरुण यादव, दीपंकर मंडल, शुभम चावला, रोहित मंडल, अरुण विश्वास, डॉ. सतपाल सिंह, विकास छावड़ा, शुभम पुनियानी, चिराग ओझा, रोहित ढीगड़ा, ऋषि भगत, सागर सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

दिनेशपुर में भाविप के गठन कार्यक्रम को संबोधित करते समाजसेवी तरुण कुमार सिंह।

खेल

अंतर्राष्ट्रीय पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी प्रेमा विश्वास ने किया प्रतियोगिता का उद्घाटन

खंड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाया दम

संवाददाता, गदरपुर

अमृत विचार: गदरपुर में एसएस पब्लिक स्कूल में खंड स्तरीय-ग्राम स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि अंतर्राष्ट्रीय पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी प्रेमा विश्वास ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर और फीता काटकर किया। इस दौरान खिलाड़ियों ने सामूहिक रूप से राष्ट्रगान भी किया।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक तनीशा चावला ने प्रेमा विश्वास का शॉल ओढ़ाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। प्रेमा विश्वास ने प्रतिभागियों के साथ अपने अनुभव, उपलब्धियां और विचार साझा कर युवाओं का उत्साह बढ़ाया। तनीशा चावला ने कहा कि प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं में खेल संस्कृति और खेल भावना को प्रोत्साहित करना है, खासकर उन ग्रामीण खेलों को जो कम संसाधनों में खेली जा सकती हैं। मुस्कान चावला ने भी युवाओं को खेल के महत्व के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता में टीम और व्यक्तिगत दोनों प्रतिस्पर्धाओं का आयोजन किया गया। टीम प्रतिस्पर्धा में बालक वर्ग की कबड्डी में एसएस पब्लिक स्कूल विजेता और सकैनिया स्टेडियम उपविजेता रही। बालिका वर्ग की खो-खो में सकैनिया स्टेडियम विजेता और सेंट मैरी स्कूल उपविजेता रही। व्यक्तिगत प्रतिस्पर्धा में बालक वर्ग की 400 मीटर दौड़ में दिव्यांश प्रथम, यशवर्धन द्वितीय और दीपक तृतीय रहे। बालिका वर्ग की 200 मीटर दौड़ में अनुप्रिया प्रथम, जानवी द्वितीय और शगुन तृतीय रही। बालक वर्ग की लंबी कूद में भारत प्रथम, प्रज्वल द्वितीय और वरुण तृतीय रहे, जबकि बालिका वर्ग की लंबी कूद में जानवी प्रथम, मान्यता द्वितीय और मानसी तृतीय स्थान पर रही। पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि विधायक अरविंद पांडे उपस्थित रहे। तनीशा चावला ने उन्हें पुष्प गुच्छ और स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। विधायक ने विजयी खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र, मेडल और ट्रॉफी प्रदान की और कहा कि सकारात्मक सोच, एकाग्रता, मानसिक दृढ़ता और नियमित अभ्यास से ही सफलता मिलती है। निर्णायक की भूमिका कोच संदीप और शालिनी ने निभाई। कार्यक्रम में किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष सुरजीत सिंह, राजेश सक्सेना, राजकुमार चावला, रवि पाल, बृजेश दुबे, हनी समेत भारी संख्या में खिलाड़ी उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता में विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित करते अतिथि। ● अमृत विचार

झांसा देकर युवती से ठगे 1.80 लाख

काशीपुर: साइबर ठगों ने एक युवती को झांसा देकर उसके खाते से 1.80 लाख रुपये ठग लिए। पीड़िता ने पुलिस को मामले की तहरीर देकर अज्ञात ठग के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। मो. महेशपुरा निवासी एक महिला ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि बीती दो दिसंबर की दोपहर करीब दो बजे उसे एक अज्ञात की कॉल आई। कॉलर ने उसे बताया कि उसके खाते में 8 लाख 40 हजार रुपये आये हैं। जिसमें से उसे दो लाख रुपये जीएसटी के रूप में जमा करने होंगे। जिसके बाद रकम उसे मिल जायेगी। पीड़िता ने बताया कि कॉलर के झांसे में आकर उसने बताये गए खातों में 6 बार में कुल एक लाख 80 हजार 850 रुपये ट्रांसफर कर दिये। बाद में उसे पता चला कि उसके साथ धोखाधड़ी हो गई है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

काशीपुर में रविवार को रोड शो निकालते भाजपाई। ● अमृत विचार

नवनियुक्त भाजयुमो जिलाध्यक्ष का किया जोरदार स्वागत

काशीपुर : रोड शो निकाल नवनियुक्त भाजयुमो जिलाध्यक्ष का जोरदार स्वागत किया गया। रविवार को जसपुर के धर्मपुर यूपी बॉर्डर पर भाजयुमो कार्यकर्ता भारी संख्या में एकत्र हुए। नवनियुक्त भाजयुमो जिलाध्यक्ष प्रशांत पंडित का जोरदार स्वागत किया गया। इसके बाद यहां से ढोल नगाड़े के साथ रोड शो शुरू हुआ। जसपुर मुख्य बाजार, सुभाष चौक, कुंडा, बैलजूड़ी होते काशीपुर पहुंचे। मोहल्ला किला से रोड शो शुरू होकर मुख्य बाजार, नगर निगम रोड, महाराणा प्रताप चौक से होकर बाजपुर रोड स्थित भाजपा जिला कार्यालय पहुंचा। जगह-जगह उनका फूल माला के साथ स्वागत किया। वहां पर भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज पाल, विधायक त्रिलोक सिंह चीमा, राम मेहरोत्रा, गुरविंदर सिंह चंडोक, खिलेंद्र चौधरी, सतविंदर सिंह यादव, लविश यादव, अवनीश यादव, गगन, दीपू आदि मौजूद रहे।

ब्रीफ न्यूज

भावना का हॉकी में राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर चयन

रानीखेत : विकासखंड ताड़ीखेत के ग्राम पाली, गनियाद्योली, रानीखेत निवासी भावना रावत, सुपुत्री वीरेंद्र सिंह रावत, का चयन अंडर-19 राज्य स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता के लिए हुआ है। भावना अब 2 जनवरी से 7 जनवरी 2026 तक ग्वालियर मध्य प्रदेश में आयोजित होने वाली 69वीं नेशनल स्कूल गेम्स में उत्तराखंड का प्रतिनिधित्व करेंगी। पूर्व विधायक करन माहरा, पूर्व हॉकी संघ अध्यक्ष अगस्त लाल साह, पूर्व जिला क्रीड़ा अधिकारी जुबैद अहमद, धीरेंद्र बिष्ट, एडवोकेट हरीश मनराल, धीरज वर्मा, उमेश बिष्ट, हेमंत बिष्ट, संजय बिष्ट, सुकृत साह सहित सभी खेल प्रेमियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए भावना को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

एसटीएच के बाहर से 20 ठेले हटाए, 2 जब्त

हल्द्वानी : नगर निगम ने रामपुर रोड स्थित सुशीला तिवारी अस्पताल के बाहर अतिक्रमण पर कार्रवाई की। इस दौरान निगम की टीम ने 20 से अधिक ठेले हटाए। साथ ही दो ठेले जब्त किए। सहायक नगर आयुक्त गणेश भट्ट ने बताया कि एसटीएच के बाहर सड़क किनारे अतिक्रमण कर दुकान चलाने वालों पर कार्रवाई की गई है।

अंकिता हत्याकांड के सभी दोषियों पर कार्रवाई की मांग

अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति ने किया प्रदर्शन, सरकार पर प्रभावशाली लोगों को संरक्षण देने का लगाया आरोप

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: अंकिता भंडारी हत्याकांड को लेकर अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति की जिला इकाई ने रविवार को चौघानपाटा में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने मामले की पुनः निष्पक्ष जांच कराने तथा कथित रूप से शामिल प्रभावशाली व्यक्तियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग उठाई।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि वर्ष 2022 में हुए इस जघन्य हत्याकांड में विशेष सत्र न्यायालय द्वारा तीन आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा दी जा चुकी है, लेकिन इसके बावजूद पीड़ित परिवार और आम जनता का मानना है कि मामले में कुछ प्रभावशाली लोगों की भूमिका की जांच अब तक अधूरी है। हाल के दिनों में सामने आए कथित ऑडियो और वीडियो क्लिप के बाद संदेह और गहराया है, जिससे नए सवाल खड़े हो रहे हैं।

महिला समिति ने आरोप लगाया कि सरकार सच सामने लाने के बजाय प्रभावशाली लोगों को संरक्षण देने का प्रयास कर रही है। संगठन ने स्पष्ट मांग की कि प्रकरण की जांच सीबीआई से कराई जाए, ताकि पूरे मामले की सच्चाई सामने आ सके और सभी दोषियों को कठोर दंड मिले।

प्रदर्शन में प्रांतीय सचिव सुनीता पांडे, प्रिया, चाहत, विजयलक्ष्मी, यूसुफ तिवारी, प्रमोद तिवारी, अशोक पंत, सरस्वती देवी, जया पांडे, चंद्रा देवी, प्रेम जड़ौत, हेमा अधिकारी, आनंदी मेहरा, आनंदी कनवाल, क्रांति कुमार जोशी, राजेंद्र प्रसाद जोशी सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अल्मोड़ा में प्रदर्शन करते जनवादी महिला समिति से जुड़े लोग। ● अमृत विचार

रानीखेत में कैंडल मार्च निकालते कांग्रेस कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

न्याय दिलाने के लिए निकाला कैंडल मार्च

संवाददाता, रानीखेत

अमृत विचार: अंकिता भंडारी को न्याय दिलाने की मांग को लेकर रानीखेत कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में गांधी चौक से विजय चौक तक कैंडल मार्च निकाला गया। हाथों में जलती मोमबत्तियां लिए लोगों ने एक स्वर में कहा कि अब और नहीं अंकिता के असली दोषियों को सजा मिलनी चाहिए। अंकिता भंडारी की निर्मम हत्या ने पूरे समाज की आत्मा को झकझोर दिया है।

यह केवल एक अपराध नहीं, बल्कि सत्ता के संरक्षण में दबाए गए सच की चीख है। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि भाजपा विधायक की पत्नी द्वारा स्वयं कथित वीआईपी का नाम खोलना इस बात का प्रमाण है कि सच को जानबूझकर दबाया गया और दोषियों को बचाने का प्रयास किया गया। कार्यकर्ताओं ने अंकिता को न्याय के लिए नारे लगाए। वक्ताओं ने कहा कि जब तक सभी दोषियों को सख्त सजा नहीं मिलती, तब तक यह संघर्ष जारी रहेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर अध्यक्ष उमेश भट्ट ने की।

कार्यक्रम में नगरपालिका अध्यक्ष अरुण रावत, महिला जिलाध्यक्ष गीता पवार, जिलाध्यक्ष हॉकी संघ अगस्त लाल साह, महिला नगर अध्यक्ष नेहा माहरा, चिलियानौला नगर अध्यक्ष कमलेश बोरा, कॉर्डिनेटर कुलदीप कुमार, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष गोपाल सिंह देव, सभासद वीना नेगी, सभासद सुन्दर कुवार्बी, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष कल्पना आर्या, मनीषा नेगी, स्वेता डोगरा, संगीता डोगरा, मीडिया प्रभारी सोनू सिद्दीकी आदि मौजूद रहे।

टनकपुर में लोगों ने कैंडल जलाकर निकाला शांति मार्च

टनकपुर, अमृत विचार : 3 साल पूर्व हुए उत्तराखंड के बहुचर्चित अंकिता भंडारी हत्याकांड को लेकर कांग्रेस ने अंकिता भंडारी को न्याय देने की मांग को लेकर टनकपुर में रविवार को लोगों ने शांति मार्ग निकला। तुलसीराम चौराह में कैंडल जलाकर अंकिता भंडारी को श्रद्धांजलि दी गई।पार्टी ने हत्याकांड में भाजपा से जुड़े एक बड़े नेता पर लग रहे आरोपों के चलते पूरे मामले की निष्पक्ष व उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। विरोध प्रदर्शन में कार्यकर्ताओं ने अंकिता को न्याय दिलाने, सीबीआई जांच कराने और दोषियों को कड़ी सजा देने की मांग उठाई।

अंकिता भंडारी मामले की सीबीआई जांच करने तथा दोषियों को कठोर सजा देने की मांग को लेकर क्षेत्र के युवाओं ने पीलीभीत चुंगी से नगर में शांति मार्च निकाला। कैंडल जलाकर अंकिता भंडारी को श्रद्धांजलि दी। शांति मार्च में डॉ. मदन सिंह महर, वरिष्ठ नेता विमला सजवान, छात्रसंघ अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद कोहली, दीपक बेलवाल, ललित सिंह, चेतन जोशी, विनोद ओली, वंश शर्मा, राहुल कुमार, पवन जोशी ,अमन विश्वकर्मा प्रियांशु कुमार, सुमित मौर्या आदि मौजूद रहे।

भू-माफिया के खिलाफ आंदोलन तेज

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: जनपद के चितई गांव में भू-माफिया की बढ़ती गतिविधियों और ग्राम भूमि, जंगलों, रास्तों व सार्वजनिक संसाधनों पर हो रहे अतिक्रमण के विरोध में रविवार को चितई में बैठक आयोजित की गई। बैठक में ग्रामीणों ने कहा कि आंदोलन केवल धरना-प्रदर्शन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आवश्यकता पड़ने पर सड़क से लेकर उच्च न्यायालय तक कानूनी और संवैधानिक लड़ाई लड़ी जाएगी।

उत्तराखंड जन चेतना मंच के बैनर तले सामाजिक कार्यकर्ता विनय किरौला के नेतृत्व में आयोजित बैठक में वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि पहाड़ की जमीन केवल संपत्ति नहीं, बल्कि पहाड़ की अस्मिता, संस्कृति और आने वाली पीढ़ियों का भविष्य है। इसे किसी भी कीमत पर भू-माफिया के हाथों लुटने नहीं दिया जाएगा। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि प्रशासनिक संरक्षण में कुछ तत्व ग्राम भूमि, पारंपरिक रास्तों और सार्वजनिक संपत्तियों पर अवैध कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। वक्ताओं ने बताया कि सभी आवश्यक दस्तावेज, खतौनी, नक्शे और प्रमाण तैयार हैं तथा कानूनी कार्यवाही को पूरी मजबूती के साथ आगे बढ़ाया जाएगा। कहा कि समय रहते भू-माफिया पर लगाम नहीं लगी तो पहाड़ में परंपरागत रास्ते बंद हो जाएंगे, जल स्रोतों पर संकट गहराएगा, पलायन और तेज होगा तथा आने वाली पीढ़ियां अपनी ही जमीन से वंचित हो जाएंगी। कार्यक्रम का संचालन प्रकाश चंद्र आर्य ने किया। यहां एड. विनोद तिवारी, जगदीश जोशी, अभिषेक पंत, प्रकाश चंद्र, नितिन पंत, राजू कांडपाल, बसंत राम, संजय पुना, राजेश पुना, शिवराज पूना रहे।

चितई में नारेबाजी करते बैठक में पहुंचे ग्रामीण। ● अमृत विचार

स्कूटी छोड़कर लापता युवक दिल्ली में मिला

संवाददाता, रानीखेत

अमृत विचार: जंगल मार्ग पन्याली में स्कूटी छोड़कर रहस्यमय ढंग से लापता हुए युवक को रानीखेत पुलिस ने दिल्ली से सकुशल बरामद कर लिया है। युवक की सुरक्षित वापसी के बाद परिजनों ने राहत की सांस ली और पुलिस की कार्यवाही की सराहना की।

बीते 9 दिसंबर को कोतवाली रानीखेत क्षेत्र की निवासी महिला ने तहरीर देकर बताया कि उनके 33 वर्षीय पति मनोज कुमार दिनांक 8 दिसंबर को घर से नैनीताल जाने के लिए निकले थे, लेकिन पन्याली के पास उनकी स्कूटी लावारिस हालत में मिली और वे स्वयं गुम हो गए। इस संबंध में कोतवाली रानीखेत में गुमशुदगी दर्ज की गई। एसएसपी अल्मोड़ा देवेन्द्र पींचा ने मामले का संज्ञान लेते हुए गुमशुदा की तलाश के लिए चार टीमों का गठन किया। अपर पुलिस अधीक्षक हरबंश सिंह व सीओ रानीखेत विमल प्रसाद के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली रानीखेत अशोक कुमार धनकड़ और निरीक्षक भुवन चन्द्र जोशी, प्रभारी एसओजी अल्मोड़ा के नेतृत्व में गठित टीमों ने सघन तलाश अभियान चलाया। पुलिस टीमों ने रानीखेत से नैनीताल मार्ग के बीच लगे लगभग 100 सीसीटीवी कैमरों की जांच की। साथ ही सर्विलांस टीम द्वारा मोबाइल लोकेशन पर नजर रखी गई। 26 दिसंबर को गुमशुदा मनोज कुमार को बृजवासन, दिल्ली में बरामद कर लिया। बाद में युवक को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

महतगांव में गुलदार पिंजरे में कैद

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: सोमेश्वर तहसील क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्रों में लंबे समय से दहशत का कारण बने गुलदार को आखिरकार वन विभाग ने पकड़ लिया। रविवार सुबह महतगांव में लगाए गए पिंजरे में गुलदार के फंसने की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू की कार्रवाई की।

वन विभाग के अनुसार बीते कुछ समय से महतगांव और आसपास के इलाकों में गुलदार की लगातार गतिविधियां देखी जा रही थीं, जिससे ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ था। लोगों की शिकायतों को बाद विभाग ने क्षेत्र में ट्रैप कैमरे लगाने के साथ ही पिंजरा लगाया। रविवार सुबह गुलदार पिंजरे में फंस गया। वन क्षेत्राधिकारी मनोज कुमार लोहनी ने बताया कि पकड़ा गया गुलदार नर है, जिसकी उम्र लगभग पांच वर्ष है। रेस्क्यू के बाद गुलदार को सुरक्षित रूप से अल्मोड़ा स्थित मृग विहार भेज दिया गया है, जहां उसका स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि गुलदार की लंबाई करीब ढाई मीटर है। वन विभाग ने बताया कि क्षेत्र में गश्त और निगरानी अभी भी जारी रहेगी, ताकि ग्रामीणों को किसी तरह की असुविधा न हो। गुलदार के पकड़े जाने के बाद महतगांव समेत आसपास के गांवों में लोगों ने राहत महसूस की है। रेस्क्यू अभियान में वन दरोगा शिव राम, संजय जोशी, अमित नेगी, कुंदन गैड़ा, नीरज बिष्ट और धीरेंद्र उप्रेती सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

सोमेश्वर के महतगांव में पिंजरे में कैद हुआ गुलदार। ● अमृत विचार

खुली बैठक में विकास के कई प्रस्तावों पर सहमति

संवाददता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: ग्राम पंचायत अथरबनी में रविवार को खुली बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान ग्रामीणों की समस्याओं और प्रस्तावित विकास कार्यों पर चर्चा की गई। बैठक में कई विकास प्रस्तावों पर सहमति बनाई गई।

बैठक में जल निकासी सुधार के लिए पक्की नालियों के निर्माण, गौशाला, गोबर गैस संयंत्र, मुर्गी बाड़ा, वीबी रामजी योजना के तहत खड़ंजों के निर्माण, चाल-खाल निर्माण, वृक्षारोपण और नई पेयजल लाइन बिछाने के प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। ग्रामसभा क्षेत्र में बिना सत्यापन फेरीवालों व कबाड़ियों पर रोक, खुले सीवर की समस्या के समाधान हेतु स्वच्छता समिति के गठन और नियमों का उल्लंघन करने पर कार्रवाई का निर्णय लिया गया। साथ ही आंगनबाड़ी केंद्र निर्माण, सोलर लाइटें लगाने व मार्गों की मरम्मत के प्रस्ताव भी रखे गए। बैठक में क्षेत्र पंचायत प्रमुख हिमानी कुंडू ने तीन लाख रुपये और जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि आनंद सिंह कनवाल ने दो लाख रुपये विकास कार्यों के लिए देने की घोषणा की। बैठक की अध्यक्षता ग्राम प्रधान विनोद जोशी ने की। बैठक में क्षेत्र पंचायत सदस्य जमन सिंह बिष्ट, ग्राम विकास अधिकारी रश्मि सुप्याल, ग्राम विकास अधिकारी पंकज सुनौरी, वार्ड सदस्य रमेश भोज, इंदर सिंह बिष्ट, निर्मला बिष्ट आदि रहे।

प्रकाश इलेक्ट्रॉनिक्स का लकी ड्रॉ संपन्न

- रेंगल चौसली निवासी पीयूष को मिला प्रथत पुरस्कार, ग्राहकों को मिले आकर्षक पुरस्कार

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: नगर के प्रकाश इलेक्ट्रॉनिक्स द्वारा आयोजित वार्षिक लकी ड्रॉ धूमधाम से संपन्न हुआ। वर्ष 2007 से निरंतर आयोजित किए जा रहे इस लकी ड्रॉ में हर साल की तरह इस बार भी ग्राहकों को आकर्षक उपहार दिए गए।

वर्ष 2025 के लकी ड्रॉ का आयोजन रविवार को किया गया। जिसमें प्रथम पुरस्कार 32 इंच एलईडी टीवी, द्वितीय पुरस्कार रेफ्रिजरेटर, तृतीय पुरस्कार वाशिंग मशीन सहित 51 सांत्वना पुरस्कार रखे गए। इसके साथ ही एक भाग्यशाली ग्राहक को माता वैष्णो देवी की तीर्थ यात्रा का विशेष उपहार भी दिया गया। ड्रॉ में प्रथम पुरस्कार 32 इंच एलईडी टीवी रेंगल चौसली निवासी पीयूष कांडपाल ने जीता। द्वितीय पुरस्कार रेफ्रिजरेटर पुलिस लाइन निवासी लता को मिला, जबकि तृतीय पुरस्कार वाशिंग मशीन पेटशाल निवासी अर्जुन सिंह के नाम रहा। वहीं, माता वैष्णो देवी यात्रा का सौभाग्य तन्मय मेर निवासी दुगालखोला को प्राप्त हुआ। इसके अतिरिक्त 51 ग्राहकों को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए गए। प्रकाश इलेक्ट्रॉनिक्स प्रबंधन ने बताया कि सभी विजेताओं को उनके पुरस्कार 04 जनवरी को दिए जाएंगे। इस अवसर पर स्टोर प्रबंधन ने सभी ग्राहकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इसी तरह गुणवत्तापूर्ण उत्पाद और बेहतर सेवा देने का भरोसा जताया।

नगर के प्रकाश इलेक्ट्रॉनिक्स में वार्षिक लकी ड्रॉ का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय फिन स्विमिंग में प्रयान ने जीता कांस्य पदक

संवादाता, लोहाघाट

अमृत विचार: नगर के ठाड़ाढुंगा वार्ड के मूल निवासी और वर्तमान में हल्द्वानी निवासी डा. अशोक पुनेठा एवं श्वेता पुनेठा के 8 वर्षीय पुत्र प्रयान पुनेठा ने पांचवीं राष्ट्रीय फिनस्विमिंग चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर चम्पावत जिले सहित पूरे उत्तराखंड का नाम रोशन किया है।

कर्नाटक के मंगलौर में 19 से 22 दिसंबर तक आयोजित इस राष्ट्रीय चैंपियनशिप में प्रयान ने 50 मीटर सर्फेस फिनस्विमिंग स्पर्धा में कांस्य पदक हासिल किया। उनके बड़े भाई विहान पुनेठा ने भी प्रतियोगिता में भाग लिया और शानदार प्रदर्शन किया।

प्रयान व विहान पुनेठा।

माता श्वेता पुनेठा ने बताया कि दोनों भाइयों को मात्र 5 वर्ष की आयु से ही स्विमिंग का प्रशिक्षण शुरू कर दिया गया था, जिसका परिणाम आज सफलता के रूप में सामने आया है। डा. अशोक पुनेठा सीनियर पेट्रोलियम साइंटिस्ट एवं कंसल्टेंट हैं।

बिन्सर में की गई वाहनों की चेकिंग

अल्मोड़ा: नए साल को लेकर बिन्सर वन्य जीव विहार में पर्यटकों की आवाजाही काफी बढ़ गई है। पर्यावरण संरक्षण व वन्य जीवों की सुरक्षा के उद्देश्य से प्रवेश करने वाले सभी वाहनों की चेकिंग की जा रही है।

डीएफओ सिविल सोयम प्रदीप धौलाखंडी ने बताया कि वाहनों में प्लास्टिक सामग्री, पॉलीथिन, डिस्पोजेबल वस्तुएं, ज्वलनशील पदार्थ, मादक पदार्थ, आग्नेयास्त्र और किसी भी प्रकार की हानिकारक वस्तुओं की गहन तलाशी की जा रही है। उन्होंने कहा कि नये साल के जश्न के दौरान वन संपत्ति तथा वन्य जीवों को किसी तरह की क्षति न हो इसका सभी लोग तथा पर्यटक पूरा ध्यान रखें। इसको लेकर किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

विमर्श

कांग्रेस के स्थापना दिवस पर अल्मोड़ा में विचार गोष्ठी का आयोजन, वक्ताओं ने सरकार की नीतियों पर खड़े किए सवाल

बेरोजगारी, पलायन व स्वास्थ्य सेवाओं की कमी पर जताई चिंता

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: कांग्रेस के स्थापना दिवस पर रविवार को जिला कांग्रेस कार्यालय में विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने मौजूदा राजनीतिक हालात पर चर्चा करते हुए लोकतांत्रिक व्यवस्था, सामाजिक समरसता और जनहित से जुड़े मुद्दों पर अपने विचार रखे।

गोष्ठी को संबोधित करते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह भोज ने कहा कि देश इस समय कई गंभीर चुनौतियों के दौर से गुजर रहा है। संवैधानिक संस्थाओं की भूमिका को कमजोर करने के प्रयास हो रहे हैं, जिससे आम नागरिकों की आवाज दब रही है। ऐसे समय में कांग्रेस पार्टी की जिम्मेदारी बढ़ जाती है कि वह लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए मजबूती से खड़ी रहे। वक्ताओं ने कहा कि सरकार की नीतियों के कारण समाज में विभाजन की स्थिति बन रही है, जबकि कांग्रेस ने हमेशा एकता और भाईचारे की राजनीति को प्राथमिकता दी है। पहाड़ी क्षेत्रों में बेरोजगारी, पलायन, स्वास्थ्य सेवाओं की कमी और शिक्षा व्यवस्था की बदहाली जैसे मुद्दों पर भी चिंता जताई गई। कहा कि इन समस्याओं के समाधान के लिए जन आंदोलन और जनसंवाद को और तेज किया जाएगा। गोष्ठी में कार्यकर्ताओं से आह्वान किया गया कि वे बूथ स्तर तक सक्रिय रहकर जनता के बीच सरकार की जनविरोधी नीतियों को उजागर करें। कार्यक्रम में महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष राधा बिष्ट, सेवादल अध्यक्ष दिनेश नेगी, महानगर अध्यक्ष तारा चंद्र जोशी, मनोज बिष्ट, आनंद राम, गोविंद सिंह मेहरा, किरण आर्या, फहीमउद्दीन, देव सिंह कनवाल, दिनेश पिलख्वाल, गीता मेहरा रहे।

अल्मोड़ा में कांग्रेस के स्थापना दिवस पर आयोजित विचार गोष्ठी में मौजूद कार्यकर्ता।

भारतीय जनता पार्टी की नाकामियों का रिपोर्ट कार्ड लाएगी कांग्रेस

टनकपुर : कांग्रेस के स्थापना दिवस पर रविवार को विधानसभा क्षेत्र चम्पावत के प्रभारी हरीश सिंह बोरा की अध्यक्षता में हुई बैठक में संगठन को मजबूत करने के लिए काम करने पर जोर दिया गया। 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर कमर कसने का संकल्प लिया गया। पूर्व विधायक हेमेश खर्कवाल ने कहा कि उत्तराखंड में कांग्रेस के 10 साल के कार्यकाल की उपलब्धियों को आम लोगों के सम्मुख रखा जाएगा। साथ ही भाजपा के 15 साल के कामकाम की नाकामियों का रिपोर्ट कार्ड भी जनता के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। दावा किया गया कि चम्पावत में विधानसभा क्षेत्र में भाजपा और कांग्रेस विधायकों के कार्यकाल का भी आंकलन कर जनता जवाब मांगेंगी। कहा कि भाजपा सरकार के ज्यादातर वादें जमीन पर खरे नहीं उतरे हैं। इस वजह से लोगों में भाजपा सरकार के प्रति गहरा आक्रोश है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष निर्मला गहतोड़ी, बीएलओ-1 एडवोकेट श्याम सिंह कार्की, कांगेस नगर अध्यक्ष श्रीमन गुप्ता, ब्लॉक अध्यक्ष गजेंद्र सिंह सामंत सहित वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने संगठन की मजबूती एवं आगामी विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी के कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई।

टनकपुर में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता।

लड़ीधूरा मंदिर में मूर्ति स्थापना 23 जनवरी को

संवाददाता,चम्पावत/ लोहाघाट

अमृत विचार: चम्पावत जिले के लड़ीधूरा शैक्षिक एवं सांस्कृतिक मंच की रविवार को मां भगवती मंदिर परिसर में आयोजित की गई। क्षेत्र के लोगों ने प्रतिभाग किया। लड़ीधुरा महोत्सव समिति के अध्यक्ष नागेंद्र जोशी ने की जबकि संचालन रितेश वर्मा ने किया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि जन सहयोग से नवनिर्मित लड़ीधूरा मां भगवती मंदिर में आगामी 23 जनवरी को बसंत पंचमी के पावन अवसर पर मां भगवती की प्रतिमा को मूल स्थान पर पुनः स्थापित किया जाएगा।

मंदिर के मुख्य पुजारी तारा दत्त जोशी ने बताया कि बसंत पंचमी के दिन क्षेत्र के सभी प्रतिष्ठित देव डांगरों को पवित्र रामेश्वर घाट में गंगा स्नान कराया जाएगा। इसके बाद नगाड़ों की नौबत बजाकर मां भगवती की प्रतिमा को मूल स्थान पर स्थापित किया जाएगा। इस अवसर पर विशाल हवन और भंडारे का आयोजन भी होगा। समिति अध्यक्ष जोशी ने क्षेत्रवासियों से इस अवसर पर अधिक से अधिक सहयोग करने की अपील की। उन्होंने बताया कि मूर्ति स्थापना के लिए ग्राम सभा पम्दा निवासी मदन मोहन जोशी (पुत्र स्व. तुलाराम जोशी) तथा बाराकोट निवासी दयाल सिंह अधिकारी पुत्र भूपाल सिंह अधिकारी ने एक-एक लाख रुपये की धनराशि सहयोग के रूप में प्रदान की है।

अमृत विचार

सोमवार, 29 दिसंबर 2025

तुम वो हो जो तुम होने का यकीन करते हो।

–पाउलो कोएल्हो, ब्राजीलियन लेखक

सर्दियों का समाधान

उत्तर प्रदेश, बिहार, समेत कई राज्यों में तेज ठंड पड़ रही है, पश्चिमी विक्षोभों की तीव्रता में बदलाव, जेट स्ट्रीम का दक्षिण की ओर खिसकना, आर्कटिक क्षेत्र में तापमान असामान्य रूप से बढ़ना और इसके कारण ठंडी हवा का निचले अक्षांशों तक पहुंचना इसकी वजह है। जलवायु परिवर्तन के मौसम पर असामान्य प्रभाव के चलते अचानक और तीव्र ठंड अब अपवाद नहीं रही। इस सर्दी ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या केंद्र और राज्य सरकारें इस स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त रूप से तैयार हैं।

सच यह है कि अधिकांश उपाय प्रतिक्रियात्मक हैं। सर्दी बढ़ने के बाद अलाव, रैन बसेरे और कंबल वितरण शुरू होते हैं, जबकि दीर्घकालिक तैयारी का अभाव दिखता है। सर्दियों के साथ प्रदूषण का बढ़ना और श्वसन, हृदय तथा संक्रामक रोगों का प्रकोप एक जाना-पहचाना चक्र है। इसके लिए स्वास्थ्य सेवाओं की अग्रिम तैयारी, दवाओं की उपलब्धता, मोबाइल हेल्थ यूनिट और प्रदूषण नियंत्रण के कड़े कदम अपेक्षित हैं। उत्तर प्रदेश जैसे कुछ राज्यों ने प्रयास किए हैं, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर यह अभी भी असमान है। सूबे में सरकार ने करोड़ों व्यय कर अपेक्षाकृत व्यापक प्रबंध किए हैं। रैन बसेरों की संख्या बढ़ाना, शहरी व ग्रामीण इलाकों में अलाव की व्यवस्था, कंबल वितरण, अस्पतालों में विशेष वार्ड और आपात सेवाओं को अलर्ट पर रखना, स्कूलों में अवकाश। इनका असर खासतौर पर हाशिये पर रहने वाले लोगों, बेघर, वृद्ध, दिहाड़ी मजदूरों पर सकारात्मक पड़ सकता है, बशर्ते वितरण और निगरानी में लापरवाही न हो। पशुओं और मवेशियों के लिए अस्थायी शेड, चारा और पशु चिकित्सा सेवाओं की व्यवस्था भी जरूरी है, क्योंकि ग्रामीण अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा पशुधन पर निर्भर है। सर्दियों का असर यातायात और व्यवसाय पर न पड़े कोहरे और शीतलहर के कारण सड़क व रेल दुर्घटनाएं न बढ़ें, इसके लिए बेहतर विजिबिलिटी सिस्टम, समय पर ट्रैफिक एडवाइजरी, रेल-सड़क समन्वय और कार्य समय में लचीलापन और जरूरी है। मानवाधिकार आयोग का निर्देश है कि ठंड से किसी बेघर की मृत्यु न हो, पर हर वर्ष देश में ठंड के असर से हजारों लोगों की मौत होती है। इन आंकड़ों को आपदा के रूप में दर्ज होना चाहिए। शीत लहर के लिए कोई सशक्त, मानकीकृत राष्ट्रीय कार्य योजना नहीं है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, स्थानीय निकाय और स्वास्थ्य विभाग को मिलकर सूचना साझा करने और जिम्मेदारी तय करने की प्रक्रिया मजबूत बनाने के लिए, यह करना आवश्यक है।

पूर्व नियोजित तैयारियों तथा विभागों के बीच समन्वय की कमी, धन का अक्षम उपयोग, डेटा और तकनीकी क्षमता के अभाव में स्थान और समय विशिष्ट योजनाओं को तैयार न कर पाना हर साल की इस मुसीबत से निबटने में विफलता के मुख्य बिंदु हैं। हमें प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों में तकनीकी खामियां दूर कर स्थानीय भाषा में रियल-टाइम अलर्ट, पंचायत और शहरी वार्ड स्तर तक सूचना तंत्र और समुदाय-स्तरीय तैयारी को सालाना प्रक्रिया का हिस्सा बनाना होगा। उम्मीद है कि इस वर्ष की सर्दी से सबक लेकर सरकारें पूरे साल की योजना बनाएंगी।

प्रसंगवश

वन, पर्वत, नदियों को निगलने की भूख

दुनिया के किसी भी देश का अस्तित्व उसके वन, पर्वत और नदियों पर निर्भर करता है। मानव सभ्यता के विकास में इन तीनों का सर्वाधिक महत्वपूर्ण योगदान रहा है। वन, पर्वत और नदियां मानव सभ्यता के हजारों वर्ष पहले से विद्यमान हैं। प्रकृति के आरंभ से लेकर आज के आधुनिक युग तक, समस्त जीवों का जीवन इन्हीं पर निर्भर रहा है। यही कारण है कि भारतीय धर्मग्रंथों और परंपराओं में वन, पर्वत और नदियों की पूजा की जाती है, तथा उनकी रक्षा करने का संकल्प लिया जाता है। विडंबना यह है कि जैसे-जैसे मानव शिक्षित और आधुनिक होता गया, उसने तथाकथित विकास के नाम पर इन्हीं प्राकृतिक संसाधनों को सबसे अधिक नुकसान पहुंचाया है, और यह विनाशकारी सिलसिला आज भी जारी है।

विकास और पैसे की भूख की वजह से वन, पर्वत और नदियों का तेजी से विनाश हो रहा है। इसके पीछे एक बड़ी वजह खनन और भू-माफियाओं को प्राप्त राजनीतिक संरक्षण भी है। नर्मदा तथा गंगा की वर्तमान स्थिति किसी से छिपी नहीं है। करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़ी इन नदियों में खनन माफियाओं द्वारा जिस बेरहमी से अवैध रेत खनन किया जा रहा है, उससे न केवल नदियों का प्राकृतिक संतुलन बिगड़ रहा है, बल्कि पर्यावरण को भी भारी क्षति पहुंच रही है। भारत के लगभग हर राज्य में बड़ी नदियों पर चौबीसों घंटे, सातों दिन अवैध रेत उत्खनन जारी है, जो राज्य सरकारों की 'नदी बचाओ' जैसी मुहिमों को खुली चुनौती देता है। सरकार और सशक्त कानूनों की मौजूदगी के बावजूद खनन माफियाओं का बेखौफ खेल कहीं-न-कहीं राज्य सरकारों की मौन स्वीकृति की ओर भी संकेत करता है।

अरविंद रावल

लेखक

माफियाओं की धन-लालसा केवल नदियों तक सीमित नहीं है। देश के लगभग हर राज्य, हर जिले के पर्वतों का सीना छलनी किया जा चुका है। वह भारत, जो कभी ऊंचे पर्वतों, कल-कल बहती नदियों और विशाल वन क्षेत्रों के लिए जाना जाता था, आज उसी प्राकृतिक धरोहर को स्वार्थी मानव अपनी लालसा की भेंट चढ़ा रहा है। कई गांवों और शहरों से पूरे के पूरे पहाड़ गायब हो चुके हैं और नदियों के स्वरूप को बिगाड़कर कंक्रीट की मीनारें खड़ी की जा रही हैं। वन क्षेत्र भले ही कागजों में सरकार के नियंत्रण में हों, पर वास्तविकता यह है कि लकड़ी तस्कर रात-दिन सैकड़ों पेड़ों को काट रहे हैं। वन, पर्वत और नदियों के विनाश का सीधा असर वन्य जीवों पर पड़ा है। कई प्रजातियां पूरी तरह समाप्त हो चुकी हैं और अनेक प्रजातियां विलुप्ति के कगार पर हैं। इसका प्रभाव अब मानव जीवन पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है।

अब अरावली पहाड़ियों पर संकट है। इसके हटने से थार रेगिस्तान की धूल उड़कर दिल्ली के प्रदूषण को और अधिक भयावह बना देगी। गुजरात के ब्रह्मखेड़ा से लेकर दिल्ली के रायसीना हिल्स तक लगभग 692 किलोमीटर में फैली अरावली पर्वतमाला न केवल कई राज्यों को रेगिस्तान बनने से बचा रही है, बल्कि अनेक नदियों का उद्गम स्थल भी है, जो मनुष्य और वन्य प्राणियों दोनों की प्यास बुझाती हैं। इसके बावजूद, भू-माफिया और खनन माफिया वर्षों से अरावली के अस्तित्व को मिटाने पर तुले हुए हैं।

आज आवश्यकता है कि केंद्र और राज्य सरकारें अपनी वन, पर्वत, नदी संरक्षण योजनाओं पर पुनः गंभीर मंथन करें और एक ठोस, प्रभावी तथा कठोर रणनीति बनाएं। साथ ही सामाजिक संगठनों और जागरूक नागरिकों को भी अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा की जिम्मेदारी लेनी होगी, तभी हम खनन माफियाओं के जाल से वन, पर्वत और नदियों के अस्तित्व को बचा पाएंगे।

भाजपा के लिए तुरुप का पत्ता हुमायूं कबीर

नवीन गुप्ता

बरेली

पश्चिम बंगाल की राजनीति इस वक्त नए मोड़ पर खड़ी है। अयोध्या में बाबरी मस्जिद विवाद सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद शांत हो गया, लेकिन मुसलमानों का रहनुमा बनने के चक्कर में तृणमूल कांग्रेस पार्टी (टीएमसी) से निष्कासित विधायक हुमायूं कबीर ने इस विवादित मुद्दे को पुनः छेड़ दिया। हुमायूं ने न सिर्फ बाबरी मस्जिद की नींव रखकर खुद को मुसलमानों के बीच अपने को स्थापित करने की कोशिश की है, बल्कि हिंदू-मुस्लिम जनमानस के बीच तनाव का कारण भी बन गए। उन्होंने नई पार्टी बनाकर विधानसभा चुनाव में टीएमसी के लिए मुसीबत भी पैदा कर दी है।

पुनः सत्ता पर काबिज होने का ख्वाब देख रहीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के लिए उन्होंने मुसीबत खड़ी कर दी है। यही वजह है कि भाजपा से ज्यादा टीएमसी उन पर हमलावर है और उन्हें भाजपा का एजेंट साबित करने में लगी है। भाजपा भी उन पर टीएमसी के मुस्लिम तुष्टीकरण एजेंडे को आगे बढ़ाने का आरोप लगा रही है। बहरहाल उनकी बगावत से सत्ता पाने की भाजपा की राह आसान होती दिख रही है, तो टीएमसी के लिए वह दीवार बनते नजर आ रहे हैं। अब देखना यह है कि टीएमसी इस मुसीबत से कैसे निपटती है।

पश्चिम बंगाल में 2021 में हुए विधानसभा चुनाव में टीएमसी ने 215 सीटें जीतकर तीसरी बार सत्ता पर कब्जा किया था, लेकिन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को नंदीग्राम सीट पर भाजपा के शुभेंदु अधिकारी से हार का सामना करना पड़ा था। भाजपा ने इस चुनाव में 77 सीटें जीत कर राजनीतिक विश्लेषकों को चौंका दिया था, हालांकि वामपंथ और कांग्रेस का तंबू यहां पूरी तरह से उखड़ गया था। तब यह माना गया था कि भाजपा को रोकने के लिए कांग्रेसी और वामपंथी मतदाता टीएमसी के साथ चले गए, इसलिए ममता बनर्जी को बड़ी जीत मिली।

भाजपा इस बार सत्ता में आने के लिए पुनः एड़ी चोटी का जोर लगाए हुए है। बिहार में मिली प्रचंड जीत से पार्टी कार्यकर्ताओं के भी हौसले बुलंद हैं। एसआईआर में बंगाल में बड़े पैमाने पर वोट कटे हैं। बांग्लादेश से आए घुसपैठिये देश छोड़कर पुनः अपने देश वापस जा रहे हैं। भाजपा इसे मुद्दा बना रही है कि ममता के कारण ही बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुसलमानों ने पश्चिम बंगाल के निवासियों के संसाधनों पर कब्जा कर रखा है। एसआईआर के बाद बदली परिस्थितियों से टीएमसी परेशान तो है ही, अब उसके माथे पर हुमायूं कबीर ने भी बल ला दिया है। उन्होंने जनता उन्नयन पार्टी का गठन किया है। जाहिर सी बात है कि बाबरी मास्जिद की नींव रखकर उन्होंने मुस्लिम वोटों के ध्रुवीकरण की कोशिश की है। साथ ही मुर्शिदाबाद में एक भी सीट टीएमसी को न जीतने देने का दावा किया है।

हुमायूं कबीर मुस्लिम मौलानाओं, मोलवियों को अपनी पार्टी से जोड़ रहे हैं। उन्हें यह बताने में जुटे हैं कि अब एक मंच के नीचे आना होगा। इसका असर दिख रहा है। उनकी सभाओं में मुस्लिम युवाओं की खासी भीड़ जुट रही है, जो टीएमसी नेताओं की बेचैनी को बढ़ाने वाली है। जो भी मुस्लिम वोट उनके साथ जाएगा, वह टीएमसी से छिटककर जाएगा। ऐसे में इसका सीधा नुकसान ममता बनर्जी को होगा और लाभ भाजपा को होगा।

भाजपा ने 294 सीटों वाले इस राज्य में 160 सीटों पर जीत का लक्ष्य रखा है। भाजपा की नजर कांग्रेस नेतृत्व से नाराज कार्यकर्ताओं और नेताओं पर भी है। पार्टी उन सीटों पर ज्यादा फोकस कर रही है, जहां उसे 10 हजार या उससे कम वोटों से हार का सामना करना पड़ा था। टीमएसी को मुस्लिम मतदाताओं का लगभग 70 फीसदी वोट मिलता आया है। कबीर 100 मुस्लिम बहुल सीटों पर विशेष रणनीति से काम कर रहे हैं। भाजपा ने भी यहां ताकत झोंक रखी है। कबीर की कोशिश मुस्लिम मतदाताओं के ध्रुवीकरण की है। जाहिर सी बात है कि क्रिया की प्रतिक्रिया होगी और हिंदू मतदाता भी एकजुट होगा। ऐसे में इसका सीधा लाभ भाजपा को मिलेगा।

कबीर की रणनीति की काट खोजने में ममता बनर्जी जुटी हुई हैं। वह यह बताने में लगीं हैं कि कबीर को भाजपा से फंडिंग हो रही है, ताकि मुस्लिम मतदाता बंट जांए और इसका लाभ भाजपा को मिले, हालांकि इसमें वह कितना सफल होंगी यह चुनाव के वक्त ही पता चलेगा। वैसे उनके लिए दूसरी मुसीबत एआईएमआईएम के मुखिया असद्दुदीन ओवैसी भी हैं। बिहार में पुनः पांच सीटें जीतने वाले ओवैसी ने बंगाल में पूरी ताकत से चुनाव लड़ने का एलान किया है और वे उम्मीदवार तय करने में जुटे हैं। कबीर उनकी पार्टी से गठबंधन चाहते हैं। अगर दोनों नेता एक हुए तो टीएमसी को बड़ा नुकसान हो सकता है।

राजनीतिक विश्लेषक तो यह भी कह रहे हैं कि हुमायूं कबीर भाजपा के लिए तुरुप का पत्ता साबित हो सकते हैं, क्योंकि वे जितना हिंदू विरोधी बयान देकर मुस्लिम मतदाताओं को एकजुट करेंगे, उतना ही लाभ भगवा खेमे को होगा। कहीं ओवैसी और कबीर मिल गए तो फिर भाजपा के लिए सोने पर सुहागा ही हो जाएगा। वैसे ओवैसी चाहेंगे कि उनकी पार्टी के साथ कांग्रेस का भी गठजोड़ हो जाए, ताकि वे राज्य में मजबूत टक्कर टीएमसी को दे सकें।

राज्य में कुल 294 विधानसभा सीट है। सरकार बनाने के लिए जादुई आंकड़ा 148 सीटों का है। ऐसे में भाजपा यहां मिशन 165 प्लस का एलान कर सकती है। वैसे भाजपा नेताओं में आंतरिक कलह जबरदस्त है। पार्टी नेतृत्व इसे खत्म करने में लगा हुआ है। कांग्रेस और टीएमसी से आए नेताओं को भाजपा कैडर के नेता पचा नहीं पा रहे हैं। यह भाजपा के लिए चिंता का विषय है। इस कलह का खामियाजा भाजपा को लोकसभा चुनाव में भुगतना पड़ा था। उधर, ममता बनर्जी आदिवासी वोटों के लिए झारखंड की सत्ता में काबिज झारखंड मुक्ति मोर्चा के साथ गठजोड़ कर सकतीं हैं। यदि ऐसा होता है तो इसका लाभ उन्हें मिलेगा।

हुमायूं ने न सिर्फ बाबरी मस्जिद की नींव रखकर खुद को मुसलमानों के बीच अपने को स्थापित करने की कोशिश की है, बल्कि उन्होंने नई पार्टी बनाकर विधानसभा चुनाव में टीएमसी के लिए मुसीबत भी पैदा कर दी है।

आमने

एक साइट पर मुझे ये तस्वीर मिली। ये बहुत ही प्रभावशाली है। किस प्रकार आरएसएस का जमीनी स्वयंसेवक और जनसंघ बीजेपी का कार्यकर्ता नेताओं के चरणों में फर्श पर बैठकर प्रदेश का सीएम और देश का पीएम बना। ये संगठन की शक्ति है।

–दिग्विजय सिंह

कांग्रेस नेता

सामने

नफरत फैलाने वाले संगठन आरएसएस से हमें नहीं सीखना है। कांग्रेस नफरत के खिलाफ है, कांग्रेस मोहब्बत वाले हैं। आरएसएस से सीखने के लिए कुछ नहीं है। गांधी की पार्टी का हूं। 140 साल पहले कांग्रेस एक कमरे में बनी और लोगों की पार्टी बन गई।

–माणिकम टैगोर

कांग्रेस सांसद

फिसलता रुपया: आम आदमी व उद्योगों पर असर

रजत मेहरोत्रा

वित्तीय एवं आर्थिक विशेषज्ञ

भारतीय रुपया एक बार फिर ऐतिहासिक दबाव में है और डॉलर के मुकाबले 90 के स्तर से नीचे फिसलने की आशंका ने नीति-निर्माताओं से लेकर आम लोगों तक की चिंता बढ़ा दी है। पिछले दो वर्षों में रुपया लगभग 12–15 प्रतिशत तक कमजोर हुआ है। जहां 2022 में डॉलर 76–77 के आसपास था, वहीं अब यह 89–90 के नजदीक पहुंच चुका है। यह गिरावट केवल एक मुद्रा मूल्य का उतार-चढ़ाव नहीं है, बल्कि इसका सीधा असर भारत की अर्थव्यवस्था, महंगाई, आयात-निर्यात, निवेश, औद्योगिक लागत और आम उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ता है। ऐसे में सवाल यह है कि क्या कमजोर होता रुपया भारत के लिए खतरनाक संकेत है, या फिर कुछ क्षेत्रों के लिए यह अवसर भी पैदा करता है? और इस चुनौती से निपटने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) क्या कर रहा है?

रुपये की गिरावट के कई वैश्विक और घरेलू कारण हैं। वैश्विक स्तर पर अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा लंबे समय तक ऊंची ब्याज दरें बनाए रखना, डॉलर इंडेक्स का मजबूत होना, पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में अस्थिरता और वैश्विक पूंजी का उभरते बाजारों से अमेरिका की ओर जाना- ये सभी कारक रुपये पर दबाव बनाते हैं। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का लगभग 85 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है। जब कच्चा तेल 80 डॉलर से ऊपर टिकता है और रुपया कमजोर होता है, तो आयात बिल तेजी से बढ़ता है। केवल तेल आयात पर ही भारत सालाना 160–180 अरब डॉलर खर्च करता है। ऐसे में रुपये की गिरावट से सरकार और अर्थव्यवस्था पर हजारों करोड़ का अतिरिक्त बोझ पड़ता है।

घरेलू मोर्चे पर भी चुनौतियां कम नहीं हैं। भारत का चालू खाता घाटा (करंट अकाउंट डेफिसिट) कुछ तिमाहियों में GDP के 1.5–2 प्रतिशत के आसपास बना हुआ है। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (FPI) की लगातार निकासी भी रुपये को कमजोर करती है। जब विदेशी निवेशक भारतीय शेयर और बॉन्ड बाजार से पैसा निकालते हैं, तो डॉलर की मांग बढ़ती है और रुपया दबाव में आ जाता है। इसके अलावा भारत में महंगाई का स्तर, सरकारी उधारी, व्यापार घाटा और आयात-निर्भरता भी रुपये के कमजोर होने में योगदान देते हैं।

रुपये की कमजोरी का सबसे पहला और सीधा असर महंगाई पर पड़ता है। भारत जो भी पेट्रोलियम उत्पाद, गैस, कोयला, खाद्य तेल, उर्वरक, इलेक्ट्रॉनिक्स और दवाओं के कच्चे माल का आयात करता है, वे सभी डॉलर में भुगतान होते हैं। जब डॉलर महंगा होता है, तो देश के भीतर इन वस्तुओं की कीमतें बढ़ती हैं। केवल पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर ही नहीं, बल्कि ट्रांसपोर्ट, दवाइयों, खाद्यान्न और रोजमर्रा की वस्तुओं पर भी इसका असर पड़ता है। अनुमान है कि रुपये में 5 प्रतिशत की गिरावट से थोक महंगाई में लगभग 0.8–1 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हो सकती है। इसका बोझ अंततः आम लोगों पर पड़ता है, जिसकी आय तो स्थिर रहती है, लेकिन खर्च बढ़ता जाता है।

कमजोर रुपया पूरी तरह नकारात्मक भी नहीं है। निर्यात क्षेत्र के लिए कमजोर मुद्रा कई बार वरदान साबित होती है। आईटी सेवाएं, फार्मास्यूटिकल्स, टेक्सटाइल, ऑटो पार्ट्स, केमिकल्स और इंजीनियरिंग गुड्स जैसे क्षेत्रों को कमजोर रुपये से प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त मिलती है। इन क्षेत्रों की डॉलर में होने वाली कमाई रुपये में बदलने पर ज्यादा हो जाती है, जिससे उनके मुनाफे बढ़ते हैं। भारत का कुल निर्यात अब 770 अरब डॉलर के आसपास पहुंच चुका है। इसमें सेवा निर्यात की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है। कमजोर रुपया निर्यातकों के लिए अल्पकालिक लाभ जरूर देता है, लेकिन मुद्रा बार-बार अस्थिर हो तो लंबी अवधि में निवेश और योजना पर नकारात्मक असर पड़ता है।

उद्योगों पर रुपये की गिरावट का असर दोहरा होता है। जो कंपनियां आयातित कच्चे माल पर निर्भर हैं, जैसे- पेट्रोकेमिकल, पॉवर, एविएशन, इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटोमोबाइल, उनकी लागत तेजी से बढ़ती है। उदाहरण के लिए एविएशन सेक्टर में ईंधन लागत कुल खर्च का 40–45 प्रतिशत होती है। जब डॉलर महंगा होता है, तो एयर टर्बाइन फ्यूल महंगा हो जाता है और टिकट दरों पर दबाव बढ़ता है। वहीं दूसरी ओर आईटी, फार्मा और एक्सपोर्ट-ओरिएंटेड कंपनियों को कमजोर रुपये से फायदा होता है। इस असमान असर के कारण शेयर बाजार में भी सेक्टर-वार उतार-चढ़ाव देखने को मिलता है।

आम उपभोक्ता के नजरिए से देखा जाए तो कमजोर रुपया जीवन को और महंगा बनाता है। मोबाइल, लैपटॉप, इलेक्ट्रॉनिक सामान, मेडिकल उपकरण, विदेशी शिक्षा, विदेश यात्रा और आयातित खाद्य पदार्थ सब कुछ महंगा हो जाता है। विदेश में पढ़ने वाले छात्रों को अब पहले से कहीं ज्यादा रुपये खर्च करने पड़ रहे हैं, क्योंकि डॉलर में ट्यूशन फीस और रहन-सहन का खर्च सीधे बढ़ जाता है। इसी तरह विदेश यात्रा भी आम आदमी की पहुंच से और दूर होती जा रही है।

पिछले दो वर्षों में रुपया लगभग 12–15 प्रतिशत तक कमजोर हुआ है। जहां 2022 में डॉलर 76–77 के आसपास था, वहीं अब यह 89–90 के बेहद नजदीक पहुंच चुका है।

सोशल फोरम

शिक्षा के नाम पर कैसा समाज बना रहे हैं हम

गोरखपुर में नर्सरी में पढ़ने वाली एक बच्ची जब स्कूल जा रही थी, तो उसने पापा से ज़िद की कि उसे डीएम साहब से मिलना है। वो अपने पापा को लेकर डीएम ऑफिस पहुंच गई और वहां जाकर उसने डीएम से कहा कि मुझे आपकी तरह डीएम बनना है। इस घटना से भावुक 'स्कूली शिक्षित' लोग भाव-विभोर होकर वाह-वाह कर रहे हैं, क्योंकि इन सबके घरों का यही माहौल होता है। बच्चों को डीएम, डॉक्टर, इंजीनियर बनाने का इनका सपना होता है और इसे ये शिक्षा बोलते हैं।

सिद्धार्थ ताबिश

लेखक

जब डीएम ने उस बच्ची से पूछा कि तुम्हें मेरे जैसा क्यों बनना है? तो उसने कहा कि 'घर में सब लोग मुझे कहते हैं कि तुम्हें डीएम बनना है।' ये घर का माहौल है, जो नर्सरी की बच्ची को डीएम बनने को बोल रहा है। अब अगर आगे चलकर इस बच्ची को समझ आ गई और वो अपने दिमाग से चलने और सोचने लगेगी और कहीं वो ये निर्णय कर बैठी कि उसे बस 'बांसुरी' बजाना है जीवन में, तो इन घर वालों का दिल टूट जाएगा। इनके सपने टूट जाएंगे। ये दूसरों से कहेंगे कि हमने क्या-क्या सपना देखा था, मगर इसने सब चकनाचूर कर दिया। बचपन में कितनी समझदार थी कि डीएम से मिलने पहुंच गई थी। पेपर में भी इसका नाम आ गया था।

आप के घरों में जो माहौल होता है, बच्चे वही करते हैं। आपको लगता है कि आप अपने बच्चों पर कोई दबाव नहीं बनाते हैं, मगर आप ने ऐसा भयंकर मनोवैज्ञानिक दबाव बचपन से बना रखा होता है कि आपके बच्चे आपके अपने 'सपनों' और आपकी अपनी 'महत्वाकांक्षाओं' से अलग कुछ सोच नहीं पाते हैं। वो बेचारे ये समझते हैं कि उन्हें डॉक्टर बनना है, जबकि ये उनका नहीं आपका सपना होता है।

सोचिए कोई क्यों डॉक्टर बनना चाहेगा? 24 घंटे मरीज़ से घिरे रहना, बीमारी, गंदगी, उल्टी, मवाद, गू-मूत्र इत्यादि देखना और उसी में जीवन बिताना। आपके आस-पास कभी कोई स्वस्थ औरा बन ही नहीं पाता है। जिस अस्पताल में लोग जाने से घबराते हैं और दुआ करते हैं कि भगवान उन्हें कभी अस्पताल न पहुंचाएं, वहां आपको 24 घंटे और सारी उम्र रहना है। ये कोई ड्रीम जॉब है? ये कुछ ऐसा है, जिसे करने की लालसा किसी के मन में 'प्राकृतिक' रूप से जन्म ले? नहीं, प्राकृतिक रूप से आप के भीतर डॉक्टर बनने की चाहत कभी नहीं आती है। **–फेसबुक वाल से**

सामयिकी

असम में 'मियां मुस्लिम' बेदखली अभियान

असम की भाजपा सरकार घुसपैठियों को नियंत्रित करने के लिए 'मियां मुस्लिम' बेदखली अभियान चला रही है। 'मियां मुस्लिम' उन लोगों को कहा जाता है, जो बाग्लादेशी मूल के हैं और अवैध रूप से भारत में आकर बसे हुए हैं। इस तरह के लोगों को अन्य नाम से भी पुकारा जाता है, पहचान किया जाता है। अन्य नामों में बांग्लादेशी, रोहिंग्या शामिल है। खासकर असम में 'मियां मुस्लिम' एक अपमानजनक नाम और पहचान है। 'मियां मुस्लिम' समूह पर आरोप है कि इन लोगों ने बांग्लादेश, म्यांमार और पाकिस्तान से आकर असम की डेमोग्राफी को बदला है। सरकारी जमीन पर कब्जा किया है। जंगलों का सफाया किया है। पहाड़ों को तोड़ा है।

आमतौर पर यह धारणा असम के अंदर मजबूत है और इसी के ईद-गिर्द असम की राजनीति भी घूमती-फिरती है। सतारूढ़ दल की भी सोच यही है। सत्तारूढ़ दल, जहां 'मियां मुस्लिम' बेदखली अभियान से लाभार्थी होने की रणनीतियां बनाता है, वहीं विपक्ष कांग्रेस और अन्य मुस्लिम राजनीतिक पार्टियां 'मियां मुस्लिम' बेदखली अभियान को मुसलमानों को अपमानित करने और मुसलमानों को प्रताड़ित करने के साथ ही साथ उन्हें घर-बार से वंचित करने के तौर पर देखता है। इससे अपना जनाधार विकसित करता है। यह कहना कि फायदे की राजनीति, तनाव की राजनीति, नफरत की राजनीति सिर्फ सत्ताधारी पार्टी भाजपा ही करती है, पूरी तरह से सच नहीं है।

आचार्य श्रीहरि

लेखक

रोहिंग्याओं और बांग्लादेशियों को संरक्षण देकर बसाने और रोजगार उपलब्ध कराकर अपना जनाधार संरक्षित करने का काम कांग्रेस और मुस्लिम पार्टियां भी करती हैं, लेकिन सच को दबाया नहीं जा सकता है। छुपाया नहीं जा सकता है। रोहिंग्या और बांग्लादेशियों की अवैध घुसपैठ एक सच है, जो प्रमाणित है। अवैध घुसपैठ के कारण न सिर्फ असम की डेमोग्राफी बदली है, खतरनाक हुई है, हिंसक हुई है, बल्कि देश के अन्य भागों में इसकी एक झलक देखने को मिलती है। रोहिंग्याओं और बांग्लादेशियों की अवैध घुसपैठ को राष्ट्रीय सुरक्षा का प्रतीक और सनातन संहार का विषय और कारण मान लिया गया है।

एलानिया तौर पर असम में 'मियां मुस्लिम' बेदखली अभियान जोरों पर है। इसको लेकर असम की भाजपा सरकार भी गंभीर है और सक्रिय है तथा आक्रामक है। असम भाजपा सरकार कोई कोताही बरतने के लिए तैयार नहीं है। अभियान को जोरशोर से चलाया जा रहा है। अभी तक हजारों घरों को तोड़ा गया है। उस पर बुलडोजर चला दिया गया है। खेती की जमीन पर अतिक्रमण हटा दिया गया है। बुलडोजर चलने का आधार यह है कि सरकारी जमीन है, जिस पर अवैध कब्जा है। सरकारी जमीन पर कभी जंगल था, सरकारी जमीन पर कभी पहाड़ था, कभी पेड़-पौधे थे, जिसे काटकर घर बनाए गए और खेती के लिए जमीन बनाई गई।

अगले वर्ष असम में चुनाव हैं। चुनाव के दृष्टिकोण से ही बेदखली अभियान प्रभावी है। भाजपा का आरोप है कि 'मियां मुस्लिम' ग्रेटर राज के लिए घुसपैठ जारी है। हिंदुओं को बलपूर्वक भयभीत किया जा रहा है और उन्हें अपने मूल स्थान से भागने के लिए विवश किया जा रहा है। असम के कई जिले देखते-देखते मुस्लिम बहुल हो गए। कई विधान सभा क्षेत्र मुस्लिम बहुल हो गए, जहां पर मुस्लिम उम्मीदवार की ही जीत अनिवार्य हो गई है। असम में मुसलमानों की एक नयी पार्टी भी बन गई है, जो न केवल प्रभावी है बल्कि अपना दखल भी विशेष रखती है। असम यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट नाम की मुस्लिम पार्टी पर विदेशी घुसपैठियों को संरक्षण देने के आरोप लगते रहे हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

आउटिंग के लिए हमेशा बड़ी गाड़ियों की जरूरत होती है। अगर आप एडवेंचर पसंद हैं और आपको पहाड़ों पर जाना पसंद है तो आपके लिए मार्केट में कई गाड़ियां हैं। हर गाड़ी की अपनी खूबियां हैं। अहम है आपकी जरूरत और पंसद कैसी है। यह गाड़ियां ऐसी हैं, जिनमें फैमिली के साथ सुहाने सफर पर निकला जा सकता है। हम यहां बात करेंगे महिंद्रा थार रॉक्स, मारुति सुजुकी जिम्नी और फोर्स गुरखा 5-डोर की। जानिए कौन सी एसयूवी है, फैमिली और एडवेंचर दोनों के लिए बेस्ट।

Thar Roxx वर्सेज Jimny Vs Gurkha 5-Door

मार्केट में कई ऑफ-रोड एसयूवी आ गई हैं। सभी बहुत खूबसूरत और जबरदस्त हैं। ताकतवर इंजन, स्टाइलिश लुक के साथ ही इनमें बेहतरीन फीचर्स भी हैं। महिंद्रा थार रॉक्स, मारुति सुजुकी जिम्नी और फोर्स गुरखा 5-डोर- तीनों ही दमदार इरादों के साथ मार्केट में हैं। इनमें से कोई बेहतरीन टेक्नोलॉजी के साथ मैदान में है, तो कोई दमदार परफार्मेंस के साथ तो कोई हल्के वजन और अपनी सादगी के साथ लुभा रही है। सबसे अहम बात यह है कि आपकी जरूरत कैसी है और जंगल व पहाड़ पर एडवेंचर टूर के लिए आप किसको पसंद करते हैं।

कौन है ऑफ रोडर सुल्तान

बात फैमिली के साथ सफर की

अगर बात रियर सीट की करें, तो थार रॉक्स इन सबमें बेहतर है। इसमें पैरों के लिए काफी जगह है। एडजस्टेबल बैकरेस्ट है। साथ ही पैनोरमिक सनरूफ फैमिली इस्तेमाल को आसान बनाते हैं। जिम्नी चार-सीटर है और पीछे बैठने वालों को सीमित जगह से समझौता करना पड़ सकत है। गुरखा की खासियत इसका तीसरा रो है, लेकिन वहां पहुंचना और सामान के साथ इस्तेमाल करना उतना आसान नहीं लगता है।

ऑफ-रोड पर दमदारी किसकी

तीनों ही एसयूवी का बेस ऑफ-रोडर है। लैडर-फ्रेम चेसिस और लो-रेंज गियरिंग इनकी खूबरियां हैं। जिम्नी की खूबी उसका छोटा आकार और हल्का वजन है। बिना डिफरेंशियल लॉक के भी अगर सही लाइन पकड़ ली जाए तो जिम्नी मुश्किल रास्तों से भी आसानी से निकल जाती है। गुरखा 5-डोर- जैसा इसका नाम है वैसा ही इसका काम है। यह देसी, रॉ और मैकेनिकल फील देता है। फ्रंट और रियर डिफ लॉक इसकी खूबी है, जो कठिन हालात में बड़े काम के साबित होते हैं। थार रॉक्स की अपनी विशेषताएं हैं। इलेक्ट्रॉनिक रियर डिफ लॉक, हल्का इलेक्ट्रिक स्टीयरिंग और बेहतरीन कंट्रोल इसकी तकनीकी खूबियां हैं जो इसे ताकत भी देते हैं। लंबा व्हीलबेस होने के बावजूद ऑफ-रोड क्षमता में कोई कमी फील नहीं होती है।

लुक और रोड प्रेजेंस

जिम्नी सबसे कॉम्पैक्ट है। इसे शहर में चलाना आसान है। गुरखा 5-डोर ऊंचाई और बॉक्सी डिजाइन के कारण रोड पर काफी भारी-भरकम दिखती है- स्नॉर्कल और रूफ रैक इसे एडवेंचर रेडी बनाते हैं। जहां तक थार रॉक्स की बात है तो स्टाइल और साइज की इसकी बात दीगर है। केबिन में कदम रखते ही इसका प्रीमियम एहसास अलग फील कराता है। बड़ा टचस्क्रीन, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट्स अच्छा एहसास करता हैं। गुरखा का इंटीरियर अभी भी बेसिक सा ही है।

इंजन की दमदारी

जिम्नी का पेट्रोल इंजन काफी बेहतर है, लेकिन हाईवे पर इसका जोश थोड़ा कम सा फील कराता है। गुरखा में नया डीजल इंजन है, जो पहले से कहीं बेहतर है। थार रॉक्स का डीजल इंजन काफी बेहतर है। ताकत, रिस्पॉन्स और गियर बॉक्स का तालमेल शहर, हाईवे और ऑफ-रोड- तीनों जगह बेहतर परफार्मेंस देता है। इसकी स्टीयरिंग भी ज्यादा आधुनिक और हल्की है।

सेफ्टी और कीमत

सेफ्टी फीचर्स में थार रॉक्स काफी बेहतर है। इसमें छह एयरबैग हैं। साथ ही स्टेबिलिटी कंट्रोल के साथ-साथ एडीएएस जैसी आधुनिक तकनीक इसे ज्यादा भरोसेमंद बनाती है। जिम्नी और गुरखा यहां थोड़ा लिमिटेड लगती है। अगर कीमत का आकलन करें तो जिम्नी सबसे सस्ती है। गुरखा बीच में और थार रॉक्स सबसे महंगी साबित होगी। तीनों की कीमत, फीचर्स, लुक, दमदार इंजन के साथ ही आपकी पसंद तय करेगी कि आपके लिए बेहतर क्या है?

मॉय फर्स्ट राइड

चार पहियों पर आत्मविश्वास की शुरुआत

मेरे लिए पहली बार कार चलाना सिर्फ़ एक नया हुनर सीखना नहीं था, बल्कि अपने डर पर जीत पाने की एक बड़ी कोशिश थी। आज भी उस दिन को याद करती हूं, तो दिल में हल्की-सी घबराहट और ढेर सारी खुशी एक साथ महसूस होती है। मैंने कार चलाना सीखने का फैसला बहुत सोच-समझकर लिया था। मन में कई सवाल थे-क्या मैं ठीक से चला पाउंगी? कहीं गलती हो गई तो? घरवाले और समाज की बातें भी अक्सर कानों में गूंजती थीं कि "महिलाओं के लिए ड्राइविंग मुश्किल होती है।" लेकिन कहीं न कहीं मेरे भीतर यह इच्छा ज़रूर थी कि मैं खुद स्टीयरिंग संभालूं और अपनी राह खुद तय करूं। जिस दिन पहली बार ड्राइविंग सीट पर बैठी, हाथ अपने आप कांप रहे थे। स्टीयरिंग पकड़ते ही उसकी ठंडक हथेलियों तक उतर आई। सामने फैला हुआ डैशबोर्ड, शीशों में दिखती सड़क और पैरों के नीचे क्लच-ब्रेक-सब कुछ नया और थोड़ा डरावना लग रहा था। ट्रेनर ने शांत आवाज में कहा, "डरने की ज़रूरत नहीं, आराम से।"

मैंने गहरी सांस ली और खुद को संभाला। जैसे ही इंजन स्टार्ट किया, दिल जोर-जोर से धड़कने लगा। पहली बार एक्सीलेरेटर दबाते समय ऐसा लगा मानो पूरी दुनिया मुझे देख रही हो।

कार धीरे-धीरे आगे बढ़ी और उसी पल मेरे भीतर कुछ बदल गया। डर अभी भी था, लेकिन उसके साथ एक अजीब-सी खुशी भी जुड़ गई थी। हर गियर बदलने पर आत्मविश्वास थोड़ा-थोड़ा बढ़ रहा था। सड़क पर निकलते ही मैंने शीशे में खुद को देखा। आंखों में डर के साथ-साथ गर्व भी था। मोड़ लेते समय हाथ सख्त हो जाते थे, लेकिन जैसे-जैसे कार मेरी पकड़ में आ रही थी, मन हल्का होता जा रहा था। हवा खिड़की से अंदर आ रही थी और मुझे एहसास हो रहा था कि मैं सिर्फ कार नहीं चला रही, बल्कि अपनी सीमाओं को भी पीछे छोड़ रही हूं।

एक बार कार हल्की-सी झटकी और मैं घबरा गई, लेकिन प्रशिक्षक की मुस्कान और हौसला देखकर फिर से संभल गई। उस छोटी-सी गलती ने मुझे सिखाया कि सीखने की प्रक्रिया में डर और गलतियां दोनों जरूरी हैं। जब ड्राइव खत्म हुई और मैंने कार रोकी, तो दिल से एक लंबी राहत की सांस निकली। चेहरे पर अपने आप मुस्कान आ गई। वह पल मेरे लिए बेहद खास था। पहली बार कार चलाकर मुझे यह एहसास हुआ कि आत्मनिर्भरता कितनी ताकत देती है। आज मैं जब भी कार चलाती हूं, उस पहले दिन को याद करती हूं। वह अनुभव मुझे हर बार याद दिलाता है कि अगर हिम्मत की स्टीयरिंग अपने हाथ में ले ली जाए, तो जिंदगी की कोई भी सड़क मुश्किल नहीं लगती।

-प्रो. प्रीती अभिषेक विमल, नई दिल्ली

नए ड्राइवरों के लिए सुरक्षित ड्राइविंग टिप्स

आज के समय में गाड़ी चलाना केवल एक तकनीकी कौशल नहीं, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी भी है। खासकर नए ड्राइवरों के लिए सड़क पर उतरना उत्साह के साथ-साथ सतर्कता की मांग करता है। ट्रैफिक नियमों की सही समझ, वाहन पर नियंत्रण और धैर्यपूर्ण व्यवहार ही सुरक्षित ड्राइविंग की बुनियाद होते हैं। अक्सर शुरुआती ड्राइवर जल्दबाजी या आत्मविश्वास की कमी के कारण गलतियां कर बैठते हैं, जो दुर्घटनाओं का कारण बन सकती हैं। ऐसे में यह गाइड नए ड्राइवरों को न केवल सुरक्षित ड्राइविंग के आवश्यक नियम सिखाता है, बल्कि उन्हें जिम्मेदार और समझदार चालक बनने की दिशा भी दिखाता है। आइए आपको बताते हैं सुरक्षित आसान टिप्स-

सुरक्षा, समझ और संयम से बनें बेहतर ड्राइवर

आज के तेज रफ्तार दौर में गाड़ी चलाना केवल एक सुविधा नहीं, बल्कि जिम्मेदारी भी है। खासकर नए ड्राइवरों के लिए ड्राइविंग सीखना उत्साह और थोड़ी घबराहट दोनों का मेल होता है। सड़क पर आत्मविश्वास तभी आता है, जब नियमों की समझ, सही अभ्यास और धैर्य साथ हों। यह गाइड नए ड्राइवरों को सुरक्षित, संतुलित और जिम्मेदार चालक बनने में मदद करेगा।

ड्राइविंग से पहले सही तैयारी

ड्राइविंग शुरू करने से पहले सीट, स्टीयरिंग और शीशों को अपने शरीर के अनुसार एडजस्ट करना बेहद जरूरी है। सीट इतनी दूरी पर हो कि क्लच, ब्रेक और एक्सीलेरेटर आराम से दब सकें। रियर और साइड मिरर ऐसे सेट हों कि पीछे और बगल की सड़क साफ दिखाई दे। यह छोटी-सी तैयारी बड़ी दुर्घटनाओं से बचा सकती है।

ट्रैफिक नियम: सड़क की भाषा

ट्रैफिक सिग्नल, रोड साइन और लेन सिस्टम सड़क की भाषा होते हैं। नए ड्राइवरों को इन्हें गंभीरता से समझना चाहिए। रेड लाइट पर रुकना, जेब्रा क्रॉसिंग का सम्मान करना और ओवरस्पीडिंग से बचना- ये सभी आदतें आपको एक सभ्य चालक बनाती हैं। सीट बेल्ट लगाना केवल नियम नहीं, बल्कि जीवन रक्षक उपाय है।

क्लच और ब्रेक पर नियंत्रण

शुरुआती ड्राइवर्स के लिए सबसे चुनौतीपूर्ण काम होता है क्लच कंट्रोल। अचानक क्लच छोड़ना या तेज ब्रेक लगाना गाड़ी को झटके दे सकता है। अभ्यास के साथ धीरे-धीरे क्लच छोड़ना और ब्रेक का संतुलित इस्तेमाल सीखें। स्मूद ड्राइविंग ही सुरक्षित ड्राइविंग की पहचान है।

इंडिकेटर और हॉर्न का शिष्टाचार

मोड़ लेते समय या लेन बदलते वक्त इंडिकेटर देना आपकी जिम्मेदारी है। इससे पीछे और आगे चल रहे ड्राइवर सतर्क रहते हैं। हॉर्न का अनावश्यक इस्तेमाल तनाव और दुर्घटना दोनों बढ़ाता है, इसलिए केवल ज़रूरत पड़ने पर ही हॉर्न बजाएं।

स्पीड पर रखें कंट्रोल

तेज चलाना कौशल नहीं, बल्कि जोखिम है। नई जगहों, ट्रैफिक वाले इलाकों या संकरी सड़कों पर हमेशा धीमी गति रखें। गति नियंत्रण न केवल दुर्घटनाओं से बचाता है, बल्कि ईंधन की भी बचत करता है।

सुरक्षित दूरी का महत्व

आगे चल रही गाड़ी से पर्याप्त दूरी बनाए रखना बहुत जरूरी है। अचानक ब्रेक लगने की स्थिति में यह दूरी आपको प्रतिक्रिया देने का समय देती है। बारिश या धुंध में यह दूरी और बढ़ा देनी चाहिए।

रात की ड्राइविंग में सावधानी

रात में ड्राइव करते समय हाई बीम का गलत इस्तेमाल सामने से आने वाले ड्राइवर के लिए खतरनाक हो सकता है। सामने वाहन होने पर लो बीम का प्रयोग करें और सड़क पर पैदल चलने वालों का विशेष ध्यान रखें।

धैर्य और आत्मविश्वास

शुरुआत में गलती होना सामान्य है। जरूरी है कि आप घबराएं नहीं, जल्दबाज़ी न करें और अनुभव से सीखें। शांत मन और धैर्य ही आपको बेहतर चालक बनाते हैं।

मोबाइल और ड्राइविंग खतरनाक मेल

ड्राइविंग के दौरान मोबाइल फोन का उपयोग जानलेवा साबित हो सकता है। कॉल या मैसेज के लिए गाड़ी किनारे रोकें। सड़क पर आपकी एकाग्रता ही आपकी सबसे बड़ी सुरक्षा है।

एसएस रिटेल ने आईपीओ के लिए सेबी को दिए दस्तावेज

नई दिल्ली। मोबाइल खुदरा कंपनी एसएस रिटेल ने अपनी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये 500 करोड़ जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी के पास प्रारंभिक दस्तावेज भेजे हैं। कंपनी के दाखिल किए दस्तावेज के अनुसार, कंपनी की पहली सार्वजनिक पेशकश 300 करोड़ के शेयरों के ताजा निर्गम के साथ प्रवर्तकों और अन्य शेयरधारकों द्वारा 200 करोड़ की बिक्री की पेशकश का संयोजन होगी।

अमृत विचार
हल्द्वानी, सोमवार, 29 दिसंबर 2025
www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1800, फ़ॉर्चून कि. 2250, रविन्द्रा 2410, फॉर्चुन 13 किग्रा 1980, जय जवान 1990, सचिन 2010, सूरज 1990, अवसर 1870, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1870, क्लासिक (किग्रा) 2145, मोर 2185, चक्र टिन 2315, ब्लू 2100, आशीर्वाद मस्टर्ड 2300, स्वास्तिक 2505

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9400-12000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि0) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु0) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4850, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8200, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 किग्रा, 5 किग्रा) 10100, हरी पति नेचुरल 9100, जेनिथ 8400, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12000-13400, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7350-9200, मलका छँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 7800-8500, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7200, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7700, चना अकोला 6600, डबरा 6700-8800, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 9900, अरहर गोला मोटा 7700, अरहर पटका मोटा 8000, अरहर कोरा मोटा 8500, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4280, बहेड़ी 4220

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 3400, मसूरी- 900, बासमती- 5200, परमल- 1000

दाल दलहन : काला चना- 2500, साबुत चना दाल- 2200, मूंग साबुत- 4000, राजमा- 8200-11900, दाल उड़द- 5800, साबुत मसूर दाल- 3200, मसूर दाल- 2900, उड़द साबुत- 5200, काबुली चना- 8000, अरहर दाल- 10200, लोबिया/करमानी- 1100

अमेरिकी शुल्क के बावजूद भारत का निर्यात स्थिर

भारतीय निर्यातकों ने बाजारों का विविधीकरण करके निर्यात की वृद्धि को बनाए रखा मजबूत

- भारत का निर्यात 2020 में 276.5 अरब डॉलर से बढ़कर 2025 में 407 अरब डॉलर पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी

वर्ष 2025 में अमेरिका ने भारत के निर्यात पर 50% अतिरिक्त शुल्क लगाया, लेकिन भारतीय निर्यातकों ने अपने बाजारों को विविध करके निर्यात वृद्धि को मजबूती से बनाए रखा और यह तेजी 2026 में भी जारी रहने की संभावना है। व्यापार मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, व्यापार पानी की तरह है, यह अपना मार्ग खुद ढूंढ लेता है।

भारतीय वस्तु निर्यात ने कोविड, रूस-यूक्रेन युद्ध, इजराइल-हमास युद्ध, लाल समुद्र शिपिंग संकट, सेमीकंडक्टर आपूर्ति समस्या और अब अमेरिका के उच्च शुल्क जैसी चुनौतियों के बीच भी तेजी से प्रतिक्रिया दी है। भारत का निर्यात 2020 में लगभग 276.5 अरब डॉलर था, जो 2021 में बढ़कर 395.5 अरब डॉलर और 2022 में 453.3 अरब डॉलर हो गया था। 2023 में यह गिरकर 389.5 अरब डॉलर रहा, लेकिन फिर 2024 में यह 443 अरब डॉलर तक पहुंच गया। वर्ष 2025 (जनवरी-नवंबर) तक इसका आंकड़ा लगभग 407 अरब डॉलर हो चुका है।

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का माल और सेवा निर्यात ऐतिहासिक उच्च स्तर 825.25 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जिसमें सालाना आधार पर 6% से अधिक वृद्धि हुई। चालू वित्त वर्ष (अप्रैल-नवंबर 2025) में भी निर्यात 562 अरब डॉलर रहा, जो वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत के लचीलेपन को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान रुझानों के आधार पर 2026 में भी भारत की निर्यात वृद्धि मजबूत रहने की संभावना है। खास तौर पर तीन मुक्त व्यापार समझौते (ब्रिटेन, ओमान और न्यूजीलैंड) अगले साल लागू होने वाले हैं, जो भारतीय वस्तुओं और सेवाओं को बेहतर बाजार पहुंच देंगे। अमेरिका ने 2025 में भारतीय वस्तुओं पर उच्च शुल्क लागू किए। इसके कारण सितंबर और अक्टूबर में अमेरिका के लिए निर्यात प्रभावित हुआ, लेकिन नवंबर 2025 में अमेरिका के लिए निर्यात 22.61 प्रतिशत बढ़कर 6.98 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो निर्यातकों के अनुकूल संकेत है। हालांकि, निर्यातक अभी भी वैश्विक अनिश्चितताओं को लेकर सतर्क हैं। वे अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौता और यूरोपीय संघ के साथ व्यापार समझौते के जल्द पूरा होने की आशा कर रहे हैं ताकि निर्यात को और मजबूती मिले।

व्यापार तथा विनिर्माण गतिविधियों में कमी के संकेत

विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) ने चेताया है कि 2025 में वैश्विक व्यापार केवल 2.4 प्रतिशत बढ़ सकता है, जबकि 2026 के लिए यह अनुमान घट कर 0.5 प्रतिशत हो गया है, जो विकसित अर्थव्यवस्थाओं में व्यापार तथा विनिर्माण गतिविधियों में कमी का संकेत देता है। सरकार ने निर्यातकों को सहायता देने के लिए कई कदम उठाए हैं। इनमें 25,060 करोड़ रुपये के निर्यात प्रचार मिशन, योग्य निर्यातकों को 20,000 करोड़ रुपये तक बिना गिरवी क्रेडिट सुविधा, कर्ज भुगतान में लंबी अवधि, और नये व्यापार समझौतों (एफटीए) का उपयोग शामिल है, ताकि निर्यातियों को वैश्विक चुनौतियों से निपटने में मदद मिले।

बाजारों के विविधीकरण से आगे बढ़ेगा निर्यात

निर्यात विशेषज्ञों के अनुसार, 2026 में भी भारत का निर्यात बढ़ेगा क्योंकि घरेलू वस्तुओं और सेवाओं की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता, उत्पादों तथा बाजारों का विविधीकरण निर्यात को आगे बढ़ाएगा। विशेष रूप से इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात लगभग 39 फीसदी बढ़ा है, जो विदेशी प्रत्यक्ष निवेश के कारण क्षमता निर्माण और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में गहरी हिस्सेदारी को दर्शाता है। इसके अलावा इंजीनियरिंग वस्तु, दवा और वाहन निर्यात भी निरंतर गति बनाए हुए हैं।

बिजली कारोबार शुल्क घटाएगा सीईआरसी

नई दिल्ली, एजेंसी

- दक्षता बढ़ाने, नकदी की मजबूती व एक्सचेंजों में कीमतों को तर्कसंगत बनाने में होगा मददगार
- केंद्रीय आयोग ने जुलाई में दो साल से अधिक समय तक चले विचार-विमर्श के बाद दी थी मंजूरी

केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग बिजली कारोबार एक्सचेंजों पर लगने वाले लेनदेन शुल्क को तर्कसंगत बनाने पर विचार कर रहा है। इस पहल का मकसद बिजली की कीमतों को कम करना है। यह सुधार दक्षता बढ़ाने, नकदी की स्थिति को मजबूत करने और विभिन्न एक्सचेंजों में कीमतों को तर्कसंगत बनाने में मददगार होगा। इस कदम से समय के साथ बिजली खरीदारों के लिए कुल लागत में कमी आ सकती है।

बाजार समेकन को केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग ने इस साल जुलाई में दो साल से अधिक समय तक चले विचार-विमर्श के बाद मंजूरी दी थी। इसे चरणबद्ध तरीके से लागू करने का प्रस्ताव है, जिसकी शुरुआत जनवरी 2026 से की जाएगी। बाजार समेकन का मतलब बिजली की अलग-अलग एक्सचेंजों में होने वाली खरीद-फरोख्त को एक ही प्रणाली में जोड़ देना है, ताकि एक ही कीमत तय हो। एक अधिकारी ने बताया कि सीईआरसी ने दिसंबर 2025 में बिजली एक्सचेंजों द्वारा वसूले जाने वाले लेनदेन शुल्क की समीक्षा पर एक विचार-पत्र को अंतिम रूप दिया है। नाम न बताने की शर्त पर अधिकारी ने कहा कि नियामक यह जांच कर रहा है कि मौजूदा लेनदेन शुल्क ढांचा, जिसकी सीमा प्रति यूनिट दो पैसे है, क्या उस बाजार के लिए सही है, जहां कारोबार की मात्रा तेजी से बढ़ी है और जो एकीकृत मूल्य खोज व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है।

बैंक, वित्तीय संस्थान सतर्कता मामलों की शीघ्र जानकारी दें : वित्त मंत्रालय

नई दिल्ली, एजेंसी

- कई मामलों की जानकारी के बाद वित्तीय सेवा विभाग की ओर से जारी किया निर्देश

वित्त मंत्रालय ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और वित्तीय संस्थानों को निर्देश दिया है कि वे अपनी कंपनियों के पूर्णकालिक निदेशकों से जुड़े सतर्कता संबंधी मामलों की जानकारी तुरंत दें। वित्त मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले वित्तीय सेवा विभाग ने यह निर्देश ऐसे कई मामलों के बाद जारी किया है, जिनमें बोर्ड स्तर पर नियुक्त किए गए अधिकारियों के बारे में नकारात्मक या समस्याग्रस्त जानकारी समय पर साझा नहीं की गई।

कई मामलों में, ऐसी महत्वपूर्ण नकारात्मक जानकारी जैसे निजी शिकायतें, अदालत के नोटिस या टिप्पणियां, संदर्भ या सीबीआई और अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों की जानकारी केवल उस समय साझा की जा रही है जब सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के मुख्य सतर्कता अधिकारियों (सीवीओ) से विशेष रूप से सतर्कता मंजूरी मांगी जाती है। इस माह जारी की गई सलाह में बिना किसी विशेष मामले का जिक्र किए कहा गया कि कुछ मामलों में पूरे समय कार्यरत निदेशकों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी को सतर्कता मंजूरी के फॉर्म में नहीं भरा जाता, इस वजह से कि ऐसे खुलासे के लिए कोई अलग कॉलम मौजूद नहीं है।

सलाह में कहा गया कि किसी भी महत्वपूर्ण जानकारी को छोड़ना, खासकर नियुक्ति, पदोन्नति, बोर्ड स्तर की नियुक्ती और पूरे समय कार्यरत निदेशकों की तैनाती से जुड़ी जानकारी, गंभीर चिंता का विषय है। इसलिए सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों से ऐसी मामलों में सख्त पालन की उम्मीद की जाती है। वित्तीय सेवा विभाग ने बैंकों और वित्तीय संस्थानों को निर्देश दिया है कि वे बोर्ड स्तर के अधिकारियों के बारे में किसी भी नकारात्मक जानकारी को तुरंत सूचित करें, भले ही वह जानकारी किसी अन्य भूमिका से संबंधित हो।

आर्थिक आंकड़े, विदेशी निवेशक तय करेंगे बाजार की चाल

नई दिल्ली, एजेंसी

इस सप्ताह शेयर बाजार में निवेशकों की धारणा व्यापक आर्थिक आंकड़ों, वैश्विक रुझानों और विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियों से प्रभावित होगी। विश्लेषकों ने कहा कि वाहन बिक्री के आंकड़ों पर भी करीबी नजर रखी जाएगी। कुछ कारोबारी सत्र ही बाकी रहने से शेयर बाजारों के सीमित दायरे में रहने का अनुमान है, हालांकि रुझान सकारात्मक रह सकता है।

रिलायंस ब्रोकिंग लिमिटेड में वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा कि इस सप्ताह कैलेंडर वर्ष 2026 की शुरुआत होगी, और दिसंबर के वायदा-विकल्प सौदे पूरे होने से अधिक उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। घरेलू स्तर पर जिन प्रमुख आंकड़ों पर नजर रहेगी, उनमें नवंबर का औद्योगिक उत्पादन सूचकांक और एचएसबीसी विनिर्माण पीएमआई हैं। वैश्विक स्तर पर अमेरिका से जुड़े व्यापक आर्थिक संकेतों पर नजर रखेंगे, जिनमें एफओएमसी बैठक का ब्योरा और फेडरल रिजर्व की बैलेंस शीट से जुड़ी जानकारियां हैं। एनरिच मनी के सीईओ पोन्मुडी आर ने कहा कि कुछ कारोबारी सत्र ही बाकी रहने से इक्विटी बाजारों के सीमित दायरे में रहने का अनुमान है। इस सप्ताह निघरेलू और विदेशी स्तरों पर व्यापक आर्थिक आंकड़ों से प्रभावित होगी।

सात कंपनियों की पूंजी 35,439 करोड़ रुपये घटी

छुट्टियों से छोटे रहे गत सप्ताह में शीर्ष 10 में शामिल सात मूल्यवान कंपनियों का संयुक्त बाजार पूंजीकरण 35,439.36 करोड़ रुपये घट गया। भारतीय स्टेट बैंक को सबसे अधिक नुकसान हुआ। शीर्ष कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो और भारतीय जीवन बीमा निगम की पूंजी में गिरावट आई। दूसरी ओर एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल और इंफोसिस लाभ में रहे।

राष्ट्रीय

जमीनी स्तर की योजनाओं से मिलती हैं बड़ी उपलब्धियां

आईएमए नेटकॉन 2025 को अमित शाह ने किया संबोधित

- केंद्रीय गृह मंत्री बोले- मलेरिया के मामलों में 97% की गिरावट, देश शीघ्र ही इस बीमारी से होगा मुक्त

अहमदाबाद, एजेंसी

100वें आईएमए नैटकॉन 2025 में शामिल केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और आईएमए के पूर्व अध्यक्ष केतन देसाई।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि उपलब्धियां तभी हासिल होती हैं जब योजनाओं को जमीनी स्तर पर उतारा जाता है। भारत में मलेरिया के मामलों में 97% कमी आई है और देश जल्द इससे मुक्त होगा। अहमदाबाद के शेला में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के ऑल इंडिया मेडिकल कॉन्फ्रेंस-आईएमए नेटकॉन 2025 को शाह संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत और मिशन इंद्रधनुष जैसी विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं से मलेरिया में 97 प्रतिशत कमी आई है और हम जल्द मलेरिया से मुक्त होंगे। सरकार डेंगू से होने वाली मृत्यु दर को घटाकर एक प्रतिशत तक लाने में सफल रही है। मातृ मृत्यु दर में 25% की कमी आई है। केंद्र का स्वास्थ्य बजट 2014 के 37,000 करोड़ रुपये से बढ़कर प्रधानमंत्री मोदी के शासनकाल में अब 1.28 लाख करोड़ हो गया है। नागरिकों के स्वास्थ्य में अभूतपूर्व बदलाव के लिए भी काम किया गया है। शाह ने कहा कि आईएमए की भूमिका आज और भी महत्वपूर्ण हो गई है क्योंकि प्रधानमंत्री के 2047 तक विकसित भारत की दिशादृष्टि को साकार करने के लिए देश को एक स्वस्थ जनसांख्यिकी की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इस प्रयास के कुछ प्रमुख घटक स्वच्छ भारत मिशन, आयुष्मान भारत, 'फिट इंडिया मूवमेंट' और 'खेलो इंडिया' हैं। उन्होंने बताया कि हमने जेनेरिक दवाएं किफायती बनाई, जीएसटी हटाकर कई दवाओं की लागत कम की और मेडिकल सीट की संख्या बढ़ाई। हम अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एआईएमएस) की पहुंच का विस्तार कर रहे हैं। हम एम्स के माध्यम से एक कार्यक्रम शुरू करेंगे जिसके तहत टेलीमेडिसिन और वीडियोग्राफी के जरिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) को मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा।

राहुल गांधी लोगों की पसंद का विरोध करेंगे, तो वोट कैसे मिलेंगे

अहमदाबाद। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि अगर कोई पार्टी लोगों को पसंद आने वाली हर चीज का विरोध करती है, तो उसे वोट नहीं मिलेंगे। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि राहुल गांधी को यह सरल तर्क समझाना उनकी क्षमता से परे है, क्योंकि कांग्रेस के नेता भी इसे समझाने में विफल रहे हैं। शाह अहमदाबाद शहर के पास एक गांव में एक सभा को संबोधित कर रहे थे। शाह ने कहा कि हाल ही में लोकसभा में हुई बहस के दौरान, राहुल गांधी ने मुझसे अजीब सवाल पूछा- चुनाव में हर बार सिर्फ उनकी पार्टी ही क्यों हारती है? उन्होंने लोगों से पूछने के बजाय मुझसे पूछा। राहुल बाबा, अगर आप मेरे द्वारा शुरू की गई इन दो पहल को समझेंगे, तो आपको इसका जवाब मिल जाएगा। भाजपा नेता ने कहा कि राहुल गांधी को हार से थकना नहीं चाहिए क्योंकि कांग्रेस आगामी तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में निश्चित रूप से हारेगी।

भाजपा की सफलता लोगों का सिद्धांतों से जुड़ना

उन्होंने दावा किया कि 2029 के लोकसभा चुनावों में भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा विजयी होगी। हमारी सफलता का कारण यह है कि लोग हमारे सिद्धांतों से जुड़े हैं। कांग्रेस ने राम मंदिर, आतंकियों पर सर्जिकल स्ट्राइक, अनुच्छेद 370 को हटाने, समान नागरिक संहिता, तीन तलाक विरोधी अधिनियम और बांग्लादेशी घुसपैठियों को बाहर निकालने के हमारे अभियान का विरोध किया था। उन्होंने कहा कि अब बताइए, अगर आप लोगों का विरोध करेंगे तो आपको वोट कैसे मिलेंगे? लेकिन राहुल बाबा को यह सरल तर्क समझाना मेरी क्षमता से परे है, क्योंकि कांग्रेस के नेता भी ऐसा करने में असफल रहे हैं। नवी वंजार में आयोजित कार्यक्रम में शाह ने 173 निवासियों को सनद (भूमि स्वामित्व प्रमाण पत्र) सौंपे।

सिक्किम में उप्र के पर्वतारोही की मौत

गंगटोक। सिक्किम के प्रसिद्ध गोएचाला पर्वतारोहण मार्ग पर उत्तर प्रदेश के 45 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान सूरज तिवारी के रूप में हुई है। वह अपने दो दोस्तों के साथ यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल खांगचेंद्जोंगा राष्ट्रीय उद्यान में आठ दिन की गोएचाला पर्वतारोहण यात्रा पर गया था।

पुलिस ने बताया कि उसने गुरुवार को चढ़ाई शुरू की थी तभी सुबह नौ बजे कोक्चुरोंग शिविर के पास उसकी तबीयत खराब हो गई और उसमें लकवे जैसे लक्षण दिखाई देने लगे। साथी पर्वतारोहियों और गाइड ने उसे प्राथमिक उपचार दिया। स्थानीय लोगों और अन्य पर्वतारोहियों की मदद से उसे युकसोम ले जाए जाने के दौरान गुरुवार शाम आठ बजे 12,100 फुट की ऊंचाई पर स्थित फेदांग के पास उसकी मौत हो गई। उसका शव ग्यालशिंग जिला अस्पताल लाया गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

तकनीकी मुद्दे से बंगाल में छूटे मतदाताओं की सुनवाई रुकी

- निर्वाचन आयोग ने जिला चुनाव अधिकारियों को फिर जारी किए निर्देश
- 2002 की सूची के पीडीएफ को सीएसवी में परिवर्तित न कर पाने से समस्या हुई उत्पन्न

कोलकाता, एजेंसी

निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल के जिला चुनाव अधिकारियों को फिर निर्देश जारी किया है कि मौजूदा एसआईआर प्रक्रिया के दौरान 2002 की मतदाता सूचियों के डिजिटलीकरण में तकनीकी समस्याओं के कारण बीएलओ एप में जो मतदाता छूट गए हैं उन्हें सुनवाई के लिए नहीं बुलाया जाना चाहिए, भले ही सिस्टम द्वारा ऐसे नोटिस स्वतः उत्पन्न हो गए हों। पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय द्वारा शनिवार को जारी निर्देश में कहा गया है कि यह समस्या 2002 की मतदाता सूची के पीडीएफ संस्करण को सीएसवी प्रारूप में पूरी तरह से परिवर्तित न कर पाने के कारण उत्पन्न हुई है।

परिणामस्वरूप कई मतदाताओं के लिए बीएलओ एप में लिंकिंग में समस्या आ रही है। राज्य में पिछला विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) 2002 में हुआ था। आयोग ने कहा है कि सिस्टम में दर्ज नहीं के रूप में चिह्नित होने के बावजूद, ऐसे कई मतदाताओं का 2002 की मतदाता सूची की हार्ड कॉपी के साथ वैध स्व-पहचान या वंशज संबंध है, जिसे जिला चुनाव अधिकारियों (डीईओ) द्वारा विधिवत प्रमाणित किया गया है और सीईओ की वेबसाइट पर प्रकाशित किया गया है। सीईओ कार्यालय ने कहा कि ऐसे मामलों में स्वचालित रूप से उत्पन्न होने वाले सुनवाई नोटिसों को तामील करने की जरूरत नहीं है और उन्हें चुनावी पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) या सहायक चुनावी पंजीकरण अधिकारी (एईआरओ) के स्तर पर रख लिया जाना चाहिए। निर्देशों के अनुसार, 2002 की सूची के अंश को संबंधित डीईओ को निर्वाचन आयोग के दिशानिर्देशों के अनुसार सत्यापन हेतु भेजे जा सकते हैं, जिसके बाद ईआरओ या एईआरओ उचित निर्णय ले सकते हैं।

केंद्र ने प. बंगाल के सीईओ को दी वाई-प्लस श्रेणी सुरक्षा

नई दिल्ली/कोलकाता। एसआईआर प्रक्रिया के मद्देनजर केंद्र सरकार ने पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) मनोज अग्रवाल को संभावित खतरे को देखते हुए सशस्त्र सुरक्षा प्रदान की है। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा 26 दिसंबर को जारी आदेश के बाद अग्रवाल को कोलकाता में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की वाई-प्लस श्रेणी की सुरक्षा दी गई है। अग्रवाल की निजी और आवास की सुरक्षा के लिए सीआईएसएफ वीआईपी सुरक्षा विंग के 11-12 सशस्त्र कर्मियों की टीम तैनात की गई है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद अधिकारी को संभावित खतरों को लेकर केंद्रीय एजेंसियों से मिली सूचना के चलते सुरक्षा व्यवस्था जरूरी हो गई।

एसआईआर के बीच एक और बीएलओ की मौत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा जिले में रविवार को बूथ-स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) मृत पाया गया, जिसके बाद इन आरोपों को बल मिलने लगा है कि मतदाता सूची में जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से संबंधित काम के दबाव ने इसमें मुख्य भूमिका निभाई हो सकती है। यह घटना रानीबांध ब्लॉक में हुई। पुलिस ने बताया कि मंडल शिक्षक थे और वह रानीबांध ब्लॉक के रजकाटा क्षेत्र के अंतर्गत बूथ संख्या 206 के बीएलओ थे। मौके से मृतक के हस्ताक्षर वाला लिखित नोट मिला है, जिसमें उन्होंने काम के दबाव को झेलने में असमर्थता का जिक्र किया है। राज्य में अब तक एसआईआर के कारण चार बीएलओ सहित 39 आम नागरिकों की मौत हो चुकी है।

कांग्रेस एक विचारधारा और ये नहीं मरती

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस के 140वें स्थापना दिवस पर पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को कहा कि कांग्रेस एक विचारधारा और विचारधाराएं कभी नहीं मरतीं। खरगे ने इंदिरा भवन स्थित पार्टी मुख्यालय में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से कहा कि कांग्रेस के महान नेताओं के कारण ही भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र बन पाया।

उन्होंने कहा कि मैं उन लोगों से कहना चाहता हूं, जो कहते हैं कि कांग्रेस का अंत हो गया है। हमारी शक्ति भले ही कम हो गई हो, लेकिन हमारा हौसला अब भी बुलंद है। हमने किसी से समझौता नहीं किया, न संविधान से, न धर्मनिरपेक्षता से और न ही गरीबों के अधिकारों से। हम भले ही सत्ता में न हों, लेकिन हम समझौता नहीं करेंगे। खरगे ने बताया कि कांग्रेस ने कभी धर्म के नाम पर वोट नहीं मांगे और जोर देकर कहा कि पार्टी ने कभी मंदिर-मस्जिद के नाम पर नफरत नहीं फैलाई। कांग्रेस एकजुट करती है, जबकि भाजपा) बांटती है।

कांग्रेस राजनीतिक दल नहीं, भारत की आत्मा : राहुल

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस सिर्फ राजनीतिक दल नहीं, बल्कि भारत की आत्मा है, जो हर कमजोर, वंचित और मेहनतकश के साथ खड़ी है। उन्होंने पार्टी मुख्यालय इंदिरा भवन में आयोजित स्थापना दिवस में भाग लिया। गांधी ने एक्स पर कहा, संकल्प है कि नफरत, अन्याय और तानाशाही के खिलाफ सत्य, साहस और संविधान की रक्षा की लड़ाई और अधिक मज़बूती से लड़ेंगे। आज भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के स्थापना दिवस पर हर कांग्रेसजन को हार्दिक शुभकामनाएं।

दिग्विजय का शशि थरूर ने किया समर्थन कहा- संगठन को मजबूत करना चाहिए

शशि थरूर ने दिग्विजय सिंह का समर्थन करते हुए कहा कि संगठन को मजबूत करना चाहिए। थरूर इंदिरा भवन मुख्यालय में दिग्विजय सिंह के बगल में बैठे थे। दिग्विजय सिंह ने शनिवार को आरएसएस और भाजपा की संगठनात्मक ताकत की सराहना की। उन्होंने प्रधानमंत्री की तस्वीर साझा करते हुए कहा था कि किस तरह एक कार्यकर्ता मुख्यमंत्री और फिर प्रधानमंत्री बना। उन्होंने कांग्रेस की मजबूती का मुद्दा भी उठाया था।

कश्मीर : आरक्षण नीति के खिलाफ छात्र आंदोलन से पहले कई नेता नजरबंद

श्रीनगर, एजेंसी

- नेताओं के छात्रों को समर्थन देने के बाद प्रशासन ने उठाया कदम

जम्मू कश्मीर में मौजूदा आरक्षण नीति के खिलाफ छात्रों के विरोध प्रदर्शन में शामिल होने से रोकने के लिए रविवार को पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती और नेशनल कांफ्रेंस के सांसद आगा सैयद रुहुल्लाह मेहदी सहित कई नेताओं को नजरबंद कर दिया गया।

अधिकारियों ने बताया कि महबूबा मुफ्ती, उनकी बेटी इल्तिजा मुफ्ती, श्रीनगर से लोकसभा सदस्य रुहुल्लाह मेहदी, पीडीपी नेता वहीद पारा और श्रीनगर के पूर्व महापौर जुनैद मट्टू को उनके घरों में नजरबंद कर दिया गया है। प्रशासन ने कदम इन नेताओं द्वारा उन छात्रों के साथ एकजुटता व्यक्त प्रकट किये जाने के बाद उठाया, जिन्होंने रविवार को गुपकर रोड पर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने की योजना बनाई थी। इन नेताओं ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा इस मुद्दे के समाधान के लिए समिति गठित किये जाने के एक साल पूरे होने के बावजूद नतीजा नहीं निकलने पर छात्रों की ओर से आयोजित मार्च में शामिल होने की मंशा जताई थी। पारा ने कहा कि नेताओं को नजरबंद कर दिया गया है ताकि वे छात्रों के साथ एकजुटता न प्रकट कर सकें।

जरदारी बोले, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मुझे बंकर में छिपने की मिली थी सलाह

- एक कार्यक्रम में पाकिस्तानी राष्ट्रपति ने किया खुलासा

लाहौर, एजेंसी

पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने खुलासा किया है कि उन्हें इस साल मई में भारत के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बंकर में छिपने की सलाह दी गई थी। जरदारी ने यह खुलासा अपनी पत्नी और पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो की 18वीं पुण्यतिथि के मौके पर सिंध प्रांत के लरकाना में एक कार्यक्रम में किया।

सत्ताईस दिसंबर 2007 को रावलपिंडी में बेनजीर भुट्टो की हत्या कर दी गई थई। उन्होंने कहा कि मेरे एमएस (सैन्य सचिव) मेरे पास आए और कहा कि सर, युद्ध शुरू हो गया है। मैंने उन्हें चार दिन पहले ही बता दिया था कि युद्ध होने वाला है। उन्होंने कहा कि सर, हमें एक बंकर में चले जाना चाहिए ... मैंने कहा कि अगर शहादत आनी है, तो यहीं आएगी। नेता बंकरों में नहीं मरते। वे युद्धभूमि में मरते हैं।

भारत ने सात मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया था, जिसका उद्देश्य पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादियों के ठिकानों को निशाना बनाया था। यह कार्रवाई पहलगाम हमले के प्रतिशोध में की गई थी, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे। इस हमले के बाद चार दिन तक दोनों देशों के बीच भीषण झड़पें हुईं, जो 10 मई को सैन्य कार्रवाई रोकने के समझौते के साथ समाप्त हुई।जरदारी ने कहा कि पाकिस्तान शांति चाहता है, लेकिन पूरी तरह से अपनी रक्षा के लिए तैयार है। राष्ट्रपति जरदारी ने सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर की सराहना की और कहा कि यह भारत को दिया गया उचित जवाब था। जरदारी ने यह दावा भी किया कि अब अंतर्राष्ट्रीय समुदाय पाकिस्तान के रुख को स्वीकार कर रहा है ।

मजबूत हुई सीमा की निगरानी और सुरक्षा

आधुनिक युद्ध और सुरक्षा व्यवस्था में ड्रोन और टोही विमानों का महत्व बढ़ गया है। क्योंकि यह विमान सीमाओं की निगरानी, इलाके की रेकी और खुफिया जानकारी जुटाने जैसे कामों में बहुत उपयोगी साबित होते हैं। दुश्मन की पकड़ में आ जाने पर कोई जनहानि नहीं होती क्योंकि इनमें कोई सवार नहीं रहता है। दुनिया के विकसित देशों ने बहुत पहले से इनका प्रयोग दुश्मन के इलाकों की टोह लेने को शुरू कर दिया था। अब भारत भी तेजी से इन विमानों पर निर्भर होता जा रहा है। थलसेना, वायुसेना और नौसेना द्वारा उपयोग किए जा रहे ये विमान सीमा सुरक्षा, समुद्री निगरानी और खुफिया जानकारी जुटाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। ये विमान अत्याधुनिक कैमरों, रडार तथा सेंसरों से लैस होते हैं। ये विमान दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रखने, सीमा पर घुसपैठ का पता लगाने और रणनीतिक क्षेत्रों की निगरानी में सक्षम हैं।

मानव रहित विमान

मानव रहित विमानों के कार्य

- मानव रहित विमान कई दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण होते हैं। सीमा क्षेत्रों, समुद्र तटों, जंगलों और संवेदनशील इलाकों की लगातार निगरानी की जा सकती है। इनमें लगे दिन-रात कैमरों और सेंसर से दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रखी जा सकती है। दुश्मन की स्थिति, मूवमेंट और ठिकानों की जानकारी जुटाना आसान होता है। वास्तविक समय में कमांड सेंटर को डेटा भेजना आसान होता है। इनके माध्यम से खुफिया जानकारी, तस्वीरें, वीडियो, रडार और थर्मल डेटा इकट्ठा करना बहुत सरल होता जिससे सेना को निर्णय लेने में मदद मिलती है। सीमा और तटीय सुरक्षा में काफी कारगर होते हैं। आधुनिक सुरक्षा और रक्षा व्यवस्था का एक बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। ये सुरक्षित, किफायती और प्रभावी तरीके से जानकारी देते हैं।

इन विमानों के फायदे

- मानव रहित टोही विमानों के कई फायदे हैं। इनसे मानव जीवन की सुरक्षा होती है। खतरनाक इलाकों में पायलट भेजने की जरूरत नहीं पड़ती है। सुरक्षा का जोखिम कम होता है। ये टोही विमान लंबे समय तक उड़ान भरने में सक्षम होते हैं। इनके माध्यम से दुश्मन के इलाकों की लगातार निगरानी कर पाना संभव होता है। इनकी लागत कम होती है और मानव चालित विमानों की तुलना में संचालन सस्ता होता है। ईंधन और प्रशिक्षण पर भी खर्च कम आता है।

आपदा प्रबंधन में भी होते हैं सहायक

- घुसपैठ, तस्करी और संदिग्ध गतिविधियों का पता लगाने के साथ यह आपदा प्रबंधन में भी ये सहायक होते हैं। बाढ़, भूकंप, आग जैसी आपदाओं में नुकसान का आकलन इनके माध्यम से आसानी से किया जा सकता है। बाढ़ या आग में फंसे लोगों की खोज में मददगार होते हैं।

भारत के पास मौजूद टोही विमान

- भारतीय वायुसेना, नौसेना और थलसेना के पास विभिन्न श्रेणियों के मानव रहित टोही विमान हैं। सर्चर एमके-2 श्रेणी का विमान एक मध्यम ऊंचाई और लंबे समय तक उड़ान भरने वाला है। इसका निर्माण इजराइल में हुआ है। यह लगातार निगरानी, टोही और लक्ष्य जानकारी के लिए इस्तेमाल होता है। हेरोन एमके-2 का इस्तेमाल विशेष रूप से सीमा क्षेत्रों में लंबी अवधि की निगरानी और इंटेलिजेंस के लिए किया जाता है। रूस्तम-2 भारत में विकसित मानव रहित विमान है जिसे टोही और निगरानी के लिए डिज़ाइन किया गया है। डीआरडीओ द्वारा विकसित लक्ष्य का उपयोग वेरिएंट प्रशिक्षण और टोही व्यवहार में किया जाता है। हाल ही में आर्य नामक एक मानव रहित विमान भी वायुसेना में शामिल किया गया है।

वर्ल्ड ब्रीफ

बालेंद्र शाह पीएम प्रत्याशी घोषित

काठमांडू। काठमांडू महानगरपालिका के महापौर बालेंद्र शाह को राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) की ओर से रविवार को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया गया। बालेंद्र शाह को बालेन के नाम से भी जाना जाता है। इससे पहले, बालेन और आरएसपी ने नेपाल आम चुनाव मिलकर लड़ने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। देश में आम चुनाव के लिए मतदान पांच मार्च को होने हैं। रातभर चली लंबी बातचीत के बाद हुए सात सूत्री समझौते के तहत 35 वर्षीय बालेन को संसदीय दल का नेता एवं प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया गया।

भारतीय ने जीता नस्ली भेदभाव का मुकदमा

लंदन। ब्रिटेन के एक न्यायाधिकरण ने दक्षिण-पूर्वी लंदन में एक मशहूर कंपनी के फ्रेंचाइजी आउटलेट में अपने प्रबंधक पर गलत तरीके से बर्खास्तगी और नस्ली भेदभाव का आरोप लगाने वाले एक भारतीय व्यक्ति के पक्ष में फैसला सुनाया और मुआवजे के रूप में लगभग 67,000 पाउंड देने का आदेश दिया। तमिलनाडु से ताल्लुक रखने वाले मधेश रविचंद्रन ने रोजगार न्यायाधिकरण की सुनवाई में बताया कि उनके श्रीलंकाई तमिल प्रबंधक ने उनके साथ भेदभाव किया और उनके लिए गुलाम और भारतीय धोखेबाज हैं जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया।

दिल्ली में पकड़े गए सात नाइजीरियाई

नई दिल्ली। दिल्ली के द्वारका इलाके में पुलिस ने वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद भी भारत में रहने के आरोप में सात नाइजीरियाई नागरिकों को हिरासत में लिया है। एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि पुलिस की कई टीम ने प्राप्त सूचना के आधार पर 24 दिसंबर को सत्यापन अभियान चलाकर इन विदेशी नागरिकों को पकड़ा और जांच के दौरान पता चला कि उनके पास वैध दस्तावेज नहीं थे। पकड़े गए सभी व्यक्ति या तो वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद भी भारत में रह रहे थे या वैध अनुमति के बिना रह रहे थे।

गिनी में राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान

कोनाक्री। गिनी में 2021 के सैन्य तख्तापलट के बाद राष्ट्रपति चुनने के लिए रविवार को पहली बार मतदान हो रहा है। विश्लेषकों का मानना है कि जनरल ममादी डौम्बौया की जीत की प्रबल संभावना है। यह चुनाव उस सत्ता हस्तांतरण प्रक्रिया का अंतिम चरण है, जो चार साल पहले डौम्बौया द्वारा तत्कालीन राष्ट्रपति अल्फा कोंडे की सत्ता से बेदखली के बाद शुरू हुई थी।

बांग्लादेश का दावा, उस्मान हादी के दो संदिग्ध हत्यारे भारत भागे

ढाका पुलिस ने कहा, संदिग्ध फैसल करीम और आलमगीर शेख मेघालय में घुसे

- दोनों संदिग्ध कब भागकर भारत में घुसे, दावे में यह स्पष्ट नहीं

ढाका, एजेंसी

इंकलाब मंच के नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के दो मुख्य संदिग्ध बांग्लादेश से फरार हो गए हैं और उनके इस समय भारत में होने का संदेह है। ढाका महानगर पुलिस (डीएमपी) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। नकाबपोश बंदूकधारियों ने 12 दिसंबर को मध्य ढाका के विजयनगर इलाके में हादी के सिर में उस समय गोली मार दी थी, जब वह चुनाव प्रचार कर रहे थे। बाद में सिंगापुर में इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। डीएमपी ढाका के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं परिचालन) एसएन मोहम्मद नजर-उल इस्लाम ने कहा कि संदिग्ध फैसल करीम मसूद और आलमगीर शेख स्थानीय सहयोगियों की मदद से भारत के मेघालय में घुस गए हैं।

द डेली स्टार ने इस्लाम के हवाले से खबर में कहा कि हमारी जानकारी के अनुसार, दोनों संदिग्ध हलुआघाट सीमा के रास्ते भारत में प्रवेश कर गए। सीमा पार करने के बाद उन्हें पहले पुरती नाम का एक व्यक्ति मिला। इसके बाद सामी नाम के एक टैक्सी चालक ने उन्हें मेघालय के तूरा शहर तक पहुंचाया। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस को अनौपचारिक जानकारी मिली कि फरार आरोपियों की मदद करने वाले दोनों लोग पुरती और सामी को भारत में अधिकारियों ने हिरासत में ले लिया है।

डीएमपी अधिकारी ने कहा कि बांग्लादेश सरकार संदिग्धों को वापस लाने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि उनकी गिरफ्तारी और प्रत्यर्पण सुनिश्चित करने के लिए हम औपचारिक और अनौपचारिक दोनों माध्यमों से भारतीय अधिकारियों के संपर्क में हैं। हालांकि, डीएमपी अधिकारी ने यह स्पष्ट नहीं किया कि दोनों संदिग्ध कब बांग्लादेश से भागकर भारत में घुसे। इस मामले पर भारतीय अधिकारियों की ओर से अभी तक कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। सरकारी समाचार एजेंसी बांग्लादेश संवाद संस्था (बीएसएस) की खबर के अनुसार इस्लाम ने कहा है कि हादी की हत्या की जांच लगभग पूरी हो चुकी है और आगामी सात से दस दिनों के भीतर आरोपपत्र दाखिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अब तक हत्या के मामले में 12 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिनमें से छह ने अदालत के सामने इकबालिया बयान दिए हैं।

बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा की घटनाओं के विरोध में रविवार को बेंगलुरु में विभिन्न हिंदू संगठनों ने प्रदर्शन किया और अंतरिम सरकार के खिलाफ नारे लगाए।

छात्र-नेतृत्व वाली एनसीपी में चुनाव से पहले फूट

ढाका। बांग्लादेश में फरवरी में प्रस्तावित चुनाव से पहले जमात-ए-इस्लामी के साथ प्रस्तावित गठबंधन के प्रस्ताव को लेकर छात्र नेतृत्व वाली नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) में रातों रात आंतरिक फूट देखी जा रही है। दरअसल, पार्टी के 30 नेताओं ने इस प्रस्ताव का विरोध करते हुए एक संयुक्त पत्र जारी किया है जबकि दो वरिष्ठ सदस्यों ने अपने इस्तीफे की घोषणा कर दी है। एनसीपी, स्टूडेंट्स अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन (एसएडी) का एक बड़ा राजनीतिक धड़ा है। एसएडी ने पिछले वर्ष हुए हिंसक आंदोलन का नेतृत्व किया था।

बीएसएफ व पुलिस ने दावों को किया खारिज

शिलांग। मेघालय की सुरक्षा एजेंसियों ने बांग्लादेश पुलिस के उन दावों को रविवार को सिरे से खारिज कर दिया कि इंकलाब मंच के नेता शरीफ उस्मान हादी के हत्यारे भारतीय राज्य में दाखिल हो गए हैं। मेघालय में बीएसएफ के आईजी ओ पी उपाध्याय ने कहा कि ये दावे निराधार और भ्रामक हैं। उपाध्याय ने कहा कि इस बात का कोई सबूत नहीं है कि किसी व्यक्ति ने हलुआघाट सेक्टर से मेघालय में अंतर्राष्ट्रीय सीमा पार की हो। मेघालय पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि गारो पर्वतीय क्षेत्र में संदिग्धों की मौजूदगी के दावे की पुष्टि करने के लिए कोई जानकारी या खुफिया प्रमाण नहीं है। अधिकारी ने कहा कि स्थानीय पुलिस इकाइयों को इस तरह की किसी गतिविधि की सूचना नहीं मिली है।

लॉकहीड मार्टिन भारत में बनाएगा सी130जे विमान का उत्पादन केंद्र

- भारतीय वायुसेना के लिए विमान को बताया उपयोगी

मैरिएटा (अमेरिका), एजेंसी

करीब 80 सैन्य परिवहन विमान खरीदे जाने की भारत की तैयारी के बीच अमेरिकी एयरोस्पेस कंपनी लॉकहीड मार्टिन ने अपने सी-130जे सुपर हरक्यूलिस को सर्वश्रेष्ठ विकल्प के रूप में पेश करते हुए कहा है कि विमानों का एक अतिरिक्त बेड़ा 'क्वाड' (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) देशों के बीच सामरिक हवाई परिचालन में भारत को मजबूत ताकत प्रदान करेगा।

लॉकहीड मार्टिन के शीर्ष अधिकारियों ने कहा कि यदि लॉकहीड मार्टिन को मौका मिलता है, तो वह भारत में इस विमान के उत्पादन के लिए एक बड़ा केंद्र स्थापित करेगा और यह अमेरिका के बाहर इस तरह की पहली वैश्विक सुविधा होगी। अब तक लॉकहीड मार्टिन सी-130जे सुपर हरक्यूलिस श्रेणी के 560 से अधिक विमानों की आपूर्ति कर चुकी है, जिन्होंने 30 लाख से अधिक उड़ान घंटे पूरे किए हैं। यह अग्रणी सामरिक परिवहन विमान 23 देशों में 28 संचालकों को सेवा दे रहा है। भारतीय वायु सेना वर्तमान में 12 सी-130जे विमानों का संचालन करती है। भारत के अलावा क्वाड के तीन अन्य सदस्य देश-अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान-भी सी-130जे का संचालन कर रहे हैं। लॉकहीड मार्टिन में हवाई गतिशीलता और समुद्री मिशन की उपाध्यक्ष पेट्रिशिया ट्रिश पेगन ने कहा कि सी-130जे सुपर हरक्यूलिस हर कार्यक्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन और क्षमताएं प्रदान करता है। यह विमान भारत के लिए सबसे बेहतर विकल्प होगा।

भारतीय वायु सेना ने 2022 में सोवियत काल के पुराने एएन-32 और आईएल-76 विमानों के स्थान पर मध्यम परिवहन विमान खरीदने के लिए सूचना अनुरोध जारी किया था। भारतीय वायु सेना करीब 80 सैन्य परिवहन विमान खरीदने की योजना बना रही है

भारत के लिए इसलिए खास है सुपर हरक्यूलिस

भारत के लिए सी-130जे सुपर हरक्यूलिस विमान खास है क्योंकि यह दुर्गम इलाकों, ऊंची हवाई पट्टियों (जैसे लद्दाख) और खराब मौसम में भी सैनिकों, भारी उपकरणों और राहत सामग्री को पहुंचाने में सक्षम है, जिससे भारतीय वायुसेना की सामरिक एयरलिफ्ट और स्पेशल ऑपरेशन क्षमताएं कई गुना बढ़ जाती हैं, खासकर चीन सीमा और आपदा राहत कार्यों में इसकी भूमिका महत्वपूर्ण है। यह विमान अपने मल्टी-मिशन क्षमताओं के कारण सैन्य लॉजिस्टिक्स, खोज और बचाव और इलेक्ट्रॉनिक निगरानी जैसे कार्यों में भी उपयोगी है। यह 17 हजार फीट ऊंची और ऊबड़-खाबड़ हवाई पट्टियों पर भी उतर सकता है, यह टैंक, मिसाइलें और 90 सैनिकों को ले जाने की क्षमता रखता है, जिससे सैनिकों और उपकरणों को तेजी से तैनात किया जा सकता है। इसे हवाई ईंधन भरने, समुद्री निगरानी और विशेष अभियानों में भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

खालिदा जिया की हालत बेहद गंभीर

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री एवं बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष खालिदा जिया की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। उनके निजी चिकित्सक ने यह जानकारी दी। कई स्वास्थ्य जटिलताओं से जूझ रही 80 वर्षीय खालिदा जिया 23 नवंबर से ढाका के एवरकेयर अस्पताल में उपचाराधीन हैं और उन्हें 11 दिसंबर को वेंटिलेटर पर रखा गया था। डॉ. ए.जेड.एम. जाहिद ने बताया कि यह नहीं कहा जा सकता कि उनकी हालत में सुधार हुआ है। फिलहाल उनकी हालत बेहद नाजुक बनी हुई है।

श्रीहरिकोटा में चार साल में तीसरे प्रक्षेपण पैड को तैयार करने का इसरो का लक्ष्य

- प्रक्रिया जारी, उपयुक्त कंपनियों की हो रही तलाश : पद्म कुमार

चेन्नई, एजेंसी

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) श्रीहरिकोटा अंतरिक्ष केंद्र पर तीसरा प्रक्षेपण पैड विकसित करने की प्रक्रिया में है और वर्तमान में इसके लिए उपयुक्त कंपनियों की तलाश की जा रही है। यह जानकारी एक शीर्ष वैज्ञानिक ने दी है।

तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई से करीब 135 किलोमीटर पूर्व में स्थिति श्रीहरिकोटा परिसर 175 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। यह बेंगलुरु स्थित अंतरिक्ष एजेंसी को विभिन्न प्रक्षेपण यानों के जरिये उपग्रहों को कक्षा में पहुंचाने की सेवा मुहैया कराता रहा है। श्री हरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के निदेशक और प्रख्यात वैज्ञानिक पद्मकुमार ईएस ने कहा कि अंतरिक्ष में विभिन्न कक्षाओं में 12,000-14,000 किलोग्राम से अधिक वजन वाले बड़े उपग्रहों को स्थापित करने की योजना पर आगे बढ़ने के लिए इसरो को बड़े प्रक्षेपण यानों की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए इसरो तीसरे प्रक्षेपण पैड की योजना बना रहा है।

पद्मकुमार ने कहा कि हमारी योजना चार साल में तीसरा लॉन्च पैड स्थापित कर संचालित करने की है। इसके लिए प्रक्रिया चल रही हैं। हम खरीद प्रक्रिया शुरू कर रहे हैं और इस विशाल परियोजना के लिए आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए उपयुक्त कंपनियों की पहचान कर रहे हैं। इस केंद्र का परिचालन अक्टूबर 1971 में रोहिणी-125 रॉकेट के प्रक्षेपण के साथ शुरू हुआ था।

दक्षिण अफ्रीका में इमारत गिरी, तीन लोगों की मौत

जोहान्सबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग के पश्चिम में स्थित सोवेटो उपनगर में रविवार तड़के दो मंजिला इमारत के ढहने से एक साल के बच्चे सहित तीन लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों के अनुसार, इस घटना में तीन अन्य लोग घायल हो गए और उनका उपचार जारी है। उन्होंने बताया कि इमारत ढहने के समय उसके भीतर कुल छह लोग मौजूद थे, आपातकालीन सेवाओं के कर्मियों ने मलबे के नीचे फंसे तीन घायलों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

जोहान्सबर्ग आपातकालीन प्रबंधन सेवाओं के प्रवक्ता जोलिले खुमालो ने कहा कि इस दुखद घटना में तीन लोगों की मौत हो गई जिनमें दो वयस्क महिलाएं और एक बच्चा शामिल था। मामले की जांच अधिकारियों को सौंप दिया गया है।

म्यांमा में सैन्य शासन के बाद पहले चुनाव को मतदान शुरू

- दो दौर पूरे होने पर जनवरी के अंत में आएंगे अंतिम परिणाम

यांगून, एजेंसी

म्यांमा में सैन्य सरकार की देखरेख में पहली बार हो रहे आम चुनाव के पहले चरण के लिए रविवार को मतदान जारी है। जनवरी के अंत में मतदान के दो और दौर पूरे होने के बाद ही अंतिम परिणाम पता चलेंगे। व्यापक रूप से यह संभावना जताई जा रही है कि 2021 में सेना के सत्ता पर काबिज होने के बाद से देश का शासन संभाल रहे जनरल मिन आंग ह्लाइंग राष्ट्रपति पद ग्रहण करेंगे।

सैन्य सरकार ने इस चुनाव को चुनावी लोकतंत्र की वापसी के रूप में प्रस्तुत किया है लेकिन आलोचकों का आरोप है कि यह चुनाव सैन्य शासन को वैध दिखाने के लिए किया जा रहा है। म्यांमा में फरवरी 2021 में सेना द्वारा आंग सान सू की की चुनी हुई सरकार को सत्ता से हटाए जाने के बाद सैन्य शासन शुरू हुआ था। देश के सबसे बड़े शहर यांगून, राजधानी नेपीता और अन्य जगहों पर मतदाता विद्यालयों, सरकारी भवनों और धार्मिक इमारतों में मतदान कर रहे हैं। आलोचकों का तर्क है कि प्रमुख दलों को चुनावी प्रक्रिया से बाहर रखने, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध लगाने और दमनकारी माहौल के कारण चुनाव परिणाम वैध नहीं होंगे। मतदान तीन चरणों में हो रहा है। रविवार को पहला चरण म्यांमा की कुल 330 टाउनशिप में से 102 में कराया जा रहा है। दूसरा चरण 11 जनवरी को और तीसरा चरण 25 जनवरी को होगा। अंतिम नतीजों की घोषणा फरवरी तक होने की उम्मीद है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 29 दिसंबर, सोमवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, नवमी 10 .12 तक तत्पश्चात दशमी।

आज का पंचांग

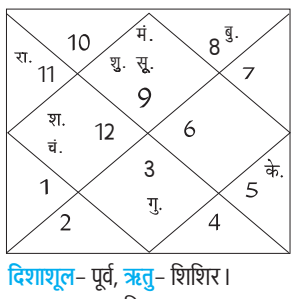

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- शिशिर।

चन्द्रबल-वृषभ, मिथुन, कन्या, तुला, मकर, मीन।

ताराबल- अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।

नक्षत्र-रेवती 07 .41 तक तत्पश्चात अश्विनी।

मेष - आज परिवार में आंतरिक मतभेद उभर सकते हैं। अव्यवहारिक निर्णय लेने से नुकसान होगा। सरकारी कार्यों में मनोनुकूल परिणाम मिलने से आप काफी प्रसन्न रहेंगे। बहुप्रतीक्षित कार्यों में कुछ विलंब हो सकता है। धन उधार देने से बचें। दर्द की शिकायत हो सकती है।

वृष - आज पड़ोसियों से संबंध खराब हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में अधिकारियों से मतभिन्नता हो सकती है। दवाइयों का प्रयोग सावधानी पूर्वक करें। व्यवसाय में अपेक्षित परिणाम नहीं मिलेंगे। मेहनत से पीछे न हटें और अपना काम करते रहें।

मिथुन - आज का दिन काफी शुभ रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में परिवर्तन कर सकते हैं। व्यापारियों को योजनाओं में सफलता मिलेगी। बहुप्रतीक्षित कार्यों में सफलता मिलेगी। सेहत को लेकर समस्या दूर होगी। प्रेमी जन को आप आज कुछ उपहार दे सकते हैं।

कर्क - आज जीवनसाथी की बातों को महत्व अवश्य दें। नजदीकी संबंधों में संवादहीनता उत्पन्न हो सकती है। कार्यक्षेत्र में गलतियों को बार-बार न दोहरायें। यात्रा के दौरान असुविधाजनक स्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। गुस्से में आपके काम बिगड़ सकते हैं।

सिंह - आज आपके सभी काम सफल होंगे। जीवनसाथी आपको अच्छा उपहार दे सकते हैं। प्राइवेट नौकरी कर रहे लोगों को पदोन्नति मिल सकती है। यदि आप शॉपिंग कर रहे हैं तो उसमें आपको भारी छूट मिल सकती है। मित्र व संबंधी आपसे काफी प्रसन्न रहने वाले हैं।

कन्या - आज आप काफी व्यस्त रहेंगे। अपने शौक और मनोरंजन पर धन खर्च कर सकते हैं। आर्थिक मामलों को लेकर सावधान रहेंगे। प्रेम संबंधों में परस्पर सम्मान की भावना का ध्यान रखें। नकारात्मक प्रवृत्ति के लोग आपको भ्रमित कर सकते हैं।

तुला - आज कार्यक्षेत्र में आपकी योग्यता की प्रशंसा होगी। आप दूसरों की मदद को लेकर तत्पर रहेंगे। उत्तम भोजन का आनंद उठायेंगे। किसी शुभ कार्य को लेकर मन में शंका उत्पन्न हो सकती है। विपरीत लिंग के लोग आपसे आज काफी आकर्षित रहेंगे।

वृश्चिक - आज विदेश में व्यापार करने के अवसर मिलेंगे। जो लोग पहले से विदेश में काम कर रहे हैं उन्हें बड़े व्यापारिक अनुबंध मिल सकते हैं। परिजनों के साथ किसी गंभीर मुद्दे पर चर्चा कर सकते हैं। जीवनसाथी के साथ किसी देवस्थल की यात्रा कर सकते हैं।

धनु - आज नई नौकरी की शुरुआत कर सकते हैं। प्रेम विवाह को लेकर परिवार में चर्चा हो सकती है। घर में हास्य व मनोरंजन का माहौल रहेगा। किसी शुभ कार्य को लेकर मन में शंका उत्पन्न हो सकती है। जीवनसाथी के साथ पर्यटन पर जाने के लिये दिन उत्तम है।

मकर - आज अपनी पुरानी गलतियों को स्वीकारें व उसे दूर करने का प्रयास करें। सहकर्मियों के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें। मन में अनिष्ट का भाव रहेगा। अपनी योजनाओं को दूसरों से शेयर न करें। किसी तरह की बहसबाजी से आपको बचना चाहिए।

कुंभ - आज परिवार में किसी बात को लेकर मतभेद हो सकते हैं। जहां आवश्यक न हो वहां बोलने से बचें। व्यर्थ के खर्चों के कारण बजट गड़बड़ा सकता है। आज आवश्यक न हो तो दूसरों के मामलों में हस्तक्षेप न करें। बीमार लोगों के स्वास्थ्य में सुधार होगा।

मीन - आज धार्मिक क्रियाओं में आपकी सहभागिता बढ़ेगी। मतभेदों को दूर करने में सफलता मिलेगी। व्यवसाय में किसी तकनीक त्रुटि के दूर होने से राहत मिलेगी। उच्च शिक्षा में उत्तम परिणाम प्राप्त होंगे। मित्रों के साथ आप अच्छा समय बितायेंगे।

सुडोकू -16

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		7	8		6			
	1		4					9
				3				5
9		5		2			8	
	6			1		3		4
2			9	6				7
4		6			3		1	
					5	6		

सुडोकू - 15 का हल

4	6	9	7	3	1	2	8	5
5	3	2	6	8	4	7	9	1
8	7	1	9	2	5	4	6	3
1	4	5	3	7	8	9	2	6
7	2	8	1	9	6	5	3	4
6	9	3	4	5	2	8	1	7
9	1	6	8	4	7	3	5	2
3	5	7	2	6	9	1	4	8
2	8	4	5	1	3	6	7	9

160 किमी प्रति घंटा मेरे लिए किसी भी विकेट से कहीं अधिक मायने रखता है। निश्चित तौर पर टीम सर्वोपरि होती है तथा विश्व कप (2003) जीतना, लगातार 16 टेस्ट जीतना। यह सर्वोच्च उपलब्धि है। इसके लिए ही तो खेल खेला जाता है।
-ब्रेट ली, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व गेंदबाज

स्टेडियम

हल्द्वानी, सोमवार ,29 दिसंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

भारत के लिए खेलने पर पाकिस्तानी खिलाड़ी आजीवन प्रतिबंध

कराची। पाकिस्तान के अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी उबैदुल्लाह राजपूत पर इस महीने की शुरुआत में एक निजी टूर्नामेंट में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने पर राष्ट्रीय महासंघ ने अनिश्चितकाल प्रतिबंध लगा दिया है। पाकिस्तान कबड्डी महासंघ (पीकेएफ) ने शनिवार को आपातकालीन बैठक के बाद राजपूत पर प्रतिबंध लगाया। उन्हें महासंघ या अन्य संबंधित अधिकारियों से अनिवार्य अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) लिए बिना टूर्नामेंट में खेलने के लिए विदेश यात्रा करने का दोषी पाया गया। पीकेएफ के सचिव राणा सरवर ने कहा कि राजपूत को अनुशासनात्मक समिति के समक्ष अपील करने का अधिकार है। सरवर ने कहा कि महासंघ ने इस तथ्य पर गंभीरता से ध्यान दिया कि राजपूत न केवल बिना एनओसी के विदेश यात्रा पर गए, बल्कि उन्होंने भारत की एक टीम का प्रतिनिधित्व किया था।

युवराज संधू ने टाटा ओपन खिताब जीता

जमशेदपुर। युवराज संधू ने रविवार को यहां टाटा ओपन 2025 गोल्फ टूर्नामेंट में एक स्ट्रोक की जीत के साथ पीजीटीआई में एक ही सत्र में सबसे ज्यादा सात खिताब जीतने का नया रिकॉर्ड बनाया। अठाईस साल के संधू (67-64-68-65) बीती रात संयुक्त बढ़त पर थे। उन्होंने आखिरी दौर में छह-अंडर 65 का कार्ड खेला जिसमें आखिरी होल पर जीत दिलाने वाली बर्डी शामिल थी। उन्होंने पीजीटीआई सत्र के अंतिम टूर्नामेंट में कुल 20-अंडर 264 का स्कोर किया। चंडीगढ़ के रहने वाले संधू ने दो हफ्ते पहले सत्र की अपनी छठी जीत के बाद 2025 पीजीटीआई 'ऑर्डर ऑफ मेरिट' का ताज पहले ही हासिल कर लिया था। संधू ने दिल्ली में उस खिताब के साथ 2022 से मनु गंडास के एक सत्र में छह खिताब के पिछले रिकॉर्ड की बराबरी की थी।

भारतीय महिलाएं अब 4-0 से आगे चौथे टी-20 में भी श्रीलंका परास्त

स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा ने खेलीं शानदार अर्धशतकीय पारियां

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा के अर्धशतक और दोनों के बीच पहले विकेट की रिकॉर्ड शतकीय साझेदारी से भारत ने रविवार को यहां चौथे महिला टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में श्रीलंका को 30 रनों से हराकर पांच मैच की सीरीज में 4-0 की बढ़त बना ली। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने दो विकेट पर 221 रन का रिकॉर्ड स्कोर बनाया। जवाब में श्रीलंका निर्धारित 20 ओवर में छह विकेट पर 191 रन ही बना सका।

स्मृति ने शुरुआती तीन मैच में विफल रहने के बाद 48 गेंद की अपनी पारी में 11 चौकों और तीन छक्कों से 80 रन बनाए। शेफाली ने अपने लगातार तीसरे अर्धशतक के दौरान 46 गेंद में 12 चौकों और एक छक्के से 79 रन की पारी खेली। दोनों ने पहले विकेट के लिए 162 रन की साझेदारी की जो इस प्रारूप में भारत की ओर से किसी भी विकेट की सबसे बड़ी साझेदारी का रिकॉर्ड है।

ऋचा घोष (16 गेंद में नाबाद 40) और कप्तान हरमनप्रीत कौर (नाबाद 16) ने तीसरे विकेट के लिए 23 गेंद में 53 रन की अटूट साझेदारी करके भारत को इस प्रारूप में उसके सर्वोच्च स्कोर तक पहुंचाया। टीम ने इससे पहले वेस्टइंडीज के खिलाफ दिसंबर 2024 में चार विकेट पर 217 रन बनाए थे। भारत ने अपनी पारी में 28 चौके और आठ छक्के मारे जो इस प्रारूप में टीम की ओर से सबसे अधिक बाउंड्री का नया रिकॉर्ड है। श्रीलंका की कप्तान चामरी अटापट्टू ने टॉस जीतकर भारत को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया जिसके बाद स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा ने मेजबान टीम को तूफानी शुरुआत दिलाई। स्मृति ने माल्शा शेहानी (32 रन पर एक विकेट) के पहले ओवर में दो चौकों के साथ शुरुआत की और फिर काव्या कविंदी के अगले ओवर में भी लगातार दो चौके मारे।

शेफाली ने भी रश्मिका सेवांडी और चामरी पर दो-दो चौके मारे जिससे भारत ने पावर प्ले में बिना विकेट खोए 61 रन बनाए। स्मृति 27 रन बनाते ही महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 10 हजार रन पूरे करने वाली दूसरी भारतीय और कुल चौथी बल्लेबाज बनीं। भारत की मिताली राज, इंग्लैंड की चार्लोट एडवर्ड्स और न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स इससे पहले यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। स्मृति ने सबसे कम 281 पारियों में यह उपलब्धि हासिल करके नया रिकॉर्ड बनाया। शेफाली ने 11वें ओवर में निमाशा मीपागे (40 रन पर एक विकेट) पर दो चौके और एक छक्के के साथ सिर्फ 30 गेंद में लगातार तीसरा अर्धशतक पूरा किया। इसी ओवर में टीम के रनों का शतक भी पूरा हुआ।

समृति ने भी अगले ओवर में रश्मिका की लगातार गेंदों पर दो चौकों और एक छक्के के साथ 35 गेंद में 50 रन के आंकड़े को पार किया।शेफाली ने 16वें ओवर में निमाशा को उन्हीं की गेंद पर कैच थमाया जिससे भारत को पहला झटका लगा जबकि अगले ओवर में स्मृति भी कैच दे बैठीं। ऋचा ने निमाशा पर चौके से खाता खोलने के बाद उनके अगले ओवर में भी लगातार दो चौके मारे। उन्होंने 19वें ओवर में कविशा की लगातार गेंदों पर तीन छक्के और एक चौका मारकर 23 रन बटोरे और भारत का स्कोर 200 रन के पार पहुंचाया। हरनमप्रीत ने अंतिम ओवर में लगातार गेंदों पर छक्के और चौके के साथ भारत को उसके पिछले सर्वोच्च स्कोर के पार पहुंचा दिया।

रिकॉर्ड शतकीय भागेदारी के दौरान खुशी जाहिर करतीं स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा। एजेंसी

वर्ष 2026 के प्रमुख खेल

तारीख	आयोजन	जगह
9 जनवरी-5 फरवरी	विमेंस प्रीमियर लीग	नवी मुंबई और वडोदरा
18 जनवरी-1 फरवरी	ऑस्ट्रेलियन ओपन (टेनिस)	मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया
6-22 फरवरी	विंटर ओलंपिक्स	मिलान और कॉर्टिना डी 'एम्पेजो, इटली
7 फरवरी-8 मार्च	आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप	भारत और श्रीलंका
8 मार्च-6 दिसंबर	एफ 1 वर्ल्ड चैंपियनशिप	दुनिया भर में 24 रेस
24 मई-7 जून	फ्रेंच ओपन (टेनिस)	पेरिस, फ्रांस
26 मार्च-31 मई	इंडियन प्रीमियर लीग	घोषणा की जाएगी
30 मई	यूईएफए चैंपियंस लीग फाइनल	पुस्कास एरिना, बुडापेस्ट
11 जून-19 जुलाई	फीफा विश्व कप 2026	USA, कनाडा और मैक्सिको
29 जून-12 जुलाई	विंबलडन	लंदन, इंग्लैंड
6 जुलाई-23 अगस्त	ईस्पोर्ट्स वर्ल्ड कप 2026	रियाद, सऊदी अरब
23 जुलाई-2 अगस्त	कॉमनवेल्थ गेम्स	ग्लासगो, स्कॉटलैंड
14-30 अगस्त	एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप	बेल्जियम और नीदरलैंड्स
अगस्त 30-13 अक्टूबर	यूएस ओपन (टेनिस)	न्यूयॉर्क, USA
11-13 सितंबर	एथलेटिक्स अल्टीमेट चैंपियनशिप	बुडापेस्ट, हंगरी
19 सितंबर -4 अक्टूबर	एशियन गेम्स	आइची और नागोया, जापान

आर्सेनल शीर्ष पर बरकरार

मैनचेस्टर, एजेंसी

आर्सेनल ने ब्राइटन के अंतिम समय में जोरदार पलटवार से बचकर 2-1 से जीत हासिल करके इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल टूर्नामेंट में अपना पहला स्थान बरकरार रखा। लेकिन मैनचेस्टर सिटी और एस्टन विला भी उससे ज्यादा दूर नहीं हैं। शीर्ष स्थान के लिए इन तीन टीमों के बीच कड़ी टक्कर है।

तालिका में पहले और तीसरे स्थान के बीच केवल तीन अंकों का अंतर है। नॉटिंघम फॉरेस्ट पर 2-1 से जीत के बाद मैनचेस्टर सिटी ने कुछ समय के लिए शीर्ष स्थान हासिल कर लिया था लेकिन इसके कुछ देर बाद आर्सेनल ने ब्राइटन को इसी अंतर से हराकर फिर से पहला स्थान हासिल कर दिया। वह मैनचेस्टर सिटी से दो अंक आगे है। एस्टन विला ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए चेल्सी के खिलाफ 2-1 से जीत हासिल की। इस तरह से उसने सभी प्रतियोगिताओं में जीत दर्ज करने का अपना सिलसिला 11 मैच तक पहुंचा दिया है। आर्सेनल के अब 18 मैच में 42 जबकि मैनचेस्टर सिटी के इतने ही मैच में 40 और एस्टन विला की 39 अंक हैं। लिवरपूल चौथे स्थान पर है लेकिन उसके 32 अंक हैं।

लिवरपूल ने आखिरी स्थान पर काबिज वॉल्वरहैम्प्टन के खिलाफ 2-1 से जीत हासिल करके अपनी शानदार वापसी जारी रखी जिससे वह चौथे स्थान पर पहुंच गया। वॉल्वरहैम्प्टन ने किसी एक सत्र की शुरुआत से सबसे लंबे समय तक बिना जीत के रहने का नया प्रीमियर लीग रिकॉर्ड बनाया।

सूर्या और ऋत्विक ने खिताब जीते

राष्ट्रीय बैडमिंटन चैंपियनशिप

विजयवाड़ा। सूर्या करिश्मा तामिरी ने रविवार को यहां सीनियर राष्ट्रीय बैडमिंटन चैंपियनशिप में महिला एकल और ऋत्विक संजीवी ने पुरुष एकल खिताब अपने नाम किया। विजयवाड़ा की 19 वर्षीय सूर्या ने लगभग एक घंटे तक चले महिला एकल फाइनल में तन्वी पत्री को 17-21, 21-12, 21-14 से हराया। वहीं पुरुष एकल फाइनल में ऋत्विक ने भरत को 21-16, 22-20 से शिकस्त दी। तन्वी ने पहले गेम के बीच में नियंत्रण बनाते हुए सूर्या को कई अनफोर्स्ड गलतियां कराईं। दूसरे गेम में 6-5 के स्कोर पर सूर्या का एक सर्विस रिटर्न नेट में गया जिसे सर्विस जज ने 'ऊंचाई की गलती' करार दिया जिससे सूर्या को राहत मिली।

एमसीजी के क्यूरेटर ने कहा-पहले दिन 20 विकेट गिरने से था सदमे में

मेलबर्न, एजेंसी

मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) के मुख्य क्यूरेटर मैथ्यू पेज ने स्वीकार किया कि ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच बॉक्सिंग डे (26 दिसंबर) टेस्ट के पहले दिन 20 विकेट गिरने के बाद वह 'सदमे की स्थिति में' थे और नीरस ड्रॉ से बचने के लिए तेज गेंदबाजों के अनुकूल पिच तैयार की गई। इस मैच में शुरू से लेकर आखिर तक विकेटों की झड़ी लगी रही और मैच दो दिन में समाप्त हो गया।

इंग्लैंड ने इस मैच में ऑस्ट्रेलिया को चार विकेट से हराया। शृंखला के 2017 में खेले गए मैच के नीरस ड्रॉ के रूप में समाप्त होने बाद एमसीजी पिच में नई जान डालने के लिए नियुक्त क्यूरेटर पेज ने रविवार को स्वीकार किया कि पिच पर 10 मिमी घास छोड़ना जरूरत से ज्यादा साबित हुआ।

तीसरे अंपायर से बात करते एमसीजी के मुख्य क्यूरेटर (बाएं)। एजेंसी

इसके कारण केवल 142 ओवरों में 36 विकेट गिरे, जिसके चलते इस पिच ने खिलाड़ियों और अधिकारियों दोनों के कान खड़े कर दिए। पेज की रविवार को पत्रकारों से कहा पहले दिन के बाद मैं सदमे में था। हम निश्चित रूप से निराश हैं कि यह मैच केवल दो दिन तक चला। यह रोमांचक टेस्ट मैच था, लेकिन यह लंबी अवधि तक नहीं चला। हम इससे सबक लेंगे और अगले साल बेहतर विकेट तैयार करने की पूरी कोशिश करेंगे।

उन्होंने कहा मैं पहले कभी इस तरह के टेस्ट मैच का हिस्सा नहीं रहा और उम्मीद है कि भविष्य में मैं फिर से कभी इस तरह के टेस्ट मैच का हिस्सा नहीं रहूंगा। इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया की धरती पर 2011 के बाद पहला टेस्ट मैच जीता लेकिन इसके बावजूद उसके कप्तान बेन स्टोक्स ने गेंदबाजों के लिए बेहद अनुकूल पिच की कड़ी आलोचना की थी। पेज ने कहा हम जानते हैं कि यह मैच हमारी योजना के अनुसार नहीं चला। हमें पूरे चार-पांच दिन तक बल्ले और गेंद के बीच संतुलन बने रहने की उम्मीद थी ताकि इस मैच का रोमांचक अंत हो सके।

160 किमी प्रति घंटे की गति मेरे लिए रखती थी सबसे ज्यादा मायने : ली

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व गेंदबाज ब्रेट ली तेज गेंदबाजी के प्रति इतने जुनूनी थे कि उन्होंने नौ साल की उम्र में ही 160 किमी प्रति घंटे की रफ्तार हासिल करने का लक्ष्य बना लिया था और जब तक उन्होंने यह जादुई आंकड़ा हासिल नहीं कर लिया तब तक उनके लिए कोई भी व्यक्तिगत उपलब्धि या सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों के विकेट उखाड़ना कोई मायने नहीं रखता था।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के हॉल ऑफ फेम में शामिल किए गए 49 वर्षीय ली ने कहा कि उन्होंने अपना जीवन अपने इस सपने को साकार करने के लिए समर्पित कर दिया था। इसके लिए उन्होंने अपनी मां हेलेन को श्रेय दिया जो एक फर्राटा धाविका थीं और इस तरह से उनके पास रफ्तार का सौदागर बनने के लिए आवश्यक आनुवंशिक गुण थे। क्रिकेट डॉट कॉम एयू के अनुसार ली ने कहा वह (160 किमी प्रति घंटा) मेरे लिए किसी भी विकेट से कहीं अधिक मायने रखता है।

2025

बैडमिंटन

सेन, सात्विक, चिराग का अच्छा प्रदर्शन

युवा शटलरों ने भी जगाई उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय बैडमिंटन के लिए वर्ष 2025 उतार-चढ़ाव वाला रहा, जिसमें कई प्रमुख खिलाड़ियों को फॉर्म हासिल करने के लिए जूझना पड़ा, लेकिन लक्ष्य सेन का एक खिताब, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी का विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतना और युवा खिलाड़ियों की शानदार प्रगति ने उम्मीद की किरण भी जगाई। भारतीय खिलाड़ियों को इस वर्ष फिटनेस से जुड़ी समस्याओं से भी जूझना पड़ा, जिसका असर उनके प्रदर्शन पर भी पड़ा। इस सत्र में भारतीय खिलाड़ियों की सबसे महत्वपूर्ण व्यक्तिगत उपलब्धि सेन की ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में खिताबी जीत रही।

सेन ने 2023 में कनाडा ओपन के बाद पहली बार सुपर 500 खिताब जीता और पिछले साल दिसंबर में सैयद मोदी इंटरनेशनल सुपर 300 जीतने के बाद यह उनका पहला खिताब था। हांगकांग ओपन में वह उपविजेता रहे थे। सात्विक और चिराग ने सत्र की शुरुआत में चोट और बीमारी से जूझने के बावजूद भारत की प्रमुख युगल जोड़ी के रूप में अपनी स्थिति को फिर से स्थापित किया। इस जोड़ी ने पेरिस में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता, हांगकांग ओपन और चीन मास्टर्स के फाइनल में जगह बनाई और बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स के नॉकआउट चरण में पहुंचने वाली पहली भारतीय पुरुष युगल जोड़ी बनकर साल का सकारात्मक अंत किया। किदाम्बी श्रीकांत ने इस सत्र में वापसी की झलक दिखाई लेकिन वह कोई ट्रॉफी नहीं जीत पाए। मलेशिया मास्टर्स और सैयद मोदी इंटरनेशनल में उपविजेता रहकर उन्होंने पुराने दिनों की याद दिलाई लेकिन लंबे समय से चले आ रहे खिताब के सूखे को खत्म नहीं कर सके। सैयद मोदी इंटरनेशनल टूर्नामेंट में गायत्री गोपीचंद और त्रीसा जॉली ने महिला युगल खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया।

चिराग शेट्टी, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी व लक्ष्य सेन। एजेंसी

तन्वी शर्मा।

भारतीय बैडमिंटन में वर्ष 2025 में सबसे उत्साहजनक संकेत युवा पीढ़ी से मिले। 20 वर्षीय आयुष शेट्टी ने अमेरकी ओपन सुपर 300 जीता और बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर प्रतियोगिताओं में लगातार अपनी जीवंत उपस्थिति दर्ज कराई। उन्होंने जापान के कोदाई नाराओका, पूर्व विश्व चैंपियन लोह कीन यू, चीनी ताइपे के चाउ टिएन चेन और कनाडा के ब्रायन यांग पर भी उल्लेखनीय जीत दर्ज की, जिससे उनकी शानदार प्रगति का पता चलता है।

विश्व जूनियर चैंपियनशिप में तन्वी ने रजत जीतकर सबका ध्यान खींचा

सोलह वर्षीय तन्वी शर्मा ने विश्व जूनियर चैंपियनशिप में लड़कियों के एकल वर्ग में रजत पदक जीतकर सबका ध्यान अपनी तरफ खींचा। उन्होंने अमेरिकी ओपन के फाइनल में भी जगह बनाई थी तथा सैयद मोदी इंटरनेशनल में पूर्व विश्व नंबर एक खिलाड़ी नोजोमी ओकुहारा को हराकर इस सत्र की सबसे शानदार जीत में से एक हासिल की। तन्वी ने गुवाहाटी मास्टर्स में उपविजेता रहकर वर्ष का समापन किया। उन्नति हुडा ने विश्व जूनियर टीम चैंपियनशिप में भारत को कांस्य पदक दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वह ओडिशा मास्टर्स सुपर 100 का खिताब जीतकर विश्व रैंकिंग में 23वें स्थान पर पहुंच गईं। चीन मास्टर्स में पीवी सिंधू पर उनकी जीत ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। गुवाहाटी मास्टर्स में संस्कार सारस्वत ने अपना पहला सुपर 100 खिताब जीता।

सीनियर खिलाड़ियों ने किया निराश

भारत के सीनियर खिलाड़ियों के लिए हालांकि वर्ष 2025 काफी हद तक निराशाजनक साबित हुआ। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु तीन बार क्वार्टर फाइनल तक पहुंचीं, लेकिन उन्हें छह बार पहले दौर में और चार बार दूसरे दौर में ही हार का सामना करना पड़ा। साल की शुरुआत में हैमस्ट्रिंग की समस्या ने उनके अभियान को बाधित किया, जिसके बाद पैर में चोट लगने के कारण उन्हें अक्टूबर के बाद सभी बीडब्ल्यूएफ प्रतियोगिताओं से नाम वापस लेना पड़ा। वर्ष 2023 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता एचएस प्रणय के लिए यह सत्र और भी कठिन रहा। चोटों ने उनके प्रदर्शन को बुरी तरह प्रभावित किया। जनवरी में इंडिया ओपन में टखने की चोट और सितंबर में कोरिया ओपन में पसली की मांसपेशियों में लगी चोट के कारण वे नियमित रूप से अभ्यास नहीं कर पाए, जिससे उन्हें नौ बार दूसरे दौर से और आठ बार पहले दौर से बाहर होना पड़ा। भारत ने टीम प्रतियोगिताओं में भी निराशाजनक प्रदर्शन किया। एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप और सुदीरमन कप में भारत का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा।

साक्षात्कार | ड्रैग फ्लिकर दीपिका सेहरावत ने कहा -अगले साल टीम करेगी अच्छा प्रदर्शन

नया साल महिला हॉकी के लिए नई उम्मीद लाएगा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए यह साल मैदान के भीतर और बाहर भले ही अच्छा नहीं रहा हो, लेकिन हॉकी इंडिया लीग के जरिये पांच महीने बाद मैदान पर वापसी को तैयार ड्रैग फ्लिकर दीपिका सेहरावत का मानना है कि नए साल में चीजें अच्छे के लिए बदलेंगी। अगस्त में एशिया कप के लिए रवानगी से एक दिन पहले आखिरी अभ्यास सत्र में पैर फिसलने के कारण टीम से बाहर हुई दीपिका ने स्वीकार किया कि बीते साल टीम अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाई, लेकिन यह भी कहा कि नया साल नई उम्मीदें लेकर आएगा।

हॉकी इंडिया लीग के जरिये वापसी कर रही 22 वर्ष की इस फॉरवर्ड ने कहा नए साल में नई चीजें शुरू होंगी तो काफी कुछ बदलेगा। अगला

साल काफी अहम है जिसमें विश्व कप के लिए क्वालीफाई करना सबसे पहली चुनौती है और 2026 में एशियाई खेल भी हैं। प्रो लीग में आखिरी स्थान पर रहने के अलावा एशिया कप के फाइनल में चीन से 1-4 से हारकर भारतीय महिला टीम ने बेल्जियम और नीदरलैंड में अगले साल अगस्त में होने वाले विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करने का मौका गंवा दिया। अब उसे मार्च में हैदराबाद में क्वालीफायर खेलना है जिसमें इंग्लैंड, स्कॉटलैंड, कोरिया, इटली, उरूग्वे, वेल्स और आस्ट्रिया भी भाग लेंगे और शीर्ष तीन टीमें विश्व कप का टिकट कटायेंगी।

वर्ष 2025 में हॉकी इंडिया के सर्वश्रेष्ठ उदीयमान खिलाड़ी का पुरस्कार जीतने वाली दीपिका ने कहा हॉकी से दूर ये पांच महीने मेरे लिए बहुत कठिन थे। मुझे गुस्सा आता था और मैं रोती थी कि टीम से बाहर क्यो हूं क्योंकि एशिया कप के लिये मेरी तैयारी अच्छी थी। अब पूरी तरह फिट होकर वापसी कर रही हूं और अपनी ओर से कोई कसर नहीं छोड़नी है। उन्होंने कहा हमें दिखाना है कि भारत की महिला हॉकी टीम भी किसी से कम नहीं है।टोक्यो ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहने के बाद महिला हॉकी का ग्राफ जो ऊपर गया था, उसे फिर लौटाना है। पिछला साल अच्छा नहीं रहा लेकिन अगला साल नई सुबह लेकर आएगा।

खिलाड़ी के लिए फिटनेस बहुत जरूरी

दीपिका ने कहा कि एक खिलाड़ी के लिये शारीरिक के साथ मानसिक फिटनेस भी बहुत जरूरी है और एचआईएल में उनकी टीम एसजी पाइपर्स ने इसमें उनकी काफी मदद की। उन्होंने कहा खिलाड़ी अगर मानसिक तौर पर रिलैक्स हो तो शारीरिक फिटनेस आ ही जाती है। हम खुश रहते हैं तो प्रदर्शन भी अच्छा होता है। मैं हॉकी इंडिया लीग के जरिये वापसी करना चाहती थी तो राष्ट्रीय टीम का शिविर खत्म होने के बाद एसजी पाइपर्स ने मेरे लिये जयपुर में 15 दिन के विशेष शिविर का इंतजाम किया और मुझ पर भरोसा जताया। इसी की वजह से मैं फिट होकर वापसी कर सकी हूं। अब चोट से पहले वाले फॉर्म में लौटकर उन्होंने ड्रैग फ्लिक भी शुरू कर दी है।